रायपुर । शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026
श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 6 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कैनेडियन ओपन : टैलोन ग्रीक्सपोर ने किया बड़ा... | @ विचार अब शिवाजी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे लोग... | @ व्यापार खुदरा महंगाई दर जुलाई में 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद...

छत्तीसगढ़ की बेटियों के सम्मान के लिए राज्य सरकार का प्लान तैयार

हर गांव में मुक्तिधाम और हर बालिका के लिए स्कूलों में बनेगा शौचालय

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक गांव में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान बेटियों के सम्मान, ग्रामीण स्वच्छता, सामाजिक गरिमा और आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का ऐतिहासिक कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 286.85 करोड़ रुपए की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक शौचालय की लागत 4.30 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार प्रदेश के 6,524 गांवों में 391.44 करोड़ रुपए की लागत से प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम बनाए जाएंगे, जिनकी प्रति इकाई लागत 6 लाख रुपए होगी। इसके अतिरिक्त 18.22 करोड़ रुपए की लागत से 549 मुक्तिधामों का भी निर्माण किया जाएगा, जिनकी प्रति इकाई लागत 3.32 लाख रुपए निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के 10,027 बंद अथवा डिफंक्ट बोरवेलों में 52.14 करोड़ रुपए की लागत से सैंड फिल्टर एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। प्रति इकाई लागत लगभग 52 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी, वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल स्वीकृत कर शीघ्र प्रारंभ कराया जाए।

ग्रामीण विकास और रोजगार का सबसे बड़ा अभियान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना पूरे देश में 1 जुलाई 2026 से लागू हुई है। योजना के अंतर्गत सभी विकास कार्यों का चयन ग्राम सभा की स्वीकृति से किया जाएगा तथा मजदूरी की दर बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में मनरेगा और वीबी-जी राम जी के माध्यम से राज्य को लगभग 6,855 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे, जो ग्रामीण रोजगार और विकास कार्यों के लिए राज्य में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय निवेश है। भारत सरकार से योजना की प्रथम किस्त के रूप में 1,538 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है।

किसानों और श्रमिकों दोनों के हितों का रखा गया विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में किसानों और श्रमिकों दोनों के हितों का संतुलित ध्यान रखा गया है। कृषि कार्यों के दौरान श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष में 60 दिनों तक योजना के कार्य बंद रखने का प्रावधान किया गया है, जिससे खेती और रोजगार दोनों प्रभावित न हों।

318 प्रकार के विकास कार्यों से बदलेगी गांवों की तस्वीर

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना में 318 प्रकार के कार्यों को चार प्रमुख श्रेणियों में शामिल किया गया है। इनमें 107 प्रकार के जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्य, 90 प्रकार के ग्रामीण अधोसंरचना विकास कार्य, 86 प्रकार के आजीविका संवर्धन कार्य तथा 35 प्रकार के जलवायु अनुकूलन एवं आपदा प्रबंधन संबंधी कार्य शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण

एटीएफ में इथेनॉल मिलाने की कोई योजना नहीं, विमानन मंत्री नायडू

इथेनॉल मिलाने संबंधी दावे पूरी तरह गलत और गैर-जिम्मेदाराना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को विमान ईंधन (एविएशन टरबाइन फ्यूल या एटीएफ) में इथेनॉल मिलाने की खबरों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने विमानन सुरक्षा से जुड़े मामलों पर भ्रामक जानकारी फैलाने के खिलाफ भी आगाह किया।

केंद्रीय मंत्री की यह प्रतिक्रिया उस समय आई है, जब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि सरकार विमान ईंधन में इथेनॉल मिलाने की योजना बना रही है। उन्होंने इस कदम को उड़ानों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बताया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मोहन नायडू ने कहा कि एटीएफ में इथेनॉल मिलाने संबंधी दावे पूरी तरह गलत और गैर-जिम्मेदाराना हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। विमानन सुरक्षा से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने से केवल हवाई यात्रियों के बीच अनावश्यक चिंता पैदा होती है। यात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

नायडू ने आगे स्पष्ट किया कि इथेनॉल और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) दो अलग-अलग प्रकार के ईंधन हैं और इन्हें लेकर किसी तरह की भ्रम की स्थिति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि एसएएफ एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित विमानन ईंधन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) की मान्यता प्राप्त है। दुनिया के कई देश विमानन क्षेत्र से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एसएएफ को विमान संचालन में उपयोग की मंजूरी मिलने से पहले कठोर परीक्षणों और वैश्विक सुरक्षा मानकों से गुजरना पड़ता है। इसकी गुणवत्ता और प्रदर्शन की व्यापक जांच की जाती है, जिसके बाद ही इसे विमान ईंधन के रूप में उपयोग के लिए स्वीकृति दी जाती है।

इस बीच, केंद्र सरकार ने इसी सप्ताह संसद को जानकारी दी थी कि भारत के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है और देश की कुल वार्षिक यात्री संचालन क्षमता अब 58 करोड़ यात्रियों से अधिक हो गई है। सरकार के अनुसार, यह बढ़ोतरी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और निजी हवाई अड्डा संचालकों द्वारा लगातार किए जा रहे विस्तार और आधुनिकीकरण कार्यों का परिणाम है।

सरकार ने यह भी बताया कि हवाई अड्डों से जुड़ी नई परियोजनाएं यात्री यातायात वृद्धि, परिचालन आवश्यकताओं, एयरलाइनों की मांग, वित्तीय व्यवहार्यता और तकनीकी-आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखकर लागू की जा रही हैं।

असम में 8,970 करोड़ रुपए की गुवाहाटी-तेजपुर 4-लेन हाईवे परियोजना को मंजूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने गुरुवार को असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 (एनएच-15) के तहत गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी। लगभग 135.871 किलोमीटर लंबे इस चार-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे का निर्माण बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) टोल मॉडल पर किया जाएगा, जिस पर कुल 8,970.20 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

यह परियोजना ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी हिस्से में स्थित मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा, भारतीय वायु सेना के साथ समन्वय कर तेजपुर बाईपास पर 4.9 किलोमीटर लंबी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) का भी निर्माण किया जाएगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सैन्य विमानों का उपयोग किया जा सके।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस परियोजना के तहत कुल 58.7 किलोमीटर लंबाई के पांच प्रमुख बाईपास बनाए जाएंगे, जिससे बैहाटा चरियाली, सिपाझार, खरूपेटिया, देकियाजुली और तेजपुर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में यातायात जाम की समस्या में काफी राहत मिलेगी।

बयान के मुताबिक, इस हाईवे परियोजना में 15 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 19 फ्लाईओवर और तेजपुर बाईपास क्षेत्र में एक हाथी अंडरपास का निर्माण भी शामिल है।

इसके अलावा यातायात की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 46 अंडरपास, 19 फ्लाईओवर और लगभग 210 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड भी बनाई जाएंगी।

सरकार का कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद यात्रा की औसत गति में लगभग 100 प्रतिशत तक वृद्धि होगी और यात्रा समय आधा रह जाएगा। इससे सड़क सुरक्षा बेहतर होगी, ईंधन की बचत होगी और वाहन संचालन लागत में कमी आएगी। साथ ही क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। यह कॉरिडोर असम और अरुणाचल प्रदेश के महत्वपूर्ण आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक केंद्रों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। परियोजना से माल और यात्रियों की आवाजाही अधिक तेज और सुगम होने की उम्मीद है।

तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रेप केस में सुनाया फैसला

एजेंसी ■ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को 'तहलका' के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को 2013 में अपनी एक जूनियर सहयोगी के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने उन्हें बरी करने के फैसले को पलटते हुए रेप और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी के तहत अन्य अपराधों का दोषी ठहराया।

जस्टिस नीला गोखले और जस्टिस अमित जमसंडेकर की बेंच ने सजा का ऐलान किया और तेजपाल को जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया।

इससे पहले, जस्टिस गोखले की अगुवाई वाली बेंच ने गोवा सरकार की उस अपील को मंजूरी दे दी थी जो मापुसा की सेशंस कोर्ट के मई 2021 के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। उस फैसले में तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

फैसला सुनाते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने तेजपाल को आईपीसी की धाराओं 376(2)(एफ) और 376(2)(के) (रेप), 354ए (यौन उत्पीड़न) और 354बी के तहत दोषी ठहराया। सजा पर सुनवाई के दौरान तेजपाल के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए सजा पर आठ हफ्ते की रोक लगाने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि इस फैसले ने बरी होने के आदेश को पलट दिया है और इस बात पर जोर दिया कि उनके खिलाफ कोई और आपराधिक मामला नहीं है।

जस्टिस गोखले की बेंच के सामने तेजपाल ने नरमी बरतने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि वह खुद को पीड़ित मानते हैं और हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि सजा तय करते समय सहानुभूतिपूर्ण नजरिया अपनाए।

इस अपील का विरोध करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि इस मामले में यौन हिंसा के खिलाफ कड़ा संदेश देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'जब कोई लड़की 'ना' कहती है, तो उसका मतलब 'ना' ही होता है।'

यह मामला एक जूनियर सहयोगी के आरोपों से जुड़ा है। आरोप है कि नवंबर 2013 में गोवा के एक लग्जरी होटल में एक इवेंट के दौरान तेजपाल ने लिफ्ट के अंदर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया था। गोवा पुलिस ने रेप समेत कई अपराधों के लिए तेजपाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद, एक स्थानीय कोर्ट द्वारा अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज किए जाने पर नवंबर 2013 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। जुलाई 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें रेगुलर जमानत दे दी थी। मई 2021 में एडिशनल सेशंस जज क्षमा जोशी ने तेजपाल को बरी कर दिया था। जज ने कहा था कि अभियोजन पक्ष मामले को बिना किसी संदेह के साबित करने में नाकाम रहा है।

उन्होंने जांच में कथित कमियों का भी जिक्र किया था, जिसमें सीसीटीवी फ़ुटेज जैसे कुछ सबूत पेश न कर पाना शामिल था। गोवा सरकार ने बरी किए जाने के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी। सरकार का तर्क था कि ट्रायल कोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों को समझने में गलती की थी।

जेन-जी देशविरोधी नहीं, शिकायतें वास्तविक : आरएसएस प्रमुख भागवत

एजेंसी ■ मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हालिया छात्र आंदोलनों और जेन जी को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि जेन जी विरोध-प्रदर्शन कर रही है तो उन्हें 'देशविरोधी' नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देश की अपनी नई पीढ़ी है और उनके मुद्दों को संवाद के जरिए समझकर समाधान निकालने की जरूरत है।

एक छात्र संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा, 'अगर जेन जी प्रदर्शन कर रही है तो इसका मतलब यह नहीं कि वे एंटी-नेशनल हैं। वे हमारे अपने लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं। मेरा मानना है कि जेन जी और जेन अल्फा मौजूदा पीढ़ी की तुलना में अधिक ईमानदार हैं। उनके साथ देशभक्ति और सेवा की ईमानदार अपील प्रभावी होती है।'

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन भी सहमति बनाने का एक माध्यम है। विभिन्न विचारों के बीच संवाद से ही व्यापक सहमति बनती है। यदि किसी कारण से लोगों की बात नहीं सुनी जाती, तब आंदोलन का रास्ता अपनाया जा सकता है, लेकिन उसका उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। भागवत ने कहा कि हाल की घटनाओं में छात्रों की शिकायतें वास्तविक हैं और भारत की शिक्षा व्यवस्था में अभी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए इन मुद्दों पर गंभीर संवाद होना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'जब हम उनकी उम्र के थे, तब बड़ों की हर बात बिना सवाल किए मान लेते थे। लेकिन आज की जेन जी और जेन अल्फा सवाल पूछती है, तार्किक जवाब चाहती है और अपनापन भी चाहती है। लोकतंत्र में यही सही तरीका है। अंग्रेजी में इसे 'डिबेट' कहा जाता है, जबकि हमारी परंपरा में इसे 'शास्त्रार्थ' कहा गया है, जहां विभिन्न दृष्टिकोणों से सत्य का व्यापक स्वरूप सामने आता है।'

शेयर बाजार में अस्थिरता : निवेशकों के लिए अब क्या है सही रणनीति

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

भारतीय शेयर बाजार पिछले पांच वर्षों में जिस रफ्तार से नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है, वैसी तेजी देश ने पहले कभी नहीं देखी। कोविड महामारी के बाद करोड़ों नए निवेशकों ने पहली बार शेयर बाजार का रुख किया। आज भारत में 21 करोड़ से अधिक डीमैट खाते हैं और म्यूचुअल फंड के जरिए होने वाला मासिक SIP निवेश 30,000 करोड़ रुपए के आसपास पहुंच चुका है। यही घरेलू पूंजी अब भारतीय बाजार की सबसे बड़ी ताकत बन गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या आने वाले 12 से 24 महीने छोटे निवेशकों की सबसे कठिन परीक्षा साबित होंगे?

भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अगले कुछ वर्षों तक भारत को दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल मान रही हैं। सरकार का पूंजीगत व्यय, विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रक्षा उत्पादन और बुनियादी ढांचे में भारी निवेश बाजार को दीर्घकालिक समर्थन दे रहे हैं। यही कारण है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने बाजार को लगातार संभाले रखा है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। बाजार का मूल्यांकन अब काफी महंगा माना जा रहा है। कई मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर अपनी आय की तुलना में अत्यधिक ऊंचे भाव पर कारोबार कर रहे हैं। यदि कंपनियों के मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई या वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती आई तो इन शेयरों में 15 से 25 प्रतिशत तक का करेक्शन असामान्य नहीं होगा। इतिहास बताता है कि बाजार की सबसे तेज़ गिरावट अक्सर तब आती है, जब अधिकांश निवेशक यह मानने लगते हैं कि बाजार केवल ऊपर ही जाएगा।

जोखिम केवल वैल्यूएशन तक सीमित नहीं हैं। अमेरिका की ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की रणनीति भारतीय बाजार की दिशा बदल सकती है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि कच्चा तेल लंबे समय तक महंगा रहता है तो महंगाई, चालू खाते का घाटा और कंपनियों की लागत तीनों बढ़ सकते हैं।

छोटे निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न SIP को लेकर है। कई निवेशक हर गिरावट में SIP बंद कर देते हैं, जबकि निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में गिरावट ही SIP की सबसे बड़ी ताकत होती है। कम कीमत पर अधिक यूनिट मिलने से लंबी अवधि में औसत लागत घटती है और चक्र पूरा होने पर बेहतर प्रतिफल मिलने की संभावना बढ़ती है। इसलिए SIP को बाजार की चाल नहीं, बल्कि निवेशक के दीर्घकालिक लक्ष्य के आधार पर जारी रखा जाना चाहिए।

प्रख्यात निवेशक वॉरेन बफेट का कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है— 'जब दूसरे लालची हों तो सावधान रहें और जब दूसरे भयभीत हों तो अवसर तलाशें।' भारत के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला भी बार-बार कहते थे कि धैर्य ही शेयर बाजार में सबसे बड़ा निवेश है।

आने वाले समय में निवेशकों को सात संकेतकों पर विशेष नजर रखनी होगी—कॉरपोरेट आय, महंगाई, ब्याज दरें, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेश का प्रवाह, रुपये की मजबूती तथा सरकार की पूंजीगत व्यय नीति। यदि इन मोर्चों पर सकारात्मक संकेत मिलते हैं तो बाजार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ सकता है। लेकिन किसी भी मोर्चे पर बड़ा झटका तेज़ गिरावट का कारण बन सकता है।

भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक कहानी अभी भी मजबूत है, लेकिन अब केवल तेजी के भरोसे निवेश करने का दौर समाप्त हो चुका है। आने वाले वर्षों में वही निवेशक सफल होंगे जो भीड़ की मानसिकता से दूर रहेंगे, गुणवत्ता वाली कंपनियों में निवेश करेंगे, विविधीकरण अपनाएंगे और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण पर ध्यान देंगे। करोड़ों छोटे निवेशकों के लिए यही समय उत्साह से अधिक अनुशासन और धैर्य का है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर का किया शुभारंभ

विश्व केसरी

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 6 से 8 अगस्त के दौरान आयोजित हो रहे ट्रैवल एंड ट्रेड फेयर का उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में शुभारंभ कराया।

गुजरात में दो दशकों से आयोजित हो रहे इस फेयर में राज्य की टूरिज्म इकोसिस्टम को वेग देने के लिए बी2बी ट्रैवल ट्रेड एग्जीबिशन से महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इतना ही नहीं, पर्यटन सेक्टर के प्रोत्साहन, व्यावसायिक सहभागिता को गति प्रदान करने तथा पर्यटन क्षेत्र के होल्डर्स को एक-दूसरे से जोड़ने का भी माध्यम बना है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। इस संदर्भ में राज्य के पर्यटन स्थलों तथा पर्यटन विकास की संभावनाओं को विश्व के समक्ष अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में भी यह फेयर प्रेरक सिद्ध होगा। ट्रैवल एंड ट्रेड फेयर-2026 के इस संस्करण में 900 से अधिक प्रदर्शक तथा विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभाग भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पर्यटन गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ एक भारत-श्रेष्ठ भारत का जो विचार दिया है, उसे यह टीटीएफ साकार करता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा ट्रैवल एंड ट्रेड फेयर का उद्घाटन किए जाने के अवसर पर गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे तथा उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी सहभागी हुए। मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा अन्य महानुभावों ने एग्जीबिशन का अवलोकन करते हुए उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, गोवा सहित विभिन्न राज्यों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टॉल संचालकों से बातचीत कर संबंधित राज्यों की पर्यटन प्रोत्साहन योजनाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कीं।

जनप्रतिनिधि एआई का अधिक उपयोग करें, योजनाओं की निगरानी होगी बेहतर: सम्राट चौधरी

विश्व केसरी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल तकनीक आने वाले समय में सुशासन और विकास की सबसे बड़ी आवश्यकता बनने जा रही है। यदि इन तकनीकों का समय पर उपयोग नहीं किया गया तो विकास की दौड़ में पीछे छूटने का खतरा रहेगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से एआई आधारित तकनीकों का अधिकतम उपयोग कर योजनाओं की निगरानी और जनता से संवाद को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री बिहार विधान सभा के विस्तारित भवन में आयोजित बिहार विधानमंडल के सदस्यों के लिए 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के संवेदीकरण एवं मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के कार्यान्वयन' विषय पर आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत विकसित 'परियोजना निगरानी प्रणाली (प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम)' वेब पोर्टल का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दशक पहले तक कंप्यूटर का उपयोग सीमित था, लेकिन आज एआई और डिजिटल तकनीक शासन, प्रशासन और विकास के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री, विधायक और विधान पार्षद इन तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग करें, ताकि विकास योजनाओं की निगरानी बेहतर तरीके से हो सके और आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि विकास योजनाओं के एस्टीमेट तैयार करने में भी एआई की उपयोगिता सामने आई है। भवन निर्माण विभाग के एक एस्टीमेट की एआई के माध्यम से जांच करने पर पांच से सात प्रतिशत तक लागत में कमी आई, जिससे बचाई गई राशि को अन्य विकास कार्यों में लगाया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

ओडिशा विजिलेंस ने 55.69 लाख के गबन के आरोप में तीन को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस ने गुरुवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें एक पूर्व जूनियर इंजीनियर, एक म्युनिसिपल इंजीनियर और एक प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर शामिल हैं। इन तीनों पर राज्य के गजपति जिले के परलाखेमुंडी में पटनायक टैंक के सुधार और नवीनीकरण प्रोजेक्ट में 55.69 लाख रुपए से ज्यादा के गबन में शामिल होने का आरोप है। आरोपियों की पहचान पूर्व जूनियर इंजीनियर डी. युधिष्ठिर, म्युनिसिपल इंजीनियर संजीव चंपाती और प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर सुरेंद्र पाणिग्रही के तौर पर की गई है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह गिरफ्तारी 2019 और 2022 के बीच 'पटनायक टैंक' के सुधार और नवीनीकरण प्रोजेक्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की एंटी-करप्शन एजेंसी के अधिकारियों द्वारा की गई गहन जांच के बाद हुई है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'ओडिशा विजिलेंस की गहन जांच से पता चला है कि नकली मेजरमेंट बुक (एमबी) एंट्री और घटिया क्वालिटी के काम के जरिए सरकारी फंड में 55,69,033 रुपए का सुनियोजित तरीके से गबन किया गया।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लैंडमाइन धमाके में दो सैनिक घायल

विश्व केसरी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक लैंडमाइन को निष्क्रिय करने की कोशिश के दौरान दो सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात मेंढर सेक्टर के कांगा गली में सैनिक लैंडमाइन को निष्क्रिय करने की कोशिश कर रहे थे, तभी वह फट गई। अधिकारियों ने बताया, 'घायल सैनिकों को इलाज के लिए तुरंत आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया। सेना की पेट्रोलिंग पार्टी को लैंडमाइन का पता चला, जिसके बाद विस्फोटक डिवाइस को निष्क्रिय करने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया गया। बता दें कि घुसपैठ रोकने वाले सिस्टम के तहत सीमा के पास के इलाकों में लैंडमाइन बिछाई जाती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं। तकनीकी भाषा में इन्हें 'ड्रिफ्टेड लैंडमाइन' कहा जाता है और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर होने वाली ज्यादातर दुर्घटनाएं इन्हीं लैंडमाइन की वजह से होती हैं। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास ड्रिफ्ट लैंडमाइन से होने वाली दुर्घटनाएं मुख्य रूप से तब होती हैं, जब भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और मिट्टी के कटाव के कारण पुरानी एंटी-पर्सनल माइन अपनी जगह से हटकर उन रास्तों पर आ जाती हैं, जिन्हें पहले साफ या सुरक्षित घोषित किया गया था।

ईडी टीम पर हमला करने के मामले में पुलिस ने सीपीआईएम के कई नेताओं को भेजा नोटिस

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन के घर पर तलाशी के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हुए हमले की केरल पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अब कई सीनियर सीपीआई (एम) नेताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिनमें राज्य सचिव एम.वी. गोविंदन, राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास और विधायक वी. जॉय शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि कई पूर्व विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। यह जांच उस हिंसा के बारे में है जो ईडी अधिकारियों के तलाशी पूरी करने और परिसर से निकलने की कोशिश करने के बाद भड़की थी। जांच इस बात पर केंद्रित है कि क्या इसके पीछे कोई पहले से रची गई साजिश थी ईडी की टीम विवादास्पद सीएमआरएल-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन मामले के सिलसिले में विजयन की बेटी वीना से पूछताछ करने आई थी। जब अधिकारी कार्रवाई के बाद वहां से निकल रहे थे, तो पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन पर हमला कर दिया। इसके बाद बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और आपराधिक जांच शुरू हुई। इस घटना के सिलसिले में अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि मई के आखिरी हफ्ते में गिरफ्तारी के बाद पिछले कुछ दिनों में केरल हाई कोर्ट ने आरोपियों को जमानत दे दी है, लेकिन पुलिस की जांच जारी है और अब इसका फोकस असल हमले से हटकर किसी बड़ी साजिश की संभावना पर केंद्रित हो गया है।

जांच करने वाले यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह हमला अचानक हुआ था या फिर पार्टी कार्यकर्ताओं को पहले से ही इस इरादे से इकट्ठा किया गया था कि तलाशी पूरी होने के बाद केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को रोका जाए या उन पर हमला किया जाए।

सड़क पर दिखा तेंदुआ, आम लोगो में दहशत

विश्व केसरी

बिलासपुर। बिलासपुर से बेलगहना के रास्ते से गौरेला जाने वाले मार्ग पर भंवरटंक के पास देर रात लगभग 11.30 बजे सड़क किनारे एक तेंदुआ दिखाई दिया। वाहन से गुजर रहे सत्यम दीक्षित के जीजा को दिखा उन्होंने गाड़ी में बैठे बैठे इसका वीडियो अपने मोबाइल में कैद कर लिया। वीडियो में तेंदुआ कुछ देर तक सड़क किनारे बैठा नजर आता है, फिर दौड़ कर जंगल के नीचे की तरफ चला जाता है तेंदुए के दिखाई देने से क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों के लिए वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। वन विभाग ने रात में सफर न करने हिदायत दी है,फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि या हमले की सूचना नहीं है। बिलासपुर के सी सी एफ मनोज पांडेय ने गौरेला पेंड्रा के डी डी एफ को वन विभाग से इलाके में निगरानी बढ़ाने और लोगों से रात के समय सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं इधर विभाग भी स्थानीय लोगों से सुरक्षा की दृष्टि से अपील की जा रही है।

हरियाणा: पुलिस स्टेशन के बाहर गैंगवार, सात लोग घायल

विश्व केसरी

चंडीगढ़। हरियाणा के दादरी शहर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां गुरुवार को पुलिस स्टेशन के सामने दिनदहाड़े अंधाधुंध गोलीबारी हुई, जिसमें एक कार में सवार सात लोग घायल हो गए।

शुरुआत में पुलिस को लगा कि यह अपराध गैंगवार से जुड़ा है। हमलावरों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जिन्होंने कम से कम 30 राउंड फायरिंग की थी। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि गोलीबारी के बाद तीन हमलावर रिवॉल्वर लहराते हुए पैदल ही भाग गए।

इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें घायल लोग गोलियों से छलनी एसयूवी कार में बैठे दिख रहे हैं। घायलों को गंभीर हालत में रोहतक के पीजीआई रेफर कर दिया गया है। वहीं, अपराध की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फायरिंग इतनी अचानक हुई कि राहगीरों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना के दौरान गोलियों की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए चरखी दादरी के सिविल अस्पताल ले जाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद, सभी सात घायलों को गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान चरखी दादरी के अंकित, हिसार के कीर्तिमान, भिवानी के सूरज और अंकित, हिसार के सनी, महेंद्रगढ़ के कृष्ण और फतेहगढ़ के अमित के तौर पर हुई है।

फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत इकट्ठा किए। जांच अधिकारी ने बताया कि हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि तीन बदमाश बाइक पर आए थे। आरोपियों ने स्कॉर्पियो के सामने बाइक लगाकर उसे रुकने पर मजबूर किया और फिर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग से मौके पर भगदड़ और अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

मौलाना साजिद रशीदी का आदर्श ओसामा बिन लादेन रहा होगा: मिथिलेश तिवारी

विश्व केसरी

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने मौलाना साजिद रशीदी की उस कथित टिप्पणी की निंदा की, जिसमें उन्होंने कांवड़ यात्रियों की तुलना आतंकवादियों से की थी। उन्होंने इस बयान को अस्वीकार्य और भक्तों का अपमान करने वाला बताया।

बिहार के मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मौलाना साजिद रशीदी का आदर्श ओसामा बिन लादेन रहा होगा, इसीलिए वह इस प्रकार की भाषा बोल रहे हैं। इस तरह की भाषा को देश में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। रामभक्तों और शिवभक्तों पर इस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले को दोजख में भी जगह नहीं मिलेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवभक्तों पर फूलों की वर्षा करते हैं। वहीं, बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने कांवड़ यात्रियों के लिए रास्ते को आसान बनाने के लिए बालू बिछाया है।

बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि समाज के सभी धर्मों में कुछ ऐसे लोग हैं, जो विक्षिप्त होते हैं। इस तरह के लोगों के पास कोई काम नहीं होने के कारण वे कुछ से कुछ बोलते रहते हैं और सुर्खियों में बने रहते हैं।

भाजपा नेता पवन जायसवाल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि मौलाना की शिवभक्तों के प्रति यह भाषा दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस तरह के लोगों को राष्ट्रद्रोह के केस में जेल में डाल देना चाहिए, तब समझ में आएगा कि आतंकवादी कौन है।

ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति खुद आतंकवादी है। मौलाना द्वेष फैलाकर समाज को बांटना चाहता है। यह एफआईआर कानून का असर दिख रहा है। ये मौलाना अब फर्जी मदरसों में फंडिंग पर रोक लगाने से बौखलाए हैं। मौलाना रशीदी के बयान पर संज्ञान लेकर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए।

वहीं, आरजेडी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि हर धर्मावलंबी की अपनी-अपनी आस्था होती है। किसी भी पंथ के मानने वाले लोगों को किसी धर्मावलंबी को दूसरे धर्म को मानने वाली आपत्तिजनक टिप्पणी से बचाना चाहिए। इस तरह के लोग खुद के धर्म के भी नहीं होते हैं और समाज में नफरत फैलाते हैं। आस्था पर आघात पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं है।

नई दिल्ली में भारत-रूस आर्मी लैंड सिस्टम सब-ग्रुप की बैठक, रक्षा सहयोग मजबूत करने पर जोर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारत-रूस आर्मी लैंड सिस्टम सब-ग्रुप (एएलएसएसजी) की पांचवीं बैठक में भारत और रूस ने अपने बीच भरोसे को और मजबूत करने तथा रक्षा उद्योग और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

4 से 7 अगस्त तक चल रही इस चार दिवसीय बैठक का आयोजन भारत-रूस इंटरगवर्नमेंटल कमीशन ऑन मिलिट्री एंड मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन (आईआरआईजीसी-एम एंड एमटीसी) के तहत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

भारतीय सेना के अतिरिक्त महानिदेशालय जनसंपर्क (एडीजीपीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह, डीसीओएएस (सीडी और एस) कर रहे हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूसी संघ के रक्षा मंत्रालय के मेन आर्मर्ड डायरेक्टरेट के डिप्टी हेड मेजर जनरल तुर्फकची अलेक्जेंडर ने किया। दोनों पक्षों ने आपसी विश्वास बढ़ाने और रक्षा उद्योग और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पिछले महीने नई दिल्ली में भारत-रूस आतंकवाद निरोधक संयुक्त कार्य समूह की 14वीं बैठक भी आयोजित हुई थी। इस बैठक में दोनों देशों ने आतंकवाद से निपटने के अपने अनुभव साझा किए और हिंसक उग्रवाद, कट्टरपंथ, आतंकवाद के वित्तपोषण तथा आतंकवादी गतिविधियों में नई तकनीकों और डिजिटल वित्तीय तकनीकों के इस्तेमाल जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

आठ जुलाई को हुई इस बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में एसीबी (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और रूस के उप विदेश मंत्री दिमित्री ल्यूबिंस्की ने की थी। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों देशों ने वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर मौजूद तथा उभरते आतंकवाद खतरों पर चर्चा की। भारत और रूस ने संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, ईएजी और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर आतंकवाद विरोधी सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों देशों ने आतंकवाद के हर रूप और हर प्रकार की कड़ी निंदा की, जिसमें सीमा पार आतंकवाद भी शामिल है। उन्होंने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और 10 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकवादी घटना की भी सबसे कड़े शब्दों में निंदा की।

दोनों देशों ने आतंकियों और आतंकवादी संगठनों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की अपील की। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति की सूची में शामिल

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्र. /34043..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34043
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि 2- महर्षि वाल्मीकि वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RP R328T00248 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती SARITA JAISWAL पिता/पति श्री श्रीमती GIRDHARI LAL JAISWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती शिवानी रॉबिन पिता/पति श्री श्रीमती रॉबिन शाहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्र. /34044..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026
इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 34044
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि 2- महर्षि वाल्मीकि वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RP R328P00065 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती YUSUF SHARIF पिता/पति श्री श्रीमती DAWUD SHARIF के नाम से दर्ज है जिसको श्री **गगन चोपड़ा** पिता / पति श्री **सुदर्शन चोपड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सिम्स में पहली बार 78 वर्षीय महिला के अंडाशय कैंसर की सफल सर्जरी

एक किलो का ट्यूमर निकाल महिला को दिया नया जीवन

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने एक अत्यंत जटिल और उच्च जोखिम वाली सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। सिम्स के डॉक्टरों ने दर्रीघाट (बिलासपुर) निवासी 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला के बाएं अंडाशय से लगभग 1 किलोग्राम वजन का कैंसरयुक्त ट्यूमर सुरक्षित बाहर निकालकर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरा इलाज और जटिल ऑपरेशन हुआ बिल्कुल मुफ्त

निजी अस्पताल ने बताया था 3 लाख का खर्च, आयुष्मान योजना से मुफ्त हुआ इलाज, मरीज पिछले 5-6 महीनों से पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द और तेजी से बढ़ रही गांठ से पीड़ित थीं। परिजन पहले उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए थे, जहां जांच के बाद ऑपरेशन व इलाज के लिए 2 से 3 लाख रुपये का खर्च बताया गया। आर्थिक तंगी के कारण परिवार चिंतित था। इसके बाद मरीज को सिम्स, बिलासपुर में भर्ती कराया गया, जहां आयुष्मान भारत योजना के तहत उनका पूरा इलाज और जटिल ऑपरेशन बिल्कुल मुफ्त किया गया।

सोनोग्राफी जांच में रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने पाया कि मरीज के बाएं अंडाशय में 15म12म10 सेंटीमीटर आकार का विशाल ट्यूमर था, जो आसपास के अंगों पर भारी दबाव डाल रहा था। इसके बाद बहुविषयक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 3 अगस्त 2026 को कैंसर की चरण निर्धारण शल्य चिकित्सा, ट्यूमर भार कम करने, गर्भाशय एवं दोनों अंडाशयों को निकालने, बाईं मूत्रवाहिनी की मरम्मत और उसमें श्डबल-जे स्टेंटश् प्रत्यारोपण जैसी बेहद जटिल प्रक्रियाओं को सफलता पूर्वक पूरा किया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की संयुक्त टीम ने हासिल की सफलता

इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन में विभिन्न विभागों की टीमों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गायनेकोलॉजिकल सर्जरी टीम के विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. संगीता रमन जोगी, डॉ. दीपिका, डॉ. सौम्या और डॉ. वर्षा, जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रघुराज सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बी. डी. तिवारी और डॉ. गरिमा और एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. बी. रायजादा, डॉ. एस. कुजूर और डॉ. एम. देववर्मा का इस सफल आपरेशन में का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डॉक्टरों ने बताया अत्यंत दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण मामला

सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने बताया कि रजोनिवृत्ति के बाद इस आकार का कैंसर ट्यूमर होना बेहद दुर्लभ और जोखिम भरा होता है। ऑपरेशन के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव और आंत व मूत्राशय जैसे महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। हालांकि, डॉक्टरों के सटीक संज्ञाहरण प्रबंधन और उच्च स्तरीय कौशल से मरीज का सुरक्षित ऑपरेशन संपन्न हुआ।

एम्स रायपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन

केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में होंगी शामिल

विश्व केसरी

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह 2 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल ने अपनी धर्मपत्नी उषा जिंदल के साथ नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। उपराष्ट्रपति ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की सहमति प्रदान की। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल ने उपराष्ट्रपति को एम्स रायपुर द्वारा पिछले वर्षों में रोगी सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल स्वास्थ्य और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने संस्थान में रोबोटिक सर्जरी, किडनी प्रत्यारोपण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वास्थ्य अनुसंधान, जैव-चिकित्सकीय नवाचार तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में हुई प्रगति से भी अवगत कराया। उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में एम्स रायपुर की भूमिका की सराहना की। उन्होंने आयुष्मान भारत तथा अन्य सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में संस्थान के योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया। तृतीय दीक्षांत समारोह एम्स रायपुर की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, सुपर स्पेशियलिटी, डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) तथा संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

लिव-इन में रह रही छात्रा की संदिग्ध मौत

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर के बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतका के शरीर और गले पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे मारपीट के बाद गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मृतका के साथ रहने वाले छात्र को हिरासत में ले लिया है।

घटना मुजगहन थाना क्षेत्र के बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है। मृतका भारती नेताम (19) पिता रतिराम नेताम, मूल रूप से कांकेर जिले के कोकपुर की रहने वाली थी। वह रायपुर के विकास महाविद्यालय में बीएड की पढ़ाई कर रही थी और पिछले 6-7 महीनों से कोंडागांव के रावतपुरा सरकार महाविद्यालय के छात्र सावंत बघेल के साथ बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किराए के मकान में लिव-इन में रह रही थी। बीमारी रोकने की ताक़त आपके पास, संदिग्ध मामलों की सूचना सीधे सरकार तक पहुंचाएं मृतका की बड़ी बहन देविका नेताम ने पुलिस को बताया कि सावंत बघेल किसी अन्य के संपर्क में होने के संदेह में अक्सर भारती के साथ मारपीट करता था।

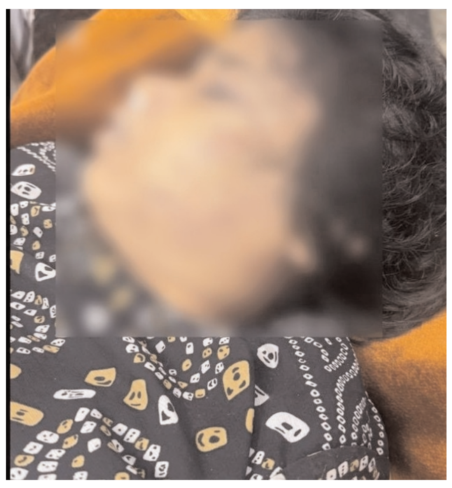

भारती ने एक दिन पहले फोन करके बताया कि सावंत ने फिर मारपीट की है। वह कोकपुर लौटना चाहती है, लेकिन उसके पास पैसे नहीं है, तब उसने ऑनलाइन 3 हजार रुपए ट्रांसफर किए थे। इसके बाद 4 अगस्त की रात उसे फोन से सूचना मिली कि भारती को मेकाहारा इलाज के लिए ले जाया गया है, जहां उसकी मौत हो गई, जिसके बाद देविका 5 अगस्त को पिता और बहन के साथ रायपुर पहुंची। मृतका की बांयी आंख के नीचे, गर्दन के पीछे और ठुड्डी पर चोट के साथ ही खून जमने के निशान मिले हैं। आरोप लगाया गया है कि सांवत ने ही भारती की हत्या की है। देविका की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मुख्य संदेही सावंत को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

1 करोड़ की जमीन का विवाद, शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आरंग क्षेत्र में एक करोड़ रुपये से अधिक के जमीन सौदे को लेकर विवाद सामने आया है। रायपुर निवासी कुलदीप पाण्डेय ने नायब तहसीलदार, जनपद सदस्य समेत मांडले परिवार के सदस्यों पर पूरी रकम लेने के बावजूद जमीन की रजिस्ट्री नहीं करने और राशि वापस नहीं लौटाने का आरोप लगाया है।

वहीं, जनपद सदस्य अमर आशीष माण्डले ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि खरीदार तय समय सीमा के भीतर रजिस्ट्री कराने में विफल रहा, जिसके कारण एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार कार्रवाई की गई।

खरीदार का दावा, 1.01 करोड़ रुपये का किया भुगतान

रायपुर निवासी कुलदीप पाण्डेय ने पत्रकार वार्ता में बताया कि वर्ष 2024 में उन्होंने भानसोज (आरंग) स्थित भूमि खरीदने के लिए राज आशीष माण्डले (नायब तहसीलदार), अमर आशीष माण्डले (जनपद सदस्य, आरंग), त्रिविहार आशीष माण्डले और अगरबाई माण्डले के साथ विधिवत अनुबंध किया था। उनके अनुसार, इस सौदे के तहत कुल 1.01 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिसमें 88 लाख रुपये बैंक ट्रांजैक्शन और 13 लाख रुपये नकद दिए गए। उनका कहना है कि इस भुगतान का उल्लेख एग्रीमेंट में भी दर्ज है।

रजिस्ट्री नहीं हुई, अब अतिरिक्त रकम मांगी जा रही

कुलदीप पाण्डेय का आरोप है कि एग्रीमेंट के कुछ महीने बाद अमर आशीष माण्डले ने उनसे सौदा आगे नहीं बढ़ाने की बात कही। जब उन्होंने अपनी राशि वापस मांगी तो भुगतान से इनकार कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कानूनी नोटिस भेजने के बाद विक्रेताओं ने सीमांकन पूरा होने के बाद रजिस्ट्री कराने की सहमति दी, लेकिन फसल और सीमांकन का हवाला देकर करीब एक वर्ष तक मामला टालते रहे। उनका आरोप है कि अब उनसे 30 से 40 लाख रुपये अतिरिक्त देने की मांग की जा रही है। विरोध करने पर जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेचकर रकम लौटाने की बात कही गई।

एफआईआर दर्ज नहीं होने का आरोप

पीड़ित का कहना है कि उन्होंने करीब दो महीने पहले रायपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय और आरंग थाना में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उनका आरोप है कि मामले में प्रभावशाली पदों पर बैठे लोगों के कारण कार्रवाई प्रभावित हो रही। आरंग जनपद पंचायत सदस्य अमर आशीष माण्डले ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि 30 अक्टूबर 2024 को हुए एग्रीमेंट के अनुसार छह महीने के भीतर रजिस्ट्री करानी थी, लेकिन खरीदार ने निर्धारित अवधि में रजिस्ट्री नहीं कराई। उन्होंने कहा कि खरीदार के अनुरोध पर तीन महीने का अतिरिक्त समय दिया गया। इसके बाद 30 जुलाई 2025 को नया एग्रीमेंट किया गया, जिसमें एक महीने की समय सीमा तय की गई।

माण्डले के अनुसार, नए एग्रीमेंट में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि तय अवधि में रजिस्ट्री नहीं होती या किसी भी पक्ष की ओर से सौदा रद्द होता है, तो संबंधित जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेची जा सकती है।

फार्मेसी काउंसिल की बैठक में हंगामा

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल की आम सभा की बैठक बुधवार को हंगामेदार रही। बैठक में फार्मासिस्ट अभिषेक चंदा के निलंबन का मामला प्रमुख रूप से उठा। काउंसिल सदस्यों ने दस्तावेजों की जांच के बाद सर्वसम्मति से उनका निलंबन वापस लेने का निर्णय लिया।

बैठक में विशेष सम्मिलन 2 अप्रैल 2026 की कार्यवाही विवरण के अनुमोदन, संजय जैन द्वारा पंजीयन के लिए आवेदन पर कार्यसमिति के अभिमत का अनुमोदन और छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के लिए पूर्णकालिक रजिस्ट्रार की नियुक्ति जैसे मुद्दे पर भी चर्चा हुई। काउंसिल के सदस्य डॉ. राकेश गुप्ता और भगत राम शर्मा ने कहा कि आज सच्चाई की जीत हुई है और बुराई परास्त हुई है। उन्होंने कहा कि कूटरचित दस्तावेज बनाकर अभिषेक चंदा के रजिस्ट्रेशन को फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार ने द्वेषपूर्वक निलंबित किया था, लेकिन आज बैठक में सर्वसम्मति से इसे बहाल कर दिया गया। भ्रष्टाचार और तानाशाही के मुद्दे में घिरने के बाद रजिस्ट्रार अश्वनी गुर्देकर बैठक छोड़कर चले गए। बैठक के दौरान रजिस्ट्रार अश्वनी गुर्देकर पर पक्षपात, तानाशाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए। आरोपों के बीच वे बैठक छोड़कर चले गए, जिसको लेकर भी सदस्यों ने आपत्ति जताई। हालांकि, रजिस्ट्रार अश्वनी गुर्देकर ने कहा कि बैठक में बहुत शोर-शराबा हो रहा था।

कल्याण ज्वेलर्स में डकैती की साजिश नाकाम, पिस्टल-चाकू के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर पुलिस की सक्रिय और प्रोएक्टिव पुलिसिंग के चलते राजधानी में एक बड़ी डकैती की साजिश समय रहते नाकाम कर दी गई। गुढ़ियारी थाना पुलिस ने पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में डकैती की योजना बना रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, तीन मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन में संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गुढ़ियारी थाना पुलिस ने

रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-7 के पीछे नया रोड के पास घेराबंदी कर तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ा।

पहले की थी रेकी, फिर बनाई डकैती की योजना

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में रात के समय डकैती की योजना बनाई थी। इसके लिए 1 अप्रैल 2026 को एक आरोपी ने ज्वेलर्स की रेकी कर सुरक्षा व्यवस्था, आसपास के इलाके और वारदात को अंजाम देने के संभावित रास्तों की जानकारी जुटाई थी।

पुलिस के अनुसार, फरार दो आरोपी लगातार मोबाइल के जरिए गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में थे और रेकी की तस्वीरें साझा कर पूरी योजना तैयार कर रहे थे।

हथियार और अन्य सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, तीन मोबाइल फोन और 2,500 रुपये नकद जब्त किए हैं। पुलिस तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के नेटवर्क, हथियारों की व्यवस्था और पूरी साजिश की जांच कर रही है।

एसआई भर्ती परीक्षा विवादों के घेरे में

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सूबेदार, उप निरीक्षक (स्ढ्ढ) और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा का प्रारंभिक परिणाम जारी होते ही विवादों में घिर गया है। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की जारी सूची में दर्ज 'NEWS' और 'SPACERANI' जैसे अटपटे नामों को लेकर कांग्रेस ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विपक्षी दल ने पूरी प्रक्रिया पर संदेह जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। वहीं दूसरी तरफ, लोक सेवा आयोग ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से साफ इनकार करते हुए सूची में दर्ज सभी जानकारियों को पूरी तरह नियमानुकूल और सही करार दिया है।

परिणाम घोषित होते ही सोशल मीडिया पर अभ्यर्थियों के नामों की सूची के स्क्रीनशॉट तेजी से साझा होने लगे। वायरल हो रही जानकारी के अनुसार, चयन सूची में क्रमांक 6074 (रोल नंबर 2402148213) पर अभ्यर्थी का नाम 'NEWS' दर्ज है। इसी तरह क्रमांक 467 (रोल नंबर 2402105174) पर 'SPACERANI' और क्रमांक 93 (रोल नंबर 2402101319) पर नाम के स्थान पर 'MANBAS' लिखा हुआ मिला है।

341 पदों के लिए हुई थी परीक्षा

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने प्रदेश भर में 341 पदों पर सीधी भर्ती के लिए इस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया था। यह परीक्षा 12 जुलाई 2026 को राज्य के सभी 33 जिलों के 183 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई थी। आयोग द्वारा जारी नतीजों के आधार पर कुल 7,301 अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया गया है। तय कार्यक्रम के अनुसार, सफल अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा का आयोजन 24, 25 और 26 अक्टूबर 2026 को किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए जल्द ही ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी।

कांग्रेस ने लिया हमला

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने हाइलाइट की गई सूची सार्वजनिक करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सुशासन का दावा करने वाली साय सरकार में इस तरह के परिणाम आ रहे हैं।

विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव के लिए पोषण एवं बाल कल्याण पर राज्य नीति आयोग-यूनिसेफ का मंथन

विश्व केसरी

रायपुर। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में पोषण एवं बाल कल्याण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग में आज उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में यूनिसेफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं बाल कल्याण से जुड़े प्रयासों को प्रभावी बनाने तथा नवाचारों को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि पोषण और बाल कल्याण किसी भी विकसित एवं सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा जैसे क्षेत्रों में पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए प्रभावी, व्यावहारिक एवं नवाचारी उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यूनिसेफ के विशेषज्ञों से आग्रह किया कि ऐसे समाधान विकसित किए जाएं, जिनका लाभ प्रत्येक बच्चे, गर्भवती महिला एवं परिवार तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न नवाचारों पर भी सार्थक चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के लिए पहले जहां पांच इंजेक्शन (खुराक) की आवश्यकता होती थी, वहीं अब एक ही इंजेक्शन से समतुल्य लाभ संभव है। इसे माताओं के लिए अधिक सुविधाजनक तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नवाचार बताया गया। इसके साथ ही बच्चों एवं महिलाओं में एनीमिया (रक्ताल्पता) तथा कुपोषण की समस्या के प्रभावी समाधान पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

इस बात पर भी जोर दिया गया कि राज्य नीति आयोग नीति-परामर्श, प्रभावी मॉनिटरिंग तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभा रहा है। आयोग, यूनिसेफ जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से बस्तर सहित पूरे राज्य में पोषण एवं बाल कल्याण संबंधी कार्यक्रमों के लिए साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, अंतर-विभागीय समन्वय और निगरानी तंत्र को और मजबूत करेगा।

यूनिसेफ की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस सीमा कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर संभाग के बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में राज्य शासन के साथ मिलकर कार्य करना यूनिसेफ की प्राथमिकता है। यूनिसेफ के सामाजिक नीति विशेषज्ञ डॉ. बाल परितोष दाश ने कहा कि पोषण एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में स्थायी परिणाम तभी प्राप्त किए जा सकते हैं, जब विभिन्न विभाग समन्वित रूप से कार्य करें और नीतियां साक्ष्य आधारित हों। बैठक में इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं सुपोषित बचपन ही विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की मजबूत नींव है। बस्तर सहित पूरे राज्य में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं संरक्षण को सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ी को सशक्त बनाया जा सकता है, जो समावेशी एवं सतत विकास का आधार बनेगा। बैठक के समापन पर पोषण, बाल कल्याण एवं सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में ठोस, नवाचारी एवं परिणाम-आधारित रणनीति पत्र तैयार करने पर सहमति बनी, ताकि 'हर बच्चा स्वस्थ, हर भविष्य उज्ज्वल' के संकल्प को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभा सके।

रायपुर के एपीएल प्लांट में क्रेन गिरी, एक कर्मचारी घायल

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एपीएल थर्मल पावर प्लांट में गुरुवार को बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया। बॉयलर एरिया में काम के दौरान अचानक एक क्रेन गिर गई। हादसे में एक कर्मचारी को मामूली चोट आई, जिसे तत्काल रेस्क्यू कर अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में श्रमिक मौके पर इकट्ठा हो गए। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं। जानकारी के अनुसार, यह घटना 6 अगस्त की सुबह करीब 11:42 बजे एपीएल रायपुर के बॉयलर क्षेत्र में हुई। काम के दौरान अचानक क्रेन गिरने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक कर्मचारी घायल हुआ, जबकि बाकी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

एनआरटी ने किया रेस्क्यू, अस्पताल भेजा - घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा टीम और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम मौके पर पहुंची। घायल कर्मचारी का सुरक्षित रेस्क्यू कर शुरुआती इलाज के बाद अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों के मुताबिक उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

क्षेत्र को किया सील- हादसे के बाद बड़ी संख्या में श्रमिक घटनास्थल पर पहुंच गए थे। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को बैरिकेडिंग कर आवागमन रोक दिया गया और स्थिति को नियंत्रित किया गया। क्रेन गिरने से हुए उपकरण और अन्य संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। संबंधित विभागों को घटना की सूचना दे दी गई है और तकनीकी टीम नुकसान का निरीक्षण कर रही है।

संपादकीय

गिरता भाषाई स्तर: संस्कृति, संस्कार और सामाजिक बोध का संकट

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

मनुष्य का निर्माण केवल रक्त-मांस और अस्थियों से नहीं होता। उसका वास्तविक गठन उन सूक्ष्म संस्कारों, अनुभूतियों और सांस्कृतिक संकेतों से होता है जो पीढ़ियों से जीवन-अनुभव से छनकर उसकी चेतना में उतरते हैं। इसीलिए किसी समाज को समझने के लिए उसकी भाषा को पढ़ना अनिवार्य माना गया है। भाषा मनुष्य के संस्कारों, संवेदनाओं और सांस्कृतिक अनुशासन का दर्पण है।

किसी सभ्यता की आत्मा उसकी भाषा में निवास करती है। शब्द केवल ध्वनियाँ नहीं होते; वे इतिहास की स्मृतियाँ, संस्कृति की परंपराएँ और समाज के नैतिक मूल्य अपने भीतर सँजोए रहते हैं। किसी व्यक्ति की भाषा उसके पारिवारिक संस्कारों, सामाजिक परिवेश, अध्ययन, संवेदनशीलता और मानसिक परिपक्वता का परिचय देती है।वह वक्ता के आंतरिक संसार का प्रतिबिम्ब है।

भारतीय चिंतन में शब्द को ब्रह्म और वाणी को सरस्वती का आसन माना गया। यह केवल आध्यात्मिक कल्पना नहीं थी; उसके पीछे गहरी मनोवैज्ञानिक समझ थी। हमारे ऋषि जानते थे कि मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा बोलता है और जैसा बोलता है, धीरे-धीरे वैसा ही बनता जाता है। शब्द केवल विचारों की अभिव्यक्ति नहीं करते, वे विचारों का निर्माण भी करते हैं। इसीलिए सभ्यता का प्रारंभ वाणी के अनुशासन से होता है। जब कोई बालक बोलना सीखता है तो वह केवल शब्द नहीं सीखता, वह सम्मान करना, संबोधन करना, संबंधों का मूल्य समझना और सामाजिक मर्यादाओं का पालन करना भी सीखता है। उसकी भाषा में घर का वातावरण बोलता है, माता-पिता की संवेदना बोलती है, पीढ़ियों का अनुभव बोलता है। भाषा संस्कृति का वह अदृश्य सेतु है जो व्यक्ति को समाज से और समाज को अपनी परंपरा से जोड़ता है।

किन्तु आज इसी सेतु में दरारें पड़ती दिखाई दे रही हैं। सार्वजनिक जीवन, राजनीति, मनोरंजन और विशेष रूप से सोशल मीडिया ने भाषा के स्वरूप को गहराई से प्रभावित किया है। संवाद की जगह प्रतिक्रियाएँ ले रही हैं, विचार-विमर्श की जगह आरोप-प्रत्यारोप और तर्क की जगह उत्तेजना। शब्दों की गरिमा से अधिक उनके प्रहार की क्षमता को महत्व मिलने लगा है। कटुता को स्पष्टवादिता, अभद्रता को निर्भीकता और अपमान को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पर्याय माना जाने लगा है।

मनोविज्ञान बताता है कि भाषा का स्तर कभी अकेला नहीं गिरता; उसके पीछे मन की कोई टूटन, कोई असंतुलन, कोई कुंठा सक्रिय होती है। जब व्यक्ति के भीतर आत्मानुशासन क्षीण होता है, जब उसे अपनी बात को विचार के बल पर स्थापित करने का विश्वास नहीं रह जाता, तब वह शब्दों को हथियार बना लेता है। असभ्य भाषा प्रायः शक्ति का नहीं, भीतर की असुरक्षा का संकेत होती है। जो व्यक्ति स्वयं से संतुलित होता है, उसकी वाणी भी संतुलित दिखाई देती है।

चिंतनीय है कि आज भाषा का अवमूल्यन केवल कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहा। वह धीरे-धीरे सामाजिक स्वीकृति प्राप्त कर रहा है। सोशल मीडिया की त्वरित लोकप्रियता ने शालीनता की अपेक्षा सनसनी को अधिक मूल्यवान बना दिया है। जितना तीखा कथन, उतनी अधिक प्रतिक्रिया; जितना अशिष्ट शब्द, उतनी अधिक दृश्यता। परिणामस्वरूप शब्दों की गरिमा का स्थान शब्दों की आक्रामकता लेती जा रही है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि भाषा का पतन अंततः संवेदना के पतन में परिणत होता है।

हाल ही में जंतर-मंतर के आंदोलनों से लेकर संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंचों तक, ऐसी भाषा सुनाई दी है जो मर्यादा की सभी सीमाओं का अतिक्रमण करती हुई माता-पिता की परवरिश पर प्रश्न चिह्न बन गई है। ऐसे संवाद सामाजिक अवनति का संकेत हैं। जब सार्वजनिक जीवन के प्रतिष्ठित मंचों पर भाषा का स्तर गिरता है, तब उसका प्रभाव अनिवार्य रूप से समाज की सामूहिक भाषा पर भी पड़ता है। जनसामान्य वही सीखता है जिसे वह अपने नेतृत्व, अपने प्रतिनिधियों और अपने सार्वजनिक विमर्श में प्रतिष्ठित देखता है।

इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने अपनी भाषा की मर्यादा खोई, उन्होंने धीरे-धीरे अपने सांस्कृतिक संतुलन को भी खो दिया। सभ्यता का क्षरण अचानक नहीं होता; वह शब्दों से आरंभ होकर व्यवहार तक पहुँचता है और व्यवहार से मूल्य-व्यवस्था तक। इसलिए भाषा की चिंता वस्तुतः संस्कृति की चिंता है, वाणी की रक्षा वास्तव में मनुष्यता की रक्षा है।

आज आवश्यकता केवल शुद्ध भाषा की नहीं, शुद्ध चेतना की है। परिवारों में संवाद की संस्कृति लौटे, साहित्य शब्दों की गरिमा का पुनः स्मरण कराए, शिक्षा व्यक्तित्व और वाणी के संबंध को समझाए तथा समाज यह स्वीकार करे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अभद्रता समानार्थी नहीं हैं। शब्दों की मर्यादा कोई बंधन नहीं, बल्कि सभ्यता का सौंदर्य है।

मनुष्य की पहचान उसके वस्त्रों, वैभव या उपलब्धियों से पहले उसकी वाणी से होती है। भाषा वक्ता के मानसिक स्तर का प्रतिबिम्ब होती है। शब्दों की शालीनता में ही संस्कृति का माधुर्य, समाज की संवेदना और मनुष्य की गरिमा सुरक्षित रहती है। इसलिए भाषा का प्रश्न केवल भाषाविदों का प्रश्न नहीं, सम्पूर्ण सभ्यता के भविष्य का प्रश्न है।

इस दिशा में सभी को समय रहते चिंतन करना चाहिए।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

(डॉ.) डी. के. पांडेय

आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज को संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिले।

डिजिटल बाढ़ और बेसब्री की खेती

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ़्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ़-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

इन्फ़ॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीज़निंग का खत्म होना

डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है: उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफ़ाइड नेचर। जेन ज़ी, जो

इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फ़ॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फ़ीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेज़ोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फ़र्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। 'फ़ेक न्यूज़' और सेंसेशनलाइज़्ड कंटेंट के फ़ैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ़्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।

बदलते सोशल नॉर्म्स और बुरे मैनर्स की सोच

'मैनर्स' की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफ़ी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ़-साफ़ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ़-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है।

समाज के लिए सुधार के कदम

आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें।

डिजिटल लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देना

इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ़ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है।

उच्च शिक्षा परिसरों में एचआईवी के बढ़ते मामले : अब चुप्पी नहीं, संवाद ज़रूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश का भविष्य उसके युवा तय करते हैं और युवा शक्ति का सबसे बड़ा केंद्र हमारे विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हैं। ऐसे में यदि किसी राज्य से यह समाचार सामने आए कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी एचआईवी (HIV) संक्रमण से प्रभावित पाए गए हैं और सरकार को उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यापक जांच अभियान चलाने का निर्णय लेना पड़ा है, तो यह केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं रह जाता। यह शिक्षा, समाज, परिवार, नीति-निर्माताओं और पूरे राष्ट्र के लिए गंभीर चेतावनी है। यह भय फैलाने का नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और व्यापक जागरूकता के साथ इस चुनौती का सामना करने का है।

एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर हमला करता है। यदि समय पर जांच और उपचार न मिले तो यह एड्स (AIDS) जैसी गंभीर अवस्था तक पहुंच सकता है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने इसे अब एक नियंत्रित बीमारी बना दिया है। एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) की सहायता से संक्रमित व्यक्ति सामान्य और लंबा जीवन जी सकता है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है समय पर पहचान, नियमित उपचार और संक्रमण की रोकथाम।

युवाओं में एचआईवी संक्रमण की खबर कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। क्या हमारे शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य और यौन शिक्षा पर्याप्त है? क्या युवाओं को सुरक्षित व्यवहार, संक्रमण के कारणों और बचाव के उपायों की वैज्ञानिक जानकारी मिल रही है? क्या परिवार और समाज इस विषय पर खुलकर संवाद करने को तैयार हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर 'नहीं' है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या केवल स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक सोच और शिक्षा व्यवस्था की भी है।

भारतीय समाज में आज भी यौन स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना सहज नहीं माना जाता। माता-पिता संकोच करते हैं, शिक्षक कई बार इस विषय से बचते हैं और विद्यार्थी अधूरी या भ्रामक जानकारी इंटरनेट अथवा मित्रों से प्राप्त करते हैं। परिणामस्वरूप मिथक, भ्रांतियाँ और गलत निर्णय जन्म लेते हैं। जबकि वैज्ञानिक जानकारी ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

यह समझना भी आवश्यक है कि एचआईवी संक्रमण केवल असुरक्षित यौन संबंधों से ही नहीं, बल्कि संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई के प्रयोग तथा संक्रमित माँ से शिशु तक भी फैल सकता है। वहीं हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन साझा करने, गले मिलने, छींकने या मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता। दुर्भाग्य से आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग इन तथ्यों से अनभिज्ञ है। यही अज्ञानता संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार को जन्म देती है।

उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवा जीवन के ऐसे दौर में होते हैं जहां स्वतंत्रता, जिज्ञासा और नए अनुभवों का विस्तार होता है। ऐसे में उन्हें सही दिशा देना केवल परिवार का नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों और सरकार की भी जिम्मेदारी है। प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परामर्श केंद्र, प्रशिक्षित काउंसलर, गोपनीय जांच सुविधा और नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए। विद्यार्थियों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि वे किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के साथ आगे आते हैं, तो उनकी निजता और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित रहेगा।

यदि किसी राज्य ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एचआईवी जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है, तो इसका उद्देश्य केवल संक्रमित व्यक्तियों की पहचान करना नहीं होना चाहिए। इसके साथ परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, उपचार और जागरूकता को समान महत्व देना होगा। जांच तभी सफल होगी जब विद्यार्थी इसे भय या शर्म के बजाय स्वास्थ्य सुरक्षा का सामान्य कदम मानें।

बोध कथा

माँ ममता का सागर नहीं..पर महासागर है

एक सौदागर राजा के महल में दो गायों को लेकर आया - दोनों ही स्वस्थ, सुंदर व दिखने में लगभग एक जैसी थीं। सौदागर ने राजा से कहा 'महाराज - ये गायें माँ - बेटी हैं परन्तु मुझे यह नहीं पता कि माँ कौन है व बेटी कौन - क्योंकि दोनों में खास अंतर नहीं है। मैंने अनेक जगह पर लोगों से यह पूछा किंतु कोई भी इन दोनों में माँ - बेटी की पहचान नहीं कर पाया बाद में मुझे किसी ने यह कहा कि आपका बुजुर्ग मंत्री बेहद कुशाग्र बुद्धि का है और यहाँ पर मुझे अवश्य मेरे प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा...इसलिए मैं यहाँ पर चला आया - कृपया मेरी समस्या का समाधान किया जाए।' यह सुनकर सभी दरबारी मंत्री की ओर देखने लगे मंत्री अपने स्थान से उठकर गायों की तरफ गया। उसने दोनों का बारीकी से निरीक्षण किया किंतु वह भी नहीं पहचान पाया कि वास्तव में कौन मां है और कौन बेटी ? अब मंत्री बड़ी दुविधा में फंस गया, उसने सौदागर से एक दिन की मोहलत मांगी। घर आने पर वह बेहद परेशान रहा - उसकी पत्नी इस बात को समझ गई। उसने जब मंत्री से परेशानी का कारण पूछा तो उसने सौदागर की बात बता दी।

चुटकुले

चर: कल मैं सूरज पर लैक्चर देने जा रही हूं, तुम लोग क्लास मिस मत करना।

पप्पू: लेकिन मैं नहीं आ पाऊंगा मैडम..

टीचर: क्यूं

पप्पू: वो क्या है कि मेरी मम्मी मुझे इतनी दूर नहीं जाने देंगी। ??

बीमार पप्पू को देखने उसकी टीचर उसके घर आईं। टीचर ने देखा कि मोनू बिस्तर पर सिर के बल खड़ा हुआ है ।

टीचर: मैंने सुना था कि तुम बीमार हो पर तुम तो शीर्षासन कर रहे हो!

पप्पू: मैम बीमार ही हूं। अभी सिरदर्द की गोली खाई है, कहीं गलती से पेट में न चली जाए, इसलिए सिर के बल खड़ा हूं! ??

टीचर गुस्से में: पप्पू यहां मैं पढ़ा रही हूं और तुम बातें कर रहे हो?

पप्पू, टीचर से: यहां हम बातें कर रहे हैं और आप हमें पढ़ाने में लगी हैं! ??

छात्र पेपर दे रहा था, पेपर में पूछा गया कि —

अनुवाद करें अंग्रेजी में - 'संतोष आम खाता है !'

छात्र: एक छात्र ने अनुवाद किया ,

जिसे पढ़कर आपकी ही नहीं ग्रेजी की भी आत्मा काँप गई

टीचर: अपने पापा का नाम अंग्रेजी में बोलो?

स्टूडेंट: ब्यूटिफुल रेड अंडरवियर!

टीचर: क्या बकवास है हिंदी में बताओ?

स्टूडेंट: सुंदर लाल चड्डा...??

टीचर: बताओ तुम्हारा होमवर्क कहां है...

पप्पू: मैडम फेसबुक पर चेक करिए।

व्यंग्य केसरी

पुरुष की कमर और...

रविकांत राउत

हम भारतीय पुरुष की कमर हैं। हमें 'हाय' कहना नहीं आता।

सुबह सात बजे सिलेंडर खत्म हुआ। रमेश उठा, तीन मंजिल उतरा, सिलेंडर वाले से माथापच्ची की, पुराना सिलेंडर कंधे पर लादा, तीन मंजिल चढ़ा, रसोई में रखा, जोड़ा लगाया, गैस चालू की। कमर को पता भी नहीं चला।

नौ बजे छत पर गया, टंकी देखी भरी है या नहीं, मोटर चालू की, वापस गया। आधे घंटे बाद फिर गया ये देखने कहीं ओवरफ्लो न हो जाए। तीन बार चढ़ा तीन बार उतरा। कमर चुपचाप रही।

ग्यारह बजे स्कूटर पंचर। रमेश ने धक्का लगाया, गर्मी में, तीन किलोमीटर। पसीना, गाली, फिर पसीना। कमर ने एक बार भी शिकायत नहीं की।

दोपहर को सब्जी लाई, भारी थैले, दोनों हाथ लगा बेजान हो कर टूट जायेंगे , उँगलियों में लकीरें पड़ गई। फिर भी कूलर में पानी भरा तीसरी बार। कार की स्टेपनी बदली धूप में, ज़मीन पर बैठकर, हाथ काले, कपड़े काले। कमर मौन, निष्ठावान, कर्तव्यपरायण।

शाम सात बजे टीवी चला। आयोडेक्स का विज्ञापन आया। परदे पर एक सुंदर महिला, कमर पर हाथ रखे, भौंहें तनी हुईं, आँखों में असह्य पीड़ा। हाय रे मेरी कमर। रमेशजी की पत्नी जो दिन भर सोफ़े पर नेटफ्लिक्स देखती रहीं, जिनके हाथ में रिमोट था और मुँह में बिस्किट, सोफ़े से उठीं। कमर पर हाथ रखा, आँखें मूँदीं। बोलीं, हाय रे मेरी कमर आज तो बहुत दर्द है।

रमेश ने टीवी की तरफ़ देखा, विज्ञापन की तरफ़ देखा, पत्नी की तरफ़ देखा। फिर अपनी कमर की तरफ़ देखा जो सिलेंडर उठाने के बाद भी चुप थी, स्टेपनी बदलने के बाद भी चुप थी, धक्का लगाने के बाद भी चुप थी। रमेश ने सोचा, शायद मेरी कमर को आयोडेक्स का विज्ञापन नहीं दिखा।

रमेश उठा, बेडरूम में गया, पत्नी के लिए, आयोडेक्स लेकर आया, लगाया, हल्के हाथ से। पत्नी ने आँखें खोलीं, थैंक्यू अब ज़रा ठंडा पानी देना।

रमेश गया, पानी लाया, सोफ़े के पास रखा, वापस जाने लगा। तभी पत्नी ने पूछा, तुम्हें कुछ नहीं होता, दिन भर इतना काम करते हो।

रमेश रुका, मुड़ा। सोचा, अभी बताऊँ, सिलेंडर, स्टेपनी, सब्जी, टंकी, कूलर। फिर देखा, पत्नी की आँखें बंद हो गई थीं। आयोडेक्स लगी कमर सोफ़े में धँस गई थी। उसे मीठी नींद आ गई थी। रमेश वापस मुड़ा। वो कूलर में पानी भरने गया, चौथी बार।

रात को रमेश बिस्तर पर लेटा, छत देखता रहा। उसकी कमर ने पहली बार धीरे से कहा, भाई थोड़ी तो तारीफ़ करते हमारी भी। रमेश ने कहा, चुप, कल सुबह फिर कोई सिलेंडर आएगा, फिर कुछ... फिर कुछ । कमर बेचारी चुप हो गई, जैसे हमेशा होती है।

अगली सुबह फिर विज्ञापन आएगा। कमर फिर दर्द करेगी। पर किसकी, यह आप समझ गए हैं। ये भारतीय पुरुष की कमर है। इन्हें हाय कहना नहीं आता।

इतिहास

7 अगस्त का दिन भारतीय इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवशाली दिन है। इस दिन देश में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है, और 1905 में इसी दिन स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी।

7 अगस्त के प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ और उपलब्धियाँ:

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (National Handloom Day): भारत सरकार द्वारा 2015 से हर साल 7 अगस्त को यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य भारत देश के हथकरघा बुनकरों को सम्मानित करना और हथकरघा उद्योग के योगदान को बढ़ावा देना है।

स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत (1905): बंगाल विभाजन के विरोध में 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में एक विशाल जनसभा आयोजित की गई थी।

हसुवा स्कूल में शिक्षकों की मनमानी, पालको में रोष

दुर्व्यवहार और नियमों की अनदेखी के आरोप; पालकों ने दी जनआंदोलन की चेतावनी

विश्व केसरी■

कसडोल। कसडोल विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हसुवा एक बार फिर विवादों के घेरे में है। विद्यालय के शिक्षकों और प्रभारी प्राचार्य पर मनमानी, समय से पहले छुट्टी करने, पालकों की उपेक्षा तथा शाला प्रबंधन समिति की कार्यप्रणाली में अनियमितता के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन सबका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है, जबकि शिक्षा विभाग शिकायतों के बावजूद मूकदर्शक बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में नवनियुक्त शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद साहू निरीक्षण के लिए विद्यालय पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान बाथरूम में फैली गंदगी देखकर उन्होंने सफाई कराने की बात कही। आरोप है कि इस पर

एक शिक्षक ने उनसे बहस की और कथित रूप से दुर्व्यवहार किया। इस घटना से पालकों और ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिक्षकों की मनमानी का आलम यह है कि हाल ही में विद्यार्थियों को साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, लेकिन गांव के सरपंच, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इसकी सूचना तक नहीं दी गई। इससे ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई। यही नहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि शाला प्रबंधन समिति की कार्यकारिणी सूची भी नियमों के अनुरूप तैयार नहीं की गई। उनका कहना है कि प्रभारी प्राचार्य ने स्वयं कार्यकारिणी की सूची तैयार कर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद साहू और उपाध्यक्ष मनीराम साहू से हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया। इस मामले को लेकर भी ग्रामीणों ने पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि हसुवा स्कूल में आज तक पालकों की नियमित बैठक आयोजित नहीं की गई। उनका कहना है कि अभिभावकों को विद्यालय की गतिविधियों और बच्चों की पढ़ाई से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों से दूर रखा जाता है, जो शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।ग्रामीणों के मुताबिक, विगत वर्ष भी विद्यालय में निर्धारित समय से पहले छुट्टी किए जाने का मामला समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ था। इसके बाद शिक्षा विभाग की जांच टीम विद्यालय पहुंची थी, लेकिन कार्रवाई केवल जांच तक सीमित रह गई और व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ।

अब पालकों और ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि विद्यालय में व्याप्त कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई और शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों की होगी।

> ● यह जाँच का विषय है, जाँच के दौरान जो भी तथ्य सामने आते है उस पर उचित कार्रवाई की जायेगी...
>
> **-के.एस. मरावी,** जिला शिक्षा अधिकारी बलौदाबाजार

पेंशनरों की वर्षों पुरानी मांग पूरी, पालिका देगी समर्पित भवन

विश्व केसरी■

महासमुंद। वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू की पहल पर पेंशनरों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने जा रही है। नगर पालिका की पीआईसी बैठक में पेंशनर्स एसोसिएशन के लिए समर्पित भवन उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सतबहनिया चौक के समीप स्थित एक पुराने भवन को पेंशनर संघ के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में वरिष्ठ नागरिक नियमित रूप से बैठकें आयोजित कर सकेंगे, अपनी समस्याओं पर चर्चा करेंगे तथा सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन कर पाएंगे।

निर्णय के बाद भारतीय राज्य पेंशनर संघ और पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अध्यक्ष निखिलकांत साहू से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वर्षों से लंबित मांग पूरी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष के प्रति आभार जताया। पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय केवल भवन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के प्रति नगर पालिका की संवेदनशील सोच और सम्मान का भी परिचायक है।

इस अवसर पर अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को प्रेरणा और सही दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका भविष्य में भी वरिष्ठजनों के हितों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देती रहेगी। इस दौरान भारतीय राज्य पेंशनर संघ जिला शाखा महासमुंद के अध्यक्ष रिखीराम साहू, पेंशनर्स एसोसिएशन महासमुंद के अध्यक्ष रामकुमार साहू, जिला सचिव शिवकुमार साहू, बोधन लाल साहू, गोवर्धन साहू, चमन लाल साहू, राधेश्याम दुबे, ज्ञान सिंह चंदेल, सुशील कुमार शर्मा, संतुराम साहू, जगदीश लाल साहू सहित पूर्व पार्षद मनीष शर्मा और रिंकू चंद्राकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एनटीपीसी कोरबा में जूनियर बालक अंतरजिला राज्य फुटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

विश्व केसरी■

बिलासपुर। युवा खिलाड़ियों में फुटबॉल को बढ़ावा देने तथा जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एनटीपीसी कोरबा के नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत 30 जुलाई 2026 से जूनियर बालक अंतर-जिला राज्य फुटबॉल चैंपियनशिप एवं कोचिंग कैंप का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से प्रतिभाशाली युवा फुटबॉल खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

30 जुलाई से 3 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में आठ जिला फुटबॉल संघ—डीएफए रायपुर,

डीएफए बालोद, डीएफए दुर्ग, डीएफए धमतरी, डीएफए रायगढ़, डीएफए राजनांदगांव, डीएफए नारायणपुर और डीएफए बिलासपुर—की टीमें भाग ले रही हैं। यह प्रतियोगिता उभरती प्रतिभाओं की पहचान करने तथा उन्हें राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। चैंपियनशिप का शुभारंभ डीएफए रायगढ़ और डीएफए दुर्ग के बीच खेले गए रोमांचक उद्घाटन मुकाबले से हुआ, जिसने पूरे टूर्नामेंट के लिए उत्साहपूर्ण माहौल तैयार कर दिया। उद्घाटन समारोह में एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख (हेड ऑफ प्रोजेक्ट) श्री किशोर चंद्र पात्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, दृढ़ संकल्प और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी कोरबा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत युवाओं के खेल विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उनके अनुसार ऐसे खेल आयोजन युवाओं में व्यक्तित्व निर्माण, शारीरिक फिटनेस, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 3 अगस्त 2026 को चैंपियनशिप के समापन के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इन खिलाड़ियों को 4 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक आयोजित 21 दिवसीय आवासीय कोचिंग शिविर में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सरधाभाठा बालपुर सड़क जर्जर, लोग परेशान

विश्व केसरी■

सरसीवा । लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के चलते पेड्रावन से सरधाभाठा बालपुर पहुंच मार्ग की हालत इतनी खराब हो गई है। मानो इस मार्ग में सायकिल तक चलाना मुश्किल हो रहा है। जहां सड़कें खराब और बुरी तरह से जर्जर होने से राहीगर कीचड़ और ख़राब सड़क से जान जोखिम डाल सफल कर रहे हैं। जबकि सरधाभठा गांव से आत्मानंद स्कूल पढ़ने वाले छात्र खराब सड़कों से चलते हुए स्कूल पहुंचते है। जबकि सारंगढ़ बिलाईगढ जिले के सरसीवां से सराईपाली सड़क मार्ग की दुर्दशा राहीगरो व क्षेत्र वासियों को परेशानी का सबक बना हुआ है।

जबकि पेंड्रावन -सरधाभाठा - बालपुर गांव पूर्व विधायक का गृहग्राम होते हुए भी आज सड़क की

हालत अत्यंत दयनीय स्थिति में हो गई है । यह मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने की वजह से मार्ग में बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। जहां सड़क पर डामर का नामोनिशान भी मिट गया है मार्ग पूरी तरह से कीचड़ो से दलदल बन गया है। जिससे सड़क मार्ग से आवागमन बाधित हो रही है लोग इस मार्ग में लोग चलने से डर रहें हैं लोग गिरकर चोटिल हो रहें हैं। अंचल के लोग बारिश में कीचड़ और दलदल से परेशान हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा भी पेड्रावन सरधाभाठा बालपुर सडक मार्ग का मरम्मत कार्य नहीं कराने से मार्ग कीचड़ दल-दल व सड़क बड़े बड़े गड्ढे में तब्दील होकर बारिश का पानी जमा हो जा रहा है। जहां सड़क मार्ग किनारे गांव के लोगो का कहना है कि बरसात के समय सड़कों पर जमा पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं किए जाने से भी सड़क खराब हो गई है जहां लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को बड़ी दुर्घटना का इंतजार है। जहां इस मार्ग से त्रस्त हो चुके पेड्रावन सरधाभाठा बालपुर के ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से तत्काल मरम्मत की मांग की है। वहीं बालपुर और सरधाभाठा के ग्रामीणों ने बताया की पूर्व में हमारे गांव सरधाभाठा और बालपुर सड़क मार्ग को विभाग से डामरीकरण करने की स्वीकृति मिली थी लेकिन किसी कारण से यह मार्ग नहीं बन पाया। इस मार्ग को चौड़ीकरण बनने के चलते आज पेड्रावन से सरधाभाठा बालपुर सड़क मार्ग पर विराम लग गया जबकि विभाग से केवल सिंगल मार्ग की स्वीकृति मिली थी और सड़क बनाने का टेंडर भी हो गया था और संबंधित लेने वाले ठेकेदार ने कार्य प्रारंभ भी कर दिया था।

और इस कारण आज पेड्रावन सरधाभाठा बालपुर सड़क मार्ग नहीं बन पाया और लोगो को बड़े बड़े गड्ढे वाले सड़क मार्ग पर जान जोखिम चला पड़ रहा है।

एमज़ीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में पौधारोपण

विश्व केसरी■

सरसींवा। एम ज़ी एम हायर सेकेंडरी स्कूल, गायत्री नगर ने पर्यावरण जागरूकता और छात्र नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए छात्र संघ पद-ग्रहण समारोह और पौधारोपण अभियान का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो ज्ञान और बुद्धिमत्ता की जीत का प्रतीक है। इसके बाद अतिथियों का फूलों से स्वागत किया गया। प्रिंसिपल डॉ. लीना आर. जैकब ने सभा का औपचारिक स्वागत किया और मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना झा, ट्रैफिक पुलिस, रायपुर), सीमा अहिरवार (ACP, ट्रैफिक पुलिस), वाइस प्रेसिडेंट फादर जोस मैथ्यू, स्टाफ सदस्यों और छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए अपना संबोधन दिया। स्कूल के गायक समूह ने एक मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जिससे माहौल खुशनुमा और उत्सवपूर्ण हो गया। प्राइमरी सेक्शन के छात्रों ने अपने उत्साह और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक शानदार सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया और दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रसंघ की पदभार एवं शपथ ग्रहण समारोह रहा,जिसमें स्कूल काउंसिल के नवनिर्वाचित सदस्यों को औपचारिक रूप से बैज और सैश (sashes) पहनाए गए और उन्हें उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। छात्र नेताओं ने गर्व के साथ पद की शपथ ली और ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ स्कूल के मूल्यों और परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प लिया।

केशकाल की बेटी मुक्ति डडसेना का राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए चयन

विश्व केसरी■

कोण्डागांव। जिले की होनहार बेटी मुक्ति डडसेना ने एक बार फिर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए भुवनेश्वर जोन से अपना स्थान पक्का कर लिया है। उनका चयन नवोदय विद्यालय संगठन की ओर से आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जिसका आयोजन इस वर्ष असम में किया जाएगा। मुक्ति की इस उपलब्धि से पूरे केशकाल एवं जिला कोंडागांव में खुशी और गर्व का माहौल है।

मुक्ति डडसेना वर्तमान में जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई (दुर्ग) में कक्षा 11वीं (गणित संकाय) की छात्रा हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों के लिए उनका 13 अगस्त से ओडिशा में 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा, जिसमें भुवनेश्वर जोन के चयनित खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रशिक्षण के बाद 25

अगस्त से असम में आयोजित राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में वे जोन का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुक्ति इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुकी हैं। उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय, द्वारिका (गुजरात) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंबाला में शानदार प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया था। लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होना उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है। मूल रूप से केशकाल की निवासी मुक्ति ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, कोंडागांव से प्राप्त की है। वर्तमान में वे बोरई (दुर्ग) स्थित नवोदय विद्यालय में अध्ययनरत हैं और पढ़ाई के साथ-साथ बैडमिंटन में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। मुक्ति डडसेना मनोज कुमार डडसेना एवं अंजू डडसेना की सुपुत्री हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर केशकाल क्षेत्र के नागरिकों, शिक्षकों, खेल प्रेमियों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

कार के गुप्त चेंबर से मिला 53 किलो गांजा, जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी■

महासमुंद। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिंघोड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लावारिस खड़ी बलेनो कार से 52.990 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने गांजा, कार और मोबाइल फोन सहित करीब 29.51 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कार की पिछली सीट और रूफ में विशेष गुप्त चेंबर बनाकर गांजा छिपा रखा था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से बलेनो कार क्रमांक ओडी-02-बीएफ-1327 में गांजा लेकर तस्कर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर सिंघोड़ा पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-53 स्थित रेहटीखोल के पास नाकाबंदी कर वाहन की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान चेकिंग प्वाइंट से करीब 100 मीटर पहले संदिग्ध अवस्था में उक्त बलेनो कार खड़ी मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन की जांच की तो कार में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। संदेह होने पर गवाहों की मौजूदगी में कार की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट और छत (रूफ) में बनाए गए गुप्त चेंबर से 52.990 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे की अनुमानित कीमत 26 लाख 48 हजार 500 रुपये आंकी है। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त बलेनो कार (कीमत लगभग 3 लाख रुपये) और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। जब्त संपत्ति का कुल मूल्य 29 लाख 51 हजार रुपये बताया गया है।

इस मामले में वाहन चालक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत थाना सिंघोड़ा में अपराध दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है तथा पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

आस्था का अद्भुत धाम पीपरा : प्राचीन नरसिंह प्रतिमा और शीतला माता के दरबार में उमड़ती है श्रद्धा

विश्व केसरी■

कोंडागांव। बस्तर अंचल की पावन धरती पर अनेक ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जिनका इतिहास लोकमान्यताओं और जनआस्था से जुड़ा हुआ है। केशकाल तहसील मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पीपरा भी ऐसा ही एक प्राचीन धार्मिक स्थल है, जहां शिव, शक्ति और भगवान नरसिंह की आराधना सदियों से होती चली आ रही है। प्राकृतिक हरियाली और गांव से सटे नाले के किनारे स्थित यह स्थल आज श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बन चुका है।

सावन माह प्रारंभ होते ही यहां श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो जाता है। खुले आसमान के नीचे विराजमान स्वयंभू जोड़ा शिवलिंग पर श्रद्धालु जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं। विशेषकर सावन के प्रत्येक सोमवार, महाशिवरात्रि एवं माघ पूर्णिमा पर यहां दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

नाग के प्रकट होने के बाद बढ़ी आस्था - स्थल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दिनेश पोया बताते हैं कि वर्षों पहले इस स्थान से बैलगाड़ियों का आवागमन होता था। बैलगाड़ी का लोहे का हिस्सा अक्सर शिवलिंग से टकराता था। उस समय कुछ लोगों ने शिवलिंग को दूसरी जगह स्थापित करने के उद्देश्य से खुदाई शुरू की, लेकिन जैसे ही उसे हिलाने का प्रयास किया गया, वहां से एक नाग निकलकर फुफकारने

लगा। इसे दैवी संकेत मानकर लोगों ने तत्काल प्रयास रोक दिया और फिर कभी शिवलिंग से छेड़छाड़ नहीं की। इसके बाद ग्रामीणों की श्रद्धा और अधिक बढ़ गई।

अखंड रामायण के बाद हुई झमाझम वर्षा - ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2000 में क्षेत्र में वर्षा नहीं होने से किसान चिंतित थे। फसल सूखने की आशंका के बीच पूरे गांव ने मिलकर अखंड रामायण पाठ कराया। ग्रामीणों का कहना है कि पाठ पूर्ण होने के बाद झमाझम वर्षा हुई और खेत लहलहा उठे। इस घटना ने स्वयंभू शिवलिंग के प्रति लोगों का विश्वास और भी मजबूत कर दिया।

इसके बाद ग्रामवासियों ने दिनेश पोया एवं उनके परिवार के सहयोग से यहां चबूतरा और मंदिर का निर्माण कराया। आज यह स्थान व्यवस्थित धार्मिक परिसर का रूप ले चुका है।

प्राचीन नरसिंह प्रतिमा भी आकर्षण का केंद्र - पीपरा में स्थित भगवान नरसिंह की पाषाण प्रतिमा को स्थानीय लोग लगभग 5वीं-6वीं शताब्दी की मानते हैं। प्रतिमा को लेकर एक प्रचलित जनश्रुति है कि जिसकी मनोकामना पूर्ण होने वाली होती है, वही श्रद्धापूर्वक इस प्रतिमा को उठा पाता है, जबकि अन्य लोग लाख प्रयास करने पर भी सफल नहीं होते। इसी कारण श्रद्धालु यहां विशेष श्रद्धा के साथ दर्शन करने पहुंचते हैं।

शीतला माता के प्रति भी अगाध श्रद्धा - गांव में विराजमान मां शीतला के दरबार में भी वर्षभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। क्षेत्रवासियों का विश्वास है कि माता अपने भक्तों की रक्षा करती हैं तथा सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य स्वीकार करती हैं।

धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं - पीपरा का यह प्राचीन धार्मिक स्थल प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहर और लोकआस्था का अद्भुत संगम है। यदि पुरातत्व विभाग एवं पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का संरक्षण, शोध एवं समुचित विकास किया जाए तो यह बस्तर संभाग के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकता है।

खुदरा महंगाई दर जुलाई में 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद, खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का जोखिम: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई 2026 में 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की अधिक कीमतों के कारण इसके ऊपर जाने का जोखिम बना हुआ है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, जरूरी चीजों (जैसे प्याज, खाने का तेल, चावल और दाल) की कीमतों में महंगाई का असर व्यापक बना हुआ है, हालांकि मुख्य सब्जियों की बेहतर आवक और सामान्य मानसून से कुछ राहत मिली है।

मुख्य महंगाई (जिसमें खाने-पीने की चीजें और ईंधन शामिल नहीं हैं) के 4-4.1 प्रतिशत के आसपास सीमित रहने की उम्मीद है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी से मदद मिलेगी। हालांकि, आगे चलकर इनपुट लागत बढ़ने से महंगाई बढ़ सकती है।

बैंक ने बताया कि उसका 'एसेंशियल कमोडिटीज इंडेक्स' (बीओबी ईसीआई) जुलाई 2026 में सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ा, जो इस पूरी सीरीज में सबसे तेज बढ़ोतरी थी। अगस्त 2026 में (शुरुआती 5 दिनों में) यह बढ़ोतरी और भी अधिक, यानी 5.4 प्रतिशत रही।

बैंक ने बताया कि सब्जियों में टीओपी (टमाटर, प्याज और आलू) की आवक के आंकड़े राहत देने वाले रहे हैं, भले ही प्याज की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में महीने-दर-महीने आधार पर 3.7 प्रतिशत की और गिरावट आई है, जिससे पर्सनल केयर और मुख्य महंगाई के असर से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य महंगाई भी फिलहाल कम रहने की संभावना है। साथ ही, रिपोर्ट मानसून की प्रगति को अनुकूल बताया गया है, जिसमें 63 प्रतिशत राज्यों में सामान्य बारिश हुई है।

31 जुलाई, 2026 तक प्रमुख खरीफ फसलों (तिलहन और गन्ने को छोड़कर) के तहत बोया गया रकबा (सामान्य रकबे के प्रतिशत के रूप में) पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में अधिक रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय खाद्य कीमतों, खासकर खाद्य तेलों की कीमतों में नरमी आई है।

सोने की कीमत 7 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंची, सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग से चमका गोल्ड

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) की बढ़ती मांग के चलते गुरुवार के कारोबारी सत्र में सोने की कीमतें 7 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिले हैं, फिर भी अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने सोने को मजबूती प्रदान की।

इस बीच, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोना का वायदा भाव 536 रुपए यानी 0.36 प्रतिशत बढ़कर 1,49,029 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1,49,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 1,207 रुपए यानी 0.81 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

वहीं, चांदी में भी शुरुआती कारोबार के दौरान खरीदारी का रुझान देखने को मिला। सितंबर डिलीवरी वाली चांदी वायदा ने 2,28,397 रुपए प्रति किलोग्राम का इंट्राडे हाई छुआ, जो पिछले बंद भाव 2,27,584 रुपए की तुलना में 813 रुपए या 0.35 प्रतिशत अधिक था। हालांकि बाद में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली और चांदी 583 रुपए यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,27,001 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी, दोनों में मजबूती दर्ज की गई। कॉमेक्स पर सोना 0.36 प्रतिशत बढ़कर 4,320 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

दिलचस्प बात यह है कि सोने में यह तेजी ऐसे समय आई है जब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा खुल सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिए हैं कि वॉशिंगटन, ईरान के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स में 374 अंकों की बढ़त

विश्व केसरी ■

मुंबई । वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच सेंसेक्स में 374 अंकों की बढ़त दर्ज की गई, तो वहीं निफ्टी 24,600 से ऊपर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार की गिरावट से पहले भी घरेलू बाजार ने लगातार चार सत्रों में तेजी दर्ज की थी।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 373.76 अंक यानी 0.48 प्रतिशत बढ़कर 78,954.76 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 11.35 अंक या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 24,636.00 पर बंद हुआ।

व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.44 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2.20 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.8 प्रतिशत की तेजी आई। इसके साथ ही निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.17 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, इसके विपरीत निफ्टी मीडिया सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.28 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी रियल्टी में भी 1.32 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल में भी क्रमश: 1.01 प्रतिशत और 0.99 की गिरावट देखने को मिली, जबकि निफ्टी आईटी में 0.95 प्रतिशत की गिरावट आई।

निफ्टी50 इंडेक्स में एसबीआई, बीईएल, इटरनल, टाइटन, श्रीराम फाइनेंस और सिप्ला के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देखी गई, जबकि इसके विपरीत पावर ग्रिड, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, टीसीएस और बजाज ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी और होर्मुज जलडमरूमध्य से शिपिंग गतिविधियों को सामान्य करने और क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने के लिए तेज हुई कूटनीतिक कोशिशों से बाजारों को सहारा मिला।

आरबीआई के स्थिर पॉलिसी रुख और विकास के सकारात्मक नजरिए से बाजार का उत्साह और बढ़ा, जिससे हैवीवेट, बैंकिंग और एनर्जी शेयरों में चुनिंदा खरीदारी देखी गई।

भारत में वाहनों की रिटेल बिक्री जुलाई में 26 प्रतिशत बढ़कर 25.91 लाख यूनिट्स से अधिक रही

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय ऑटो रिटेल इंडस्ट्री में पहली बार प्रत्येक वाहन श्रेणी ने जुलाई में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया। इस दौरान कुल 25,91,138 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 25.89 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स (फाडा) की ओर से गुरुवार को दी गई।

फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, 'यह कोविड से प्रभावित आधार वर्षों को छोड़कर जुलाई में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। हालांकि, जून के मुकाबले बिक्री स्थिर रही है। दोपहिया वाहनों की बिक्री 18,18,289 यूनिट्स रही। इसमें सालाना आधार पर 28.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह पहला मौका है, जब दोपहिया वाहनों की बिक्री जुलाई में 18 लाख यूनिट्स को पार कर गई है।

सालाना आधार पर जुलाई में दोपहिया वाहनों की बिक्री शहरी इलाकों में 27.86 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 28.59 प्रतिशत बढ़ी है।

जुलाई में यात्री वाहनों (पीवी) की रिटेल बिक्री 4,16,555 यूनिट रही, जो सालाना आधार पर 19.13 प्रतिशत अधिक है। ऐसा पहली बार हुआ है कि जुलाई में पीवी की बिक्री 4 लाख के आंकड़े को पार कर गई।

ग्रामीण इलाकों में पीवी की बिक्री 24.72 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी इलाकों में यह 15.76 प्रतिशत बढ़ी, जिससे ग्रामीण भारत का दबदबा और मजबूत हुआ।

फाडा के अनुसार, डीलरों ने इसका श्रेय जीएसटी 2.0 के तहत किफायती कीमतों, नई गाड़ियों के लॉन्च और स्कीमों से मिली मदद को दिया। 44.05 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि ओईएम स्कीमों से जुलाई में बुकिंग बढ़ाने में मदद मिली। साथ ही, ई20 बदलाव को लेकर ग्राहकों की हिचकिचाहट ने खरीदारों को सीएनजी, हाइब्रिड और ईवी की ओर आकर्षित किया।

कमर्शियल व्हीकल (सीवी) की रिटेल बिक्री 99,666 यूनिट रही, जो 24.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। यह जुलाई महीने में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है और यह एक लाख के आंकड़े के बहुत करीब है।

यहां भी ग्रामीण इलाकों ने शहरी इलाकों (19.36 प्रतिशत) के मुकाबले 29.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ साफ तौर पर बाजी मारी, जिससे यह पुष्टि होती है कि सामान की ढुलाई की मांग मेट्रो शहरों से आगे भी बढ़ रही है।

सीसीपीए ने डार्क पैटर्न्स के खिलाफ कार्रवाई की; इंडिगो, जेप्टो, फर्स्टक्राई, फिजिक्स वाला समेत 9 प्लेटफॉर्म्स पर लगाया जुर्माना

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने इंडिगो, जेप्टो, फिजिक्स वाला, बुकमाईशो, फर्स्टक्राई और स्पाइसजेट समेत नौ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जुर्माना लगाया है। इन प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' जैसे भ्रामक ऑनलाइन तरीके इस्तेमाल करने का आरोप है, जिनसे खरीदारी और सब्सक्रिप्शन के दौरान ग्राहकों को गुमराह किया जाता है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में इस कार्रवाई की जानकारी दी। सरकार ने बताया कि रेगुलेटर ने ग्राहकों को ऐसे ऑनलाइन इंटरफेस से बचाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है, जो खरीदारी के फैसलों को प्रभावित करने के लिए बनाए जाते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, सीसीपीए ने उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है जो 'डार्क पैटर्न' के अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल करती पाई गईं। इनमें ड्रिप प्राइसिंग, बास्केट स्नीकिंग, कन्फर्म शेमिंग, सब्सक्रिप्शन ट्रैप और गुमराह करने वाले प्रॉम्प्ट शामिल हैं।

इन तरीकों का मकसद यूजर्स को ऐसे फैसले लेने के लिए प्रेरित करना है जो वे शायद खुद नहीं लेते।

रेगुलेटर ने अब तक गाइडलाइंस का उल्लंघन करने वाली कंपनियों से लगभग 20 लाख रुपए का जुर्माना वसूला है।

जून 2025 में, सीसीपीए ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया था कि वे अपनी डिजिटल सेवाओं का सेल्फ-ऑडिट करें और 'डार्क पैटर्न' की पहचान करके उन्हें हटाएं।

जुर्माना भरने वाली कंपनियों में क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म जेप्टो मार्केटप्लेस पर 7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

रेगुलेटर ने पाया कि यूजर्स द्वारा शुरुआती कीमत देखने के बाद, चेकआउट प्रोसेस के दौरान अतिरिक्त हैंडलिंग चार्ज और मेंबरशिप फीस जोड़ी जा रही थी।

सीसीपीए ने इस तरीके को 'ड्रिप प्राइसिंग' और 'बास्केट स्नीकिंग' की श्रेणी में रखा। रेगुलेटर के दखल के बाद, जेप्टो ने इन तरीकों को बंद कर दिया।

एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्स वाला पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। सीसीपीए ने पाया कि यूजर्स को भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाले संदेश दिखाए जा रहे थे, जो उन्हें डोनेशन का विकल्प बनाए रखने के लिए प्रेरित करते थे।

रेगुलेटर ने कंपनी की इस शर्त पर भी आपत्ति जताई कि मुफ्त कोर्स का एक्सेस पाने से पहले यूजर्स को अपनी निजी जानकारी देनी होगी। इसके बाद फिजिक्स वाला ने जुर्माना भर दिया और संबंधित तरीकों को हटा दिया।

सीएएस सिस्टम लागू होने के बाद सेंसेक्स की पहली एक्सपायरी, देखने को मिल सकता है बड़ा उतार-चढ़ाव

विश्व केसरी ■

मुंबई । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुख्य सूचकांक सेंसेक्स के डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की गुरुवार को वीकली एक्सपायरी है और बीएसई कैश मार्केट में कम तरलता के बीच हाल ही में लागू हुए नए क्लोजिंग ऑक्शन सिस्टम (सीएएस) के कारण बाजार में अधिक उतार-चढ़ाव देखने मिल सकता है।

मंगलवार को निफ्टी की एक्सपायरी के बाद बाजार भागीदार ट्रेडिंग में सावधानी बरत रहे हैं। उस दिन क्लोजिंग ऑक्शन के दौरान बेंचमार्क इंडेक्स में 150 अंक से अधिक की तेजी आई थी, जिससे डेरिवेटिव्स में जबरदस्त हलचल हुई और कई ट्रेडर्स हैरान रह गए थे।

कई विश्लेषकों का मानना ??है कि सेंसेक्स को लेकर चिंताएं अधिक हैं, क्योंकि इंडेक्स से जुड़े कैश मार्केट में एनएसई के मुकाबले ऑक्शन विंडो के दौरान काफी कम भागीदारी होती है। इससे इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि फाइनल सेटलमेंट प्राइस पर बड़े ट्रेड का असर अधिक पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस सिस्टम की कामयाबी बाजार में व्यापक भागीदारी पर निर्भर करती है।

मार्केट एक्सपर्ट्स ने यह भी बताया कि हाल के सत्र में एनएसई पर ऑक्शन वॉल्यूम में सुधार हुआ है और निफ्टी स्पॉट और फ्यूचर्स की कीमतों के बीच का अंतर कम हुआ है, लेकिन सेंसेक्स क्लोजिंग ऑक्शन में भागीदारी अभी भी तुलनात्मक रूप से कम है। अनिश्चितता को देखते हुए, गुरुवार की एक्सपायरी से पहले सेंसेक्स कॉल ऑप्शन पर इम्प्लाइड वोलैटिलिटी तेजी से बढ़ी, जिससे पता चलता है कि ट्रेडर्स सेशन के आखिर में कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की अधिक संभावना मानकर चल रहे हैं।

देखभाल क्षेत्र में कौशल विकास से बढ़ेंगे रोजगार और आर्थिक अवसर: नीति आयोग

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में देखभाल सेवाओं की मौजूदा और भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं का एक मजबूत समूह तैयार करने की जरूरत बढ़ रही है। साथ ही, भारतीय देखभालकर्ता पेशेवरों के लिए वैश्विक स्तर पर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की भी आवश्यकता है। यह बात नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट में देखभालकर्ताओं को देखभाल व्यवस्था का केंद्र बताया गया है। इसमें देखभाल कार्य को एक कुशल, सम्मानजनक और मूल्यवान पेशे के रूप में मान्यता देने पर जोर दिया गया है। साथ ही गुणवत्तापूर्ण देखभाल, पेशेवर पहचान, कार्यबल कल्याण, संस्थागत सहयोग और परिवारों व समुदायों को विश्वसनीय तथा किफायती देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता रेखांकित की गई है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केयरगिवर्स की बढ़ती मांग भारत के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से भारत पारंपरिक देखभाल सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकता है, बड़े आर्थिक मूल्य का सृजन कर सकता है और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इससे देखभालकर्ताओं को बेहतर पहचान और सामाजिक सुरक्षा मिल सकेगी। साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान-आधारित विशेषज्ञता और सॉफ्ट पावर को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी।

यह रिपोर्ट भारत के देखभाल संबंधी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रस्तुत करती है और एक संगठित, पेशेवर, सुलभ और भविष्य के लिए तैयार देखभाल प्रणाली के निर्माण के लिए एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करती है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम के अनुसार, 'सेवा और संवेदना' हमेशा से भारत की सभ्यतागत विचारधारा के केंद्र में रही हैं, और देखभाल करना इन शाश्वत मूल्यों को दर्शाता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक मजबूत देखभाल प्रणाली सामाजिक समावेश को मजबूत करेगी, एक देखभाल करने वाले समाज का विकास करेगी, समुदायों को सशक्त बनाएगी, गुणवत्तापूर्ण आजीविका का सृजन करेगी और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

रिपोर्ट में नीति, देखभाल करने वालों की पेशेवर मान्यता, कार्यबल विकास, वैश्विक सहयोग, सामाजिक सुरक्षा, परिवार और समुदाय आधारित देखभाल आदि सहित कई रणनीतिक स्तंभों में अपनी सिफारिशों को व्यवस्थित किया गया है।

बारिश में खिल उठते हैं मिर्जापुर के ये 5 झरने, परिवार और दोस्तों के साथ जरूर करें विजिट

बारिश का मौसम आते ही झरनों की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है. उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में कई ऐसे शानदार वॉटरफॉल हैं, जहां प्रकृति के बीच सुकून के पल बिताए जा सकते हैं. परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए ये जगहें मानसून में पर्यटकों की पहली पसंद बन जाती हैं.

मिर्जापुर: बारिश का मौसम हो और मिर्जापुर घूमने का मन हो, तो यहां के कुछ खास वॉटरफॉल आपके लिए बेहतरीन जगह हो सकते हैं, जहां आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ घूम सकते हैं. यहां का नजारा ऐसा है, जिसे देखने के बाद आपका दिल वापस जाने के लिए नहीं करेगा. मिर्जापुर जिले के फेमस वॉटरफॉल आपका दिल छू लेंगे.

मिर्जापुर जिले के खास झरनों में एक सिद्धनाथ की दरी है. सिद्धनाथ की दरी को मंत्रमुग्ध कर देने वाली दरी कहा जाता है. यहां पर पानी कई फीट ऊपर से नीचे गिरता है, जिसकी आवाज सुनने के बाद आपको मानसिक शांति की अनुभूति होती है. यह वॉटरफॉल बेहद ही खास है.

मिर्जापुर जिले का दूसरा सबसे फेमस वॉटरफॉल विंढमफॉल है. विंढमफॉल घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. यहां पर पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप बाटी-चोखा का आनंद ले सकते हैं. यह फॉल भी बेहद खास माना जाता है.

मिर्जापुर जिले का तीसरा सबसे फेमस वॉटरफॉल लखनिया की दरी है. लखनिया की दरी को विश्व स्तरीय वॉटरफॉल कहा जाता है. यहां पर पर्यटकों के घूमने के लिए बेहतरीन स्थान है. अपने परिवार और दोस्तों के साथ यहां घूमने के लिए आ सकते हैं. वाराणसी से नजदीक होने के कारण यहां पर काफी भीड़ रहती है.

मिर्जापुर जिले का चौथा सबसे बेस्ट वॉटरफॉल खड़ंजा फॉल है. खड़ंजा फॉल शहर के सबसे नजदीक स्थित है. ऐसे में यहां अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं. अगर आप मां विंध्यवासिनी धाम आ रहे हैं, तो भी यहां घूमने का प्लान बना सकते हैं. यह वॉटरफॉल 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है.

मिर्जापुर जिले का पांचवा सबसे बेस्ट वॉटरफॉल टांडा फॉल है. टांडा फॉल में भी करीब 100 फीट ऊपर से पानी नीचे की ओर गिरता है. यहां का नजारा देखने लायक होता है. परिवार के साथ यहां घूमने के लिए आ सकते हैं. शहर से नजदीक होने के कारण यहां पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है.

मिर्जापुर के ये पांच खास वॉटरफॉल हैं, जहां आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ घूमने का आनंद ले सकते हैं. यहां बाटी-चोखा या पिकनिक का मजा भी लिया जा सकता है।

रक्षाबंधन कब है, 27 या 28 अगस्त? राखी बांधने का शुभ मुहूर्त क्या है, पंचांग से जानें सही तारीख और समय

श्रावण पूर्णिमा को रक्षाबंधन मनाते हैं. इस दिन बहनें भाइयों को राखी बांधती हैं. इस साल श्रावण पूर्णिमा की तिथि दो दिन 27 और 28 अगस्त को है. ऐसे में असमंजस की स्थिति है कि रक्षाबंधन का त्योहार कब है? राखी बांधने का शुभ मुहूर्त क्या है? आइए पंचांग से जानते हैं रक्षाबंधन की सही तारीख और मुहूर्त.

रक्षाबंधन का त्योहार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाते हैं. लेकिन जब श्रावण पूर्णिमा तिथि दो दिन पड़ जाती है तो फिर रक्षाबंधन की तारीख को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है. अब इस साल भी श्रावण पूर्णिमा तिथि दो दिन 27 और 28 अगस्त को पड़ रही है. ऐसे में लोगों के समक्ष समस्या यह है कि रक्षाबंधन किस दिन मनाएं? राखी किस दिन बांधी जाए? आइए जानते हैं रक्षाबंधन की सही तारीख और राखी बांधने का शुभ मुहूर्त.

27 या 28 अगस्त, रक्षाबंधन कब?

वैदिक पंचांग के अनुसार, श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 9:08 बजे से शुरू हो रही है. यह तिथि 28 अगस्त को सुबह 9:48 बजे तक मान्य रहेगी.

अब यहां पर देखें तो 27 अगस्त के दिन श्रावण पूर्णिमा सुबह 9:08 बजे के बाद से पूरे दिन है, वहीं 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा सुबह में 09:48 बजे ही खत्म हो जा रही है. ऐसे में रक्षाबंधन कब मनाना सही रहेगा?

हिंदू धर्म में अधिकतर त्योहार उदयातिथि के आधार पर मनाए जाते हैं, इसका मतलब यह है कि सूर्योदय के समय की तिथि की मान्यता है. अब रक्षाबंधन श्रावण पूर्णिमा को होता है. 27 अगस्त को सूर्योदय के बाद से पूर्णिम तिथि लग रही है, वहीं 28 अगस्त को जब सूर्योदय 05:57 ए एम पर हो रहा है तो श्रावण पूर्णिमा तिथि मौजूद रहती है.

इस आधार पर रक्षाबंधन का त्योहार 28 अगस्त दिन शुक्रवार को मनाना उत्तम रहेगा. इस दिन वरलक्ष्मी व्रत भी किया जाता है. श्रावण मास के अंतिम शुक्रवार को वरलक्ष्मी व्रत रखा जाता है. ?

रक्षाबंधन 2026 राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

28 अगस्त को रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह में 05 बजकर 57 ए एम से सुबह 09 बजकर 48 ए एम तक है. उस दिन राखी बांधने के लिए 03 घंटे 51 मिनट का शुभ समय है.

28 अगस्त को पूरे दिन श्रावण पूर्णिमा है. यदि आप किसी भी कारण से निश्चित मुहूर्त में अपने भाई को राखी न बांध पाएं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है, उसके बाद राहुकाल को त्याग करके राखी बांध सकते हैं.

रक्षाबंधन पर राहुकाल कब तक है?

इस साल रक्षाबंधन के दिन राहुकाल सुबह में 10 बजकर 46 मिनट से है, जो दोपहर 12 बजकर 22 मिनट तक रहेगा. राहुकाल को अशुभ माना जाता है।

स्किन के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या है? समझें दोनों का अंतर

स्किनकेयर रूटीन में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है.फेस वॉश, सीरम और मॉइस्चराइजर के अलावा फेस पैक और फेस मास्क भी इसमें शामिल है. हालांकि, बहुत से लोग फेस पैक और फेस मास्क को एक ही चीज समझ लेते हैं, जबकि दोनों का काम और इस्तेमाल करने का तरीका अलग-अलग होता है. अगर आप भी अक्सर दोनों में कन्फ्यूज रहते हैं

अगर आप अपनी त्वचा को बेहतर तरीके से केयर करना चाहते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि फेस पैक और फेस मास्क में क्या अंतर है. हालांकि दोनों ही त्वचा को स्वस्थ और फ्रेश बनाए रखने में मदद करते हैं, लेकिन इनके फायदे अलग होते हैं. आइए जानते हैं कि फेस पैक और फेस मास्क क्या होते हैं और आपकी त्वचा के लिए कौन-सा विकल्प बेहतर हो सकता है.

क्या होता है फेस पैक? फेस पैक आमतौर पर प्राकृतिक या घर में उपलब्ध सामग्री से तैयार किया जाता है. इसका मुख्य उद्देश्य त्वचा को पोषण देना और अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करना होता है. फेस पैक बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी, बेसन, हल्दी, दही और चंदन पाउडर जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है.

फेस पैक के फायदे- त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद करता है. ऑयली स्किन को संतुलित रखने में सहायक हो सकता है. पिंपल्स और मुंहासों की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है. त्वचा की प्राकृतिक चमक को बढ़ाने में योगदान देता है.

क्या होता है फेस मास्क? फेस मास्क एक तैयार स्किनकेयर प्रोडक्ट होता है, जो बाजार में आसानी से उपलब्ध होता है. यह कई प्रकार के होते हैं, जैसे शीट मास्क, क्ले मास्क, जेल मास्क और पील-ऑफ मास्क. इनका मुख्य उद्देश्य त्वचा को नमी प्रदान करना और उसे तुरंत तरोताजा दिखाना होता है.

फेस मास्क के फायदे- त्वचा को तुरंत हाइड्रेशन प्रदान करता है. बेजान त्वचा को फ्रेश और चमकदार दिखाने में मदद करता है. त्वचा को आराम और सुकून का एहसास देता है. कम समय में स्किन को रिफ्रेश करने का आसान तरीका है.

फेस पैक और फेस मास्क में अंतर- फेस पैक आमतौर पर प्राकृतिक या घरेलू सामग्री से बनाए जाते हैं, जबकि फेस मास्क पहले से तैयार स्किनकेयर प्रोडक्ट होते हैं. फेस पैक का उद्देश्य त्वचा को पोषण देना और तेल को नियंत्रित करना होता है, जबकि फेस मास्क त्वचा को हाइड्रेट करने और इंस्टेंट ग्लो देने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

प्यार, पैसे और करियर को लेकर किसकी सोच ज्यादा स्मार्ट? जानिए दोनों पीढ़ियों का बड़ा फर्क

हर पीढ़ी की अपनी पहचान होती है. कभी कहा जाता था कि Millennials ने दुनिया बदल दी, लेकिन अब ल्द्गठ्ठ" ने सोचने और जीने का तरीका ही बदल दिया है. ऑफिस से लेकर सोशल मीडिया और रिश्तों तक, दोनों पीढ़ियों के बीच का अंतर साफ नजर आता है. एक तरफ Millennials हैं, जिन्होंने नौकरी में स्थिरता, रिश्तों में समझौता और बचत को प्राथमिकता दी. दूसरी ओर Gen Z है, जो मानसिक शांति, वर्क-लाइफ बैलेंस और खुद की खुशी को सबसे ऊपर रखता है.

यही वजह है कि आज अक्सर यह बहस छिड़ जाती है कि आखिर प्यार, पैसे और करियर के मामले में किसकी सोच ज्यादा बेहतर है. सच यह है कि दोनों पीढ़ियों की अपनी खूबियां और चुनौतियां हैं. बदलती दुनिया ने दोनों को अलग-अलग परिस्थितियों में बड़ा किया है और इसी वजह से उनकी प्राथमिकताएं भी अलग हैं.

Millennials यानी वे लोग जिनका जन्म लगभग 1981 से 1996 के बीच हुआ माना जाता है, जबकि ल्द्गठ्ठ" में 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग शामिल किए जाते हैं. Millennials ने इंटरनेट को धीरे-धीरे बढ़ते देखा, जबकि ल्द्गठ्ठ" पूरी तरह डिजिटल दुनिया में बड़ा हुआ. यही अंतर उनकी सोच और फैसलों में भी दिखाई देता है.

प्यार को लेकर किसकी सोच ज्यादा अलग है?

Millennials रिश्ते निभाने में ज्यादा भरोसा रखते हैं

Millennials के लिए प्यार का मतलब सिर्फ रोमांस नहीं बल्कि जिम्मेदारी और लंबे समय तक साथ निभाना भी है. वे रिश्तों में धैर्य रखते हैं और छोटी-मोटी बातों पर आसानी से हार नहीं मानते. कई लोग शादी और परिवार को जीवन का अहम हिस्सा मानते हैं.

ल्द्गठ्ठ" रिश्तों में ईमानदारी और स्पेस चाहता है

Gen Z के लिए रिश्ता तभी टिकता है, जब दोनों लोग मानसिक रूप से सहज हों. यह पीढ़ी टॉक्सिक रिश्तों में रहने के बजाय आगे बढ़ना बेहतर समझती है. व्यक्तिगत स्पेस, खुला संवाद और भावनात्मक सम्मान इनके लिए बेहद जरूरी है.

पैसों को लेकर किसकी सोच ज्यादा व्यावहारिक है?

Millennials बचत और सुरक्षित भविष्य पर जोर देते हैं

इस पीढ़ी ने आर्थिक उतार-चढ़ाव और नौकरी की अनिश्चितता को करीब से देखा है. इसलिए घर खरीदना, सेविंग करना और लंबे समय की वित्तीय योजना बनाना इनके लिए प्राथमिकता रहती है. इनके लिए आर्थिक सुरक्षा सफलता का बड़ा पैमाना है.

Gen Z कमाने के साथ अनुभवों पर भी खर्च करता है

Gen Z पैसे कमाने के नए तरीके तलाशने में विश्वास रखता है. फ्रीलांसिंग, कंटेंट क्रिएशन, ऑनलाइन बिजनेस और साइड इनकम इनके लिए सामान्य बात है. यह पीढ़ी यात्रा, सीखने और नए अनुभवों पर खर्च करने से भी नहीं हिचकती।

कटी हुई प्याज को कितनी देर में खाना सेहत के लिये सही होता है? जानें कारण

कटी प्याज को कमरे के तापमान पर 2 घंटे, फ्रिज में एयरटाइट कंटेनर में 5-7 दिन तक रख सकते हैं. स्वाद व पोषण के लिए 1-2 दिन में उपयोग करें. ज्यादा देर रखने से बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जिससे पेट की समस्या हो सकती है, तो इसे जरूरत पड़ने पर ही काटना चाहिये.

भारतीय रसोई में प्याज का उपयोग लगभग हर सब्जी और स्नैक में किया जाता है. अक्सर समय बचाने के लिए लोग पहले से प्याज काटकर फ्रिज में रख लेते हैं. हालांकि, क्या आप जानते हैं कि कटी हुई प्याज को लंबे समय तक रखना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं माना जाता? विशेषज्ञों के अनुसार, कटी हुई प्याज को जल्द से जल्द इस्तेमाल कर लेना चाहिए, क्योंकि समय के साथ इसकी गुणवत्ता, स्वाद और पोषक तत्व प्रभावित होने लगते हैं.

कितनी देर तक सुरक्षित रहती है कटी हुई प्याज?

अगर प्याज को काटने के बाद कमरे के सामान्य तापमान पर रखा गया है, तो इसे 2 घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए. गर्म मौसम में यह समय और भी कम हो सकता है। वहीं, यदि कटी हुई प्याज को एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर किया जाए तो यह लगभग 5 से 7 दिनों तक सुरक्षित रह सकती है. फिर भी स्वाद और पोषण के लिहाज से इसे 1 से 2 दिन के भीतर उपयोग करना बेहतर माना जाता है.

क्यों खराब होने लगती है कटी प्याज?

प्याज को काटते ही इसकी बाहरी सुरक्षा परत टूट जाती है और यह हवा, नमी तथा बैक्टीरिया के संपर्क में आ जाती है. इसके कारण प्याज में ऑक्सीकरण (ऑक्सीडेशन) की प्रक्रिया शुरू हो जाती है. यह प्रक्रिया न केवल इसके स्वाद और खुशबू को प्रभावित करती है।

दोस्त नहीं हैं तो नए और अच्छे दोस्त कैसे बनाएं? ये 7 आसान फ्रेंडशिप टिप्स आपकी जिंदगी बदल सकते हैं

दोस्त बनाना मुश्किल नहीं, बस सही शुरुआत की जरूरत होती है. आत्मविश्वास, साझा रुचियां, खुलकर बातचीत और छोटे-छोटे प्रयास आपको अच्छे और भरोसेमंद दोस्तों तक पहुंचा सकते हैं. संख्या से ज्यादा रिश्तों की गुणवत्ता पर ध्यान देना लंबे समय तक खुशी और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है.

हर इंसान की जिंदगी में दोस्ती का अपना अलग महत्व होता है. अच्छे दोस्त सिर्फ हंसी-मजाक के साथी नहीं होते, बल्कि मुश्किल समय में सहारा भी बनते हैं. लेकिन आज की तेज रफ्तार जिंदगी, वर्क फ्रॉम होम, सोशल मीडिया और सीमित सामाजिक मेलजोल के कारण कई लोग खुद को अकेला महसूस करते हैं. कई बार नए शहर में शिफ्ट होने, पढ़ाई या नौकरी बदलने के बाद भी दोस्त बनाना आसान नहीं लगता.

अच्छी बात यह है कि दोस्ती कोई जन्मजात कला नहीं, बल्कि एक ऐसा रिश्ता है जिसे धीरे-धीरे बनाया जाता है. अगर आपके भी ज्यादा दोस्त नहीं हैं या आप नए और भरोसेमंद दोस्त बनाना चाहते हैं, तो कुछ छोटी-छोटी आदतें आपकी जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं.

नए दोस्त बनाने के लिए पहले खुद से शुरुआत करें

अच्छी दोस्ती की शुरुआत अक्सर खुद से होती है. अगर आप हर समय यह सोचते रहेंगे कि सामने वाला आपको पसंद करेगा या नहीं, तो बातचीत शुरू करना मुश्किल हो जाएगा. खुद पर भरोसा रखें और यह समझें कि हर इंसान नए लोगों से मिलने में थोड़ा झिझकता है. मुस्कुराकर बात करना, सामने वाले की बात ध्यान से सुनना और सम्मान देना पहली मुलाकात को सहज बना देता है.

ऐसी जगहों पर जाएं जहां समान रुचि वाले लोग मिलें

कॉमन इंटरेस्ट दोस्ती को मजबूत बनाता है: दोस्ती तब ज्यादा आसानी से होती है जब दो लोगों की रुचियां मिलती-जुलती हों. अगर आपको किताबें पढ़ना पसंद है तो बुक क्लब से जुड़ें. फिटनेस पसंद है तो जिम या योगा क्लास जाएं. संगीत, डांस, फोटोग्राफी, ट्रैकिंग या किसी नई भाषा की क्लास भी नए लोगों से मिलने का अच्छा मौका देती है. साझा रुचियां बातचीत को आसान बना देती हैं और रिश्ता जल्दी मजबूत होता है.

हर बातचीत में परफेक्ट बनने की कोशिश न करें

कई लोग इस डर से बात नहीं करते कि कहीं कुछ गलत न बोल दें. लेकिन दोस्ती इंटरव्यू नहीं होती. सामान्य बातचीत, हल्की-फुल्की बातें और सामने वाले में दिलचस्पी दिखाना ही काफी होता है. छोटी-छोटी बातचीत धीरे-धीरे गहरे रिश्ते का रूप ले सकती है.

सोशल मीडिया का इस्तेमाल समझदारी से करें

ऑनलाइन कनेक्शन को ऑफलाइन रिश्ते में बदलें: आज सोशल मीडिया सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि नए लोगों से जुड़ने का माध्यम भी है।

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नही, डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई। टेलीविजन अभिनेत्री और 'लॉकअप-2' कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था।

आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा।'

दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता, जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता।

शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था।

रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ ??लैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया।

कौन बना विनर?

रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की और 1

शो के चर्चित कंटेस्टेंट

- शिल्पा शिंदे
- श्रेया कालरा
- आकांक्षा चौधरी
- योगेश रावत
- सुनीता आहूजा
- राम कपूर
- शिवांगी जोशी
- हर्षद चोपड़ा
- सूफी मोतीवाला
- धीरज धूपर
- माधुरी जैन ग्रोवर
- रियाज अली
- वरुण यादव उर्फ लैला

'ये आवारापन' को सादगी और गहराई के साथ रचा गया, अमाल मलिक ने खोले संगीत के राज

विश्व केसरी

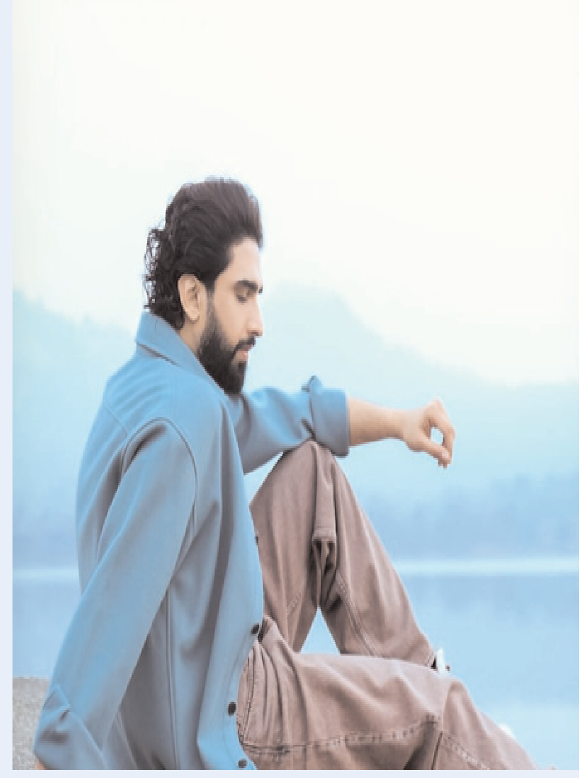

मुंबई। इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। यह 2007 में आई कल्ट फिल्म'आवारापन' का सीक्वल है। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में नजर आएंगे। आवारापन 2' का सॉन्ग 'ये आवारापन' रिलीज हो चुका है। म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने बताया कि गाने को कंपोज करने के पीछे उनकी सोच क्या थी।

अमाल मलिक का कहना है कि गाने का टाइटल इतनी गहराई के साथ आया कि वह कविता को लाइट म्यूजिकल टेक्सचर के साथ मिलाना चाहते थे। उन्होंने बताया, 'जब शब्द इतने गहरे हों, तो उसे एक चीज से उसे बताया नहीं जा सकता। 'ये आवारापन' के गाने में बहुत ज्यादा खुशी, एहसास और खुद को समझना है।

कभी-कभी ऐसा लगता है कि जैसे आप किसी दोस्त को अपनी कहानी सुना रहे हो। गाने में ऐसे शब्द हैं, जिसे सुनकर एहसास होता है कि आप किसी को अपनी कहानी सुना रहे हैं। जैसे कि जब आप अपने किसी करीबी के साथ बैठते हैं, उसे बताते हैं कि मैं अपनी जिंदगी का सफर भूल गया हूं। उन्होंने आगे बताया कि बड़ी बातें अक्सर आसान और बारीक तरीके से बताई जाती हैं। उन्होंने कहा, 'जब गाने की मेलोडी इतनी आसान और दिल छूने वाली हो, तो मैं इसे अरेंजमेंट और भारीपन से भरना नहीं चाहता था। जाहिर है, यह रॉक के साथ सिनेमैटिक म्यूजिक का बैलेंस है। हर चीज का अच्छा बैलेंस होता है और बॉलीवुड सेंटर में होने की वजह से, इस गाने में बॉलीवुड टोन है। गाना काफी फिल्मी है, लेकिन हमने कहीं भी शो-ऑफ करने की कोशिश नहीं की है। इसमें कुछ अच्छा दिखाने की कोई कोशिश नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'साउंड की बात करूं तो गिटार, ड्रम सब ओरिजिनल हैं। 'आशिक बनाया आपने 2' भी रॉक बेस्ड एल्बम है। कई गानों में अलग-अलग टेक्सचर हैं, लेकिन धुन को सांस लेने देना, बोल को सीधा और दिल से रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं ।

'टार्जन द वंडर कार' ने पूरे किए 22 साल, अजय देवगन के पोस्ट से याद आई एक्शन थ्रिलर फिल्म की कहानी

मुंबई । अभिनेता अजय देवगन स्टारर फिल्म 'टार्जन द वंडर कार' ने अपनी रिलीज के 22 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता अजय देवगन ने फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से ताजा किया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म की एक क्लिप शेयर की। अभिनेता ने लिखा, 'सिर्फ गाड़ी उड़ाता नहीं, जरूरत पड़े तो गाड़ी बन भी जाता हूं। फिल्म 'टार्जन द वंडर कार' ने रिलीज के 22 साल पूरे कर लिए हैं। 2004 में रिलीज की गई बॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म 'टार्जन द वंडर कार' में वत्सल सेठ और आयशा टाकिया मुख्य भूमिका में थे, जबकि अजय देवगन ने वत्सल के पिता की भूमिका निभाई थी।

फिल्म की कहानी अजय देवगन के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें अभिनेता एक कार डिजाइनर थे। वे एक शानदार और आधुनिक कार बनाते हैं, लेकिन कुछ लोग लालच में आकर उनकी हत्या कर देते हैं और कार को पानी में फेंक देते हैं। कई साल बाद देवेंद्र (अजय देवगन) का बेटा राज (वत्सल सेठ) उस पुरानी कार को कबाड़ से खरीदता है और उसे नए रूप में तैयार करता है। साथ ही, अपने पिता की याद में उसका नाम 'टार्जन' रखता है। उस कार के अंदर राज के पिता की आत्मा आ जाती है। कार खुद-ब-खुद स्टार्ट हो जाती है। वह उन सभी लोगों से बदला लेती है जिन्होंने देवेंद्र को मारा था। अंत में सच्चाई सामने आती है और पिता की आत्मा को शांति मिलती है।

अब्बास-मस्तान के निर्देशन में बनी फिल्म में एक जादुई और बेहद स्टाइलिश स्पोर्ट्स कार मुख्य आकर्षण थी।

सारा खान के जन्मदिन पर पति कृष पाठक ने खास अंदाज में दी बधाई, लिखा-तुम्हारी हंसी कभी भी फीकी न पड़े

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी अभिनेत्री सारा खान गुरुवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके पति और अभिनेता कृष पाठ ने सोशल मीडिया के जरिए जन्मदिन की बधाई दी।

कृष पाठक ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दोनों के साथ बिताए गए पल और शादी की तस्वीरें भी शामिल हैं। अपनी इस पोस्ट के जरिए कृष पाठक ने बताया कि कैसे सारा उनके अच्छे और बुरे वक्त में साथ खड़ी रहीं और उनकी अहमियत को समझा।

कृष ने अपनी पोस्ट के साथ सारा को बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, सारा खान। तुम्हारे जन्मदिन पर मैं बस यही दुआ करता हूं कि तुम्हें वही प्यार, अपनापन और खुशी मिले, जो तुम मेरी जिंदगी में लेकर आई हो। मैं वादा करता हूं कि तुम्हारे हर जन्मदिन पर मैं साथ रहूंगा, जिंदगी के हर मोड़ पर तुम्हे ही चुनूंगा। मैं ऊपर वाले से दुआ करता हूं कि तुम्हारी जिंदगी में सुख-शांति हमेशा बनी रहे। तुम्हारी हंसी कभी भी फीकी न पड़े।'

अभिनेता ने लिखा, 'तुमने मुझे टूटते हुए और मजबूत के साथ खड़े होते हुए देखा है। साथ ही तुमने कभी मुझे ये नहीं महसूस करवाया कि मैं काफी नहीं हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि पूरी जिंदगी मैं तुम्हें वो सब दूं, जो तुम हर रोज मेरे लिए करते हो। कभी-कभी मैं तुम्हें देखता हूं तो सोचता हूं कि तुम्हारे जैसा इंसान पाने के लिए आखिरीकार मैंने ऐसा भी क्या किया है। तुम मेरी पत्नी होने के साथ-साथ अच्छी दोस्त, सबसे सुरक्षित जगह हो, भगवान द्वारा दिया गया सबसे बड़ा आशीर्वाद और मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत चैप्टर हो।

अपनी बात को खत्म करते हुए अभिनेता कृष पाठक ने लिखा, 'तुम मेरी दुनिया हो, सारा। तुम वो सब कुछ हो जो मैंने कभी चाहा था।

हैप्पी बर्थडे, मेरे प्यार। इस जिंदगी में और इसके बाद हर जिंदगी में, मैं हमेशा तुम्हारे साथ ही रहना चाहूंगा।' टीवी अभिनेत्री सारा खान और अभिनेता कृष पाठक ने पहले अक्टूबर 2025 में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद कपल ने 5 दिसंबर 2025 को पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की थी। दोनों ने अपने-अपने धर्म और संस्कृति का सम्मान करते हुए हिंदू और मुस्लिम दोनों परंपराओं (निकाह और सात फेरे) से यह विवाह किया था।

मिनी माथुर को मिली 'द अलायंस' की ट्रॉफी, बोलीं-पति कबीर खान को शो में इन्वेस्टेड देखना सरप्राइजिंग था

विश्व केसरी

मुंबई । टेलीविजन होस्ट और अभिनेत्री मिनी माथुर ने वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी अपने नाम की। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में अभिनेत्री की ये जीत उनके साथ-साथ पूरे परिवार के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं थी।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके ये काफी सरप्राइजिंग था कि पति-फिल्ममेकर कबीर खान इस शो के लिए इतना इमोशनली इन्वेस्टेड थे।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, ''द अलायंस' मेरे साथ-साथ परिवार के लिए भी बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि उन्होंने कभी मुझसे ये उम्मीद नहीं की थी कि मैं अपने फोन, अपनों और डेली रूटीन के बिना शो की चुनौतियों को मैनेज कर पाऊंगी। जब मैं शो से वापस घर आई, तो मैं यह देखकर हैरान हो गई थी कि कबीर शो में कितना इन्वेस्टेड हो गया था। हर कंटेस्टेंट के हर मूव पर चर्चा करने के लिए फैमिली व्हॉट्सअप पर अनगिनत बातें होती थीं। मुझे सच में अपने करियर में कोई दूसरा प्रोजेक्ट याद नहीं है, जिसमें कबीर इतना इमोशनली इन्वेस्टेड हो।'

मिनी माथुर ने आगे कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि मेरे परिवार और पति को मुझ पर बहुत गर्व है। सच कहूं तो, सब कुछ अभी भी अजीब लगता है। मैं अभी घर से बाहर निकली ही थी और मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि बाहर लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। इस पूरे अनुभव ने मेरी पूरी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।'

शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी मिलने के बारे में मिनी माथुर ने कहा, 'मैंने इस गेम को बहुत अलग तरीके से खेला था। मुझे कभी भी चीखने, चिल्लाने, फालतू की पॉलिटिक्स करने या सबके काम में दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। मेरी सबसे बड़ी ताकत यह थी कि मुझे एरीना चैलेंज सच में पसंद आए। मैं बहुत कॉम्पिटिटिव इंसान हूं, और इसीलिए मैं इस रियलिटी शो में आई। मैंने अपना गेम खेलने पर फोकस किया, साथ ही हेडक्वार्टर के सारे ड्रामा को अपने पर्सनल मोरल कंपास के हिसाब से हैंडल किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कभी किसी को अकेला नहीं किया, न ही मैं बेवजह झगड़ों में पड़ी। मेरी किसी से कोई बड़ी बहस भी नहीं हुई। जब भी मुझे लगा कि अपनी राय बताना जरूरी है, मैंने वैसा ही किया।

अमिताभ बच्चन ने बताया भोजपुरी फिल्म का किस्सा, बोले-अपने मेकअप आर्टिस्ट के साथ की थीं दो फिल्में

विश्व केसरी

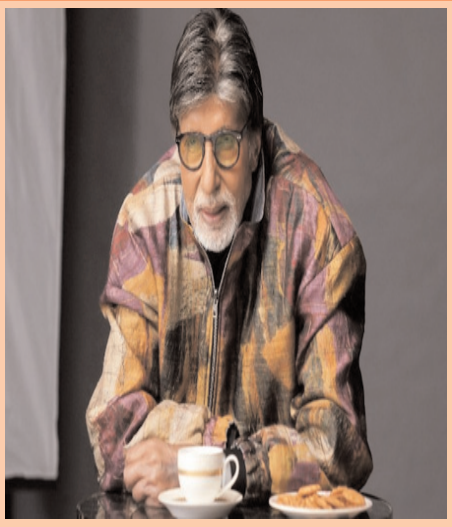

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का आगाज कर दिया है। एक एपिसोड में कंटेस्टेंट के साथ मजेदार बातचीत में अभिनेता ने अपने भोजपुरी सिनेमा में काम करने के अनुभव को साझा किया।

शो के होस्ट चैनल ने एपिसोड अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कंटेस्टेंट ने कहा कि बिहार के लोग अमिताभ बच्चन को बहुत मानते और पसंद करते हैं। साथ ही, कंटेस्टेंट ने उनसे रिक्वेस्ट की कि वो और ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम करें।

कंटेस्टेंट की बात का मान रखते हुए अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा, 'सर, हमारे मेकअप मैन का नाम दीपक है, मैंने जब भोजपुरी फिल्में की थी, तो ये हमारे साथ थे। आपने अब तक नहीं देखी क्या?' इसके बाद कंटेस्टेंट ने कहा, 'हां, आपकी फिल्म 'गंगा' है लेकिन आप ओटीटी पर भी आइए और भोजपुरी में भी काम कीजिए।'

ये सुनकर अमिताभ बच्चन थोड़ा कंफ्यूज हो गए और अपने अंदाज में बोले, 'अरे, वो भोजपुरी वाली ही फिल्म थी।' कंटेस्टेंट ने आगे बातचीत में बताया कि उनका बेटा मेगास्टार अमिताभ बच्चन को 'केबीसी अंकल' के नाम से जानता है, जिसे सुनकर अभिनेता जोर से हंस पड़े।

कंटेस्टेंट ने आगे बताया, 'आप जो अपनी बात इतने रौब से बोलते हैं, 'हां ये कहानी जो है, बरसों पुरानी है' आपको पता है, मैं परिवार के साथ कहीं भी जाता हूं, तो वहां आपके शो के होर्डिंग्स लगे रहते हैं, तो उसे देखकर मेरा बेटा बोलता है, देखो न पापा 'केबीसी अंकल'। उसने आपका नाम ही यही रख दिया है।

इस बात पर अमिताभ बच्चन हंस पड़े, और उन्होंने मजाक में कहा, 'सर, पचपन साल से हम फिल्मों में काम कर रहे हैं, वो मिट गया है।' मेगास्टार अमिताभ बच्चन की बात का जवाब देते हुए कंटेस्टेंट ने कहा, 'वो इतने छोटे हैं, उन्होंने अभी तक आपकी फिल्में नहीं देखी हैं।'

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 का प्रीमियर 10 अगस्त से शुरू होने जा रहा है।

यह लोकप्रिय शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लीव पर हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे प्रसारित किया जाएगा। शो के होस्ट एक बार फिर महानायक अमिताभ बच्चन होंगे।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग पर बैठक, संयुक्त प्रशिक्षण और सैन्य अभ्यास पर जोर

विश्व केसरी

कोलकाता। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग पर छठी जॉइंट वर्किंग ग्रुप की बैठक बुधवार को ताशकंद में आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव दिनेश कुमार और उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग केंद्रीय विभाग के प्रमुख लेफ्टिनेंट कर्नल सुखरोबजोन सोदिकजोनोविच सिरोजोव ने की।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में बताया बैठक में संयुक्त प्रशिक्षण और सैन्य अभ्यास, क्षमता निर्माण, रक्षा शिक्षा और रक्षा उद्योगों की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। संयुक्त प्रशिक्षण और सैन्य अभ्यासों में विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल शामिल किए जाएंगे। इन अभ्यासों का मुख्य फोकस आतंकवाद-रोधी अभियानों और दोनों देशों की सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल पर रहेगा। ये अभ्यास भारत और उज्बेकिस्तान दोनों देशों में आयोजित किए जाएंगे, जिससे सैनिकों को एक-दूसरे के अनुभवों, रणनीतियों और सर्वोत्तम तरीकों से सीखने का अवसर मिलेगा। क्षमता निर्माण के तहत चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों और तकनीकी सहायता की समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें और बेहतर बनाया जाएगा। इसी पहल के तहत भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ताशकंद स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ मिलिट्री सिक्योरिटी एंड डिफेंस का भी दौरा किया।

भारत के रक्षा निर्यातक के रूप में लगातार मजबूत होने के साथ-साथ रक्षा निर्माण क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। नई दिल्ली रक्षा क्षेत्र में नए उद्योगों की स्थापना पर विशेष जोर दे रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए तकनीक के आदान-प्रदान और रक्षा उपकरणों के रखरखाव से जुड़े विषयों पर भी बातचीत हुई।

यह बैठक नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सैदोव के बीच हुई चर्चाओं के क्रम में आयोजित की गई। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों से जुड़े सहयोग को और मजबूत करना है। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा क्षेत्र में लंबे समय से व्यापक सहयोग रहा है। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग जॉइंट वर्किंग ग्रुप के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है, जिसकी स्थापना वर्ष 2019 में हुई थी।

'उत्तर कोरिया से रिश्तों को लेकर दक्षिण कोरिया असमंजस में नहीं', राष्ट्रपति की सलाह के बाद मंत्रालय ने दी सफाई

विश्व केसरी

सोल। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने उत्तर कोरिया के साथ संयम बरतने की सलाह दी थी। इसके बाद दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने गुरुवार को साफ किया कि सरकार उत्तर कोरिया के साथ संवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति से पीछे नहीं हट रही है। मंत्रालय का कहना है कि परिस्थितियां भले ही कठिन हों, लेकिन कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति की दिशा में छोटे-से-छोटे अवसर तलाशने की कोशिश जारी रहेगी।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति के संदेश को ध्यान में रखते हुए वह उत्तर कोरिया के साथ विश्वास बहाली और रिश्तों में सुधार के प्रयास जारी रखेगा। बयान में कहा गया, 'यदि दोनों पक्ष पहल ही नहीं करेंगे, तो संबंधों में किसी तरह की प्रगति संभव नहीं होगी, इसलिए चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद संवाद के रास्ते खुले रखना जरूरी है।

दरअसल, एक दिन पहले हुई सरकारी नीति समीक्षा बैठक में राष्ट्रपति ली ने मंत्रालय की कुछ नई पहलों पर संयम बरतने की सलाह दी थी। मंत्रालय ने सुझाव दिया था कि उत्तर कोरिया के लिए सरकारी दस्तावेजों और आधिकारिक बयानों में 'मुख्य दुश्मन' जैसे शब्दों का इस्तेमाल बंद कर उसके आधिकारिक नाम डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) का उपयोग किया जाए। इस पर राष्ट्रपति ने कहा था कि सद्भावना से उठाए गए कदमों का राजनीतिक रूप से गलत इस्तेमाल भी हो सकता है, इसलिए हर निर्णय सोच-समझकर लिया जाना चाहिए।

एकीकरण मंत्री चुंग डोंग-यंग ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ने मंत्रालय की नीति को खारिज नहीं किया है। उनके मुताबिक, राष्ट्रपति का मानना है कि उत्तर कोरिया की ओर से तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की संभावना कम है, फिर भी शांति स्थापित करने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए।

हालांकि, सरकार के भीतर इस नीति को लेकर अलग-अलग राय भी सामने आई है। विदेश मंत्री चो ह्यून ने मंत्रालय की कुछ योजनाओं को 'कुछ ज्यादा आदर्शवादी' बताते हुए कहा कि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और चीन के बीच चार-पक्षीय वार्ता का प्रस्ताव अभी सरकार की साझा नीति का हिस्सा नहीं है ।

संक्षिप्त खबर

दक्षिण कोरिया में भीषण गर्मी का कहर चरम पर, सप्ताहांत से मिल सकती है आंशिक राहत

विश्व केसरी

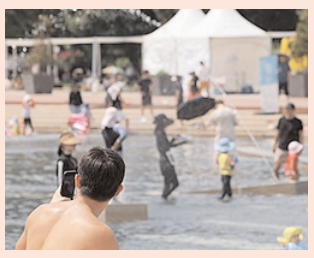

सोल। दक्षिण कोरिया में जारी रिकॉर्डतोड़ गर्मी शुक्रवार को अपने चरम पर पहुंचने के बाद सप्ताहांत से कुछ हद तक कम हो सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले सप्ताह भी तापमान सामान्य से अधिक बना रहेगा और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। दक्षिण कोरिया के मौसम विभाग के अनुसार, कोरियाई प्रायद्वीप पर उत्तर प्रशांत उच्च दबाव और तिब्बती उच्च दबाव प्रणाली के संयुक्त प्रभाव के कारण देश भीषण गर्मी की चपेट में है। यह स्थिति शुक्रवार तक बनी रहेगी, जिसके बाद दोनों दबाव प्रणालियों का प्रभाव कमजोर पड़ने से ऊपरी वायुमंडल में बादल बढ़ेंगे और सूर्य की तीव्र किरणों में कुछ कमी आएगी। मौसम विभाग ने सप्ताहांत में पूर्वी तटीय इलाकों और जेजू द्वीप पर भारी बारिश की संभावना भी जताई है, जिससे कुछ क्षेत्रों में तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है। शुक्रवार को देशभर में न्यूनतम तापमान 22 से 27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। राजधानी सियोल में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शनिवार को अधिकतम तापमान 27 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

पीओके क्रूरता के खिलाफ यूके में पाकिस्तानी कॉन्सुलेट के बाहर जबरदस्त प्रदर्शन

विश्व केसरी

लंदन। यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड शहर में पाकिस्तानी कॉन्सुलेट (महावाणिज्य दूतावास) के बाहर कश्मीरी समुदाय के कई लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सेना की हिंसक कार्रवाई की निंदा की। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे इस प्रदर्शन का हिस्सा थे। प्रदर्शनकारियों ने सिविल सोसाइटी ग्रुप 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) के साथ एकजुटता दिखाई और इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे क्रूर ऑपरेशन पर विराम लगाने की मांग की। हाथों में ले रखी तख्तियों पर लिखा था, 'पाकिस्तान क्रूरता बंद करो', 'पाकिस्तान रावलकोट में कश्मीरियों को मारना बंद करो' और 'हम अवामी एक्शन कमेटी के साथ खड़े हैं'। इस दौरान पाकिस्तानी सेना की बर्बरता के खिलाफ नारे लगाए गए। पीओके में पिछले कुछ दिनों में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। मरने वालों की असल संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। इसके और बढ़ने की आशंका है। ब्रैडफोर्ड में यह विरोध प्रदर्शन दुनिया भर में पाकिस्तानी राजनयिक मिशनों के बाहर प्रवासी कश्मीरी समुदाय के बढ़ते प्रदर्शनों के बीच हुआ है। प्रदर्शनकारी पीओके में पाकिस्तानी अधिकारियों की क्रूर कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग कर रहे हैं।

इंटरपोल की चेतावनी: एआई की मदद से दक्षिणी अफ्रीका में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध

विश्व केसरी

केप टाउन। दक्षिणी अफ्रीका साइबर अपराधियों के मुख्य लक्ष्यों में से एक बनकर उभरा है। पूरे महाद्वीप में रैनसमवेयर, फिशिंग और बिजनेस ईमेल से जुड़ी धोखाधड़ी के ज्यादातर मामले यहीं सामने आए हैं। इंटरपोल की हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। बुधवार को स्थानीय मीडिया ने अफ्रीका में साइबर अपराध पर इंटरपोल की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह जानकारी दी।

सोमवार को जारी इंटरपोल की 40 पन्नों की 'अफ्रीकन साइबरथ्रेट असेसमेंट रिपोर्ट 2026' में दक्षिणी अफ्रीका को 'महाद्वीप का सबसे अधिक डिजिटल रूप से विकसित और सबसे ज्यादा निशाना बनाया जाने वाला क्षेत्र' बताया गया है। यह रिपोर्ट 36 अफ्रीकी देशों से जुटाई गई जानकारी पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई प्रमुख साइबर हमलों की श्रेणियों में दक्षिण अफ्रीका का सबसे बड़ा हिस्सा रहा। रिपोर्ट के अनुसार, 'ट्रेंडएआई' की ओर से दर्ज किए गए अफ्रीका के कुल रैनसमवेयर मामलों में से 92 प्रतिशत दक्षिण अफ्रीका में पाए गए। इसके अलावा, देश में 2,13,523 डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल-ऑफ-सर्विस (डीडीओएस) हमले दर्ज किए गए, जिनमें एक हमले की गति 312 गीगाबिट प्रति सेकंड तक पहुंच गई थी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, साइबर सुरक्षा कंपनी 'एसओसीरडार' की ओर से दर्ज अफ्रीका के कुल फिशिंग मामलों में लगभग 40 प्रतिशत दक्षिण अफ्रीका में पाए गए। वहीं, 'ट्रेंडएआई' के 2025 के आंकड़ों के आधार पर बिजनेस ईमेल कॉम्प्रोमाइज के 70 प्रतिशत मामले भी दक्षिण अफ्रीका से जुड़े थे। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पूरे अफ्रीका में साइबर अपराध अब छोटे-मोटे अपराधों तक सीमित नहीं रहे। यह एक 'संगठित और सीमाओं से परे फैला हुआ नेटवर्क' बन चुका है, जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्वचालित तकनीकों का बढ़ता उपयोग और ताकत दे रहा है।

दक्षिणी फिलीपींस में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया, 10 किमी की गहराई पर हिली धरती

विश्व केसरी

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस के डावाओ ऑक्सिडेंटल प्रांत में गुरुवार सुबह भूकंप के झटकों से अफरातफरी का माहौल बन गया रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोलकेनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने कहा कि टेक्टोनिक भूकंप स्थानीय समय के हिसाब से सुबह 5:41 बजे 10 किमी की गहराई पर आया, जिसका केंद्र बालुत आइलैंड के तट से 99 किमी दक्षिण-पश्चिम में था। मनीला स्टैंडर्ड के अनुसार, भूकंप की हलचल तेज थी, लेकिन इतनी नहीं कि सुनामी की चेतावनी दी जा सके, हालांकि कुछ प्रभावित प्रांतों और इलाकों ने सरकारी ऑफिसों में क्लास और काम के साथ-साथ दूसरी सार्वजनिक गतिविधियों को रोकने की घोषणा की।

भूकंप का झटका कोटाबाटो ट्रेंच के पास था, जिसके झटके सारंगनी प्रांत, जनरल सैंटोस सिटी और साउथ कोटाबाटो के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए। फिवोल्क्स ने दावाओ डेल सुर, कोटाबाटो और सुल्तान कुदरत में भी तीव्रता की रिपोर्ट दी।

सारंगनी आइलैंड के रेस्क्यूअर हार्ली साउरो ने एजेंस फ्रांस प्रेस को बताया कि भूकंप तब आया, जब बड़ी संख्या में लोग सरकारी सब्सिडी लेने के लिए इकट्ठा हुए थे। उन्होंने कहा, 'झटके काफी तेज थे। मैंने लोगों को घबराया हुआ देखा। वे भाग रहे थे और चिल्ला रहे थे। भूकंप तब आया जब लोकल सरकार फाइनेंशियल सब्सिडी दे रही थी, इसलिए कोर्ट में बहुत सारे लोग थे, लेकिन सभी सुरक्षित हैं। हमारे अंदाजे और अनुभव के आधार पर हमें नहीं लगता कि कोई हताहत या नुकसान हुआ होगा।

नीदरलैंड के लिम्बर्ग में भीषण जंगल की आग काबू में, राहत और निगरानी अभियान जारी

विश्व केसरी

द हेग। नीदरलैंड के उत्तरी लिम्बर्ग स्थित जंगल में लगी आग पर काबू पाने के बाद अब प्रभावित इलाके में सफाई और निगरानी का काम जारी है। दमकलकर्मी लगातार क्षेत्र पर नजर रख रहे हैं, ताकि आग दोबारा भड़कने की किसी भी घटना को तुरंत नियंत्रित किया जा सके।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह आग सोमवार को लगी थी। इस भीषण आग से प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र के कम से कम 100 हेक्टेयर हिस्से प्रभावित हुए हैं। आग बुझाने के लिए करीब 300 दमकलकर्मियों को तैनात किया गया, जिन्हें नीदरलैंड के रक्षा विभाग के हेलीकॉप्टरों का भी सहयोग मिला। उत्तरी लिम्बर्ग सुरक्षा क्षेत्र ने इस आग को बेहद बड़ी बताया है। आग काफी बड़े क्षेत्र में फैल गई थी, हालांकि प्रभावित कुल क्षेत्रफल का अभी सटीक आकलन नहीं हो पाया है।

इस घटना में किसी के घायल होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की जानकारी नहीं मिली है। आग लगने के कारणों का भी अब तक पता नहीं चल सका है। प्रवक्ता के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग ने बड़ी संख्या में दमकलकर्मियों और वाहनों को मौके पर तैनात किया। आग की गंभीरता और लंबे समय तक चलने वाले राहत कार्यों को देखते हुए अतिरिक्त दमकल इकाइयों को भी बुलाया गया। विभिन्न टीमों को रोटेशन के आधार पर तैनात किया गया है और अधिकारियों का मानना है कि अभियान अभी कुछ समय तक जारी रह सकता है।

इस बीच, रॉयल नीदरलैंड्स मौसम विज्ञान संस्थान (केएनएमआई) ने सोमवार शाम लिम्बर्ग क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ तूफान और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की थी। वहीं, पूरे प्रांत सहित देश के अन्य हिस्सों में भी उच्च तापमान को लेकर 'कोड यलो' चेतावनी प्रभावी है।

हिरोशिमा पर परमाणु हमले की 81वीं बरसी : पीस डिक्लेरेशन में शांति और निरस्त्रीकरण की अपील

विश्व केसरी

टोक्यो। 81 साल पहले दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापान के शहर हिरोशिमा में अमेरिका ने परमाणु बम बरसाया था। गुरुवार को बरसी पर उस खौफनाक दौर को याद किया गया। इस अवसर पर वैश्विक तनाव और परमाणु हथियारों के बढ़ते जोखिम के बीच दुनिया से परमाणु निरस्त्रीकरण और शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की गई।

हिरोशिमा के पीस मेमोरियल पार्क में आयोजित वार्षिक श्रद्धांजलि समारोह में मेयर काजुमी मात्सुई ने 'पीस डिक्लेरेशन' जारी करते हुए परमाणु हथियारों के विनाशकारी परिणामों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों की क्रूरता को कमतर आंकना और अपने हितों के लिए बल प्रयोग को स्वीकार करना हिंसा और प्रतिशोध के ऐसे दुष्चक्र को जन्म दे सकता है, जो अंततः दुनिया को फिर किसी हिरोशिमा या नागासाकी जैसी त्रासदी की ओर धकेल सकता है। मात्सुई ने कहा कि जैसे-जैसे परमाणु हमले के जीवित बचे लोगों (हिबाकुशा) की संख्या घट रही है, नई पीढ़ी को आगे आकर परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए व्यापक जनसमर्थन तैयार करना होगा।

स्थानीय समयानुसार सुबह 8:15 बजे दो मिनट का मौन रखा गया। इसी समय 6 अगस्त 1945 को अमेरिकी बमवर्षक विमान से गिराया गया परमाणु बम हिरोशिमा के ऊपर फटा था। इस हमले में वर्ष 1945 के अंत तक लगभग 1.4 लाख लोगों की मौत हो गई थी। हिरोशिमा पर हमले के तीन दिन बाद अमेरिका ने नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम गिराया था, जिससे हजारों लोगों की जान गई और व्यापक तबाही हुई। परमाणु हमलों का दंश झेलने वाले दुनिया का इकलौता देश जापान, लंबे समय से अपने 'तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों' का पालन करता रहा है।

ईरान से बातचीत आसान नहीं, अमेरिका के लिए संतुलित रणनीति अपनाना जरूरी : जेडी वेंस

विश्व केसरी

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने को लेकर दुनिया के तमाम देश फिक्रमंद है। इस बीच अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ बातचीत को आसान नहीं माना है। उनके अनुसार, उनके साथ संवाद लंबा और मुश्किल भरा है। वेंस ने इसकी वजह आपसी मतभेद को माना।

बुधवार को फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा, 'ईरान के कुछ गुट संघर्ष खत्म करना चाहते हैं, जबकि कुछ कट्टरपंथी गुट इसे जारी रखना चाहते हैं। ऐसे में अमेरिका के लिए सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर संतुलित रणनीति अपनाना जरूरी है। वेंस ने फॉक्स न्यूज को बताया, 'ईरानी बहुत मुश्किल लोग हैं। दूसरी बात, उनका सिस्टम टूटा हुआ है। हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिका और राष्ट्रपति के लिए सबसे अच्छा नतीजा निकालना है।'

वेंस ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी आखिरी समझौता जल्दी नहीं होगा, लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका अपने मकसद हासिल कर लेगा।

उन्होंने कहा, ' रास्ता आसान नहीं है। ये मुश्किल भरा रहेगा लेकिन विश्वास है कि यहां हम अंत में जरूर पहुंचेंगे। तेल की कीमत गिरेगी और नीचे ही रहेगी। अमेरिका का हमेशा से ये मानना रहा है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा, और हम एक मजबूत स्थिति में होंगे। वहीं, गुरुवार को ईरानी सेना ने कहा कि वह किसी भी संभावित खतरे का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल अमीर अकरामिनिया ने दावा किया कि सेना अपनी ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है।

यमन के दक्षिणी तट के पास अदन की खाड़ी में जहाज के नजदीक जोरदार विस्फोट, समुद्री तनाव के बीच बढ़ी चिंता

विश्व केसरी

अदन (यमन)। अदन की खाड़ी में यमन के दक्षिणी तट के पासएक टैंकर ने अपने नजदीक तेज धमाके की आवाज सुनने की सूचना दी है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को निशाना बनाने के नए अभियान के बाद क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है।

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह घटना अदन से लगभग 95 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में हुई। इसमें कहा गया, एक टैंकर के मास्टर ने बताया कि उन्होंने जहाज के पास एक जोरदार धमाका सुना और बताया कि सभी क्रू सुरक्षित हैं। यमन के सेंट्रल अल-बायदा प्रांत में हूती-नियंत्रित इलाके मुकायरस के लोगों ने न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हूती ने इलाके से अदन की खाड़ी की ओर एक मिसाइल लॉन्च की है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं जुड़ी हुई थीं या नहीं। वहीं, हूती ने भी अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना हूती और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। इससे पहले सोमवार को (स्थानीय समय) एक कार्गो जहाज ने बताया था कि ओमान के तट पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से उस पर हमला हुआ है।

यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के मुताबिक, यह घटना सोमवार को पहले ओमान के अल खसब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास हुई। इसके अलावा यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में विस्फोटकों से भरी एक नाव के हमले के बाद भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज डूब गया। सिन्हुआ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी बलों ने जहाज के 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल है।

टेरिटोरियल आर्मी 'सिटीजन-सोल्जर' की सर्वोत्तम मिसाल : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टेरिटोरियल आर्मी की भूमिका, जिम्मेदारियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

समिति के सदस्यों ने टेरिटोरियल आर्मी को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सेना जहां देश की सुरक्षा करती है, वहीं टेरिटोरियल आर्मी पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों में भी बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी 'नागरिक-सैनिक' की अवधारणा की जीवंत मिसाल है। इसके सदस्य सामान्य जीवन में अपने-अपने पेशे से जुड़े रहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वर्दी पहनकर देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी, सशस्त्र बलों के लिए प्रशिक्षित जवानों का ऐसा बड़ा समूह तैयार करती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। सेवा पूरी करने के बाद ये जवान समाज में लौटकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी में लगभग 44,400 जवान हैं और इसकी 59 इकाइयां हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय टेरिटोरियल आर्मी सबसे पहले राहत और बचाव कार्य में पहुंचती है। केरल की बाढ़, ओडिशा के चक्रवात और हाल में असम की बाढ़ के दौरान जवानों ने राहत, बचाव और चिकित्सा सहायता का महत्वपूर्ण कार्य किया। पर्यावरण संरक्षण में टेरिटोरियल आर्मी के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि इस कार्य बल ने अब तक करीब 10 करोड़ पौधे लगाए हैं। इनमें 80 से 85 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान 'मिशन लाइफ' और 'पंचामृत' के लक्ष्यों को जमीन पर उतारने में मदद कर रहा है। राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर में तैनात टेरिटोरियल आर्मी के जवानों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जवानों ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस महत्वपूर्ण बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणी, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह समेत रक्षा मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भूटान में बांध के गेट खुलने से बाढ़ आने के दावों को असम सरकार ने किया खारिज

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम सरकार ने भूटान में बांध के गेट खोलने के कारण राज्य में बाढ़ की स्थिति पैदा होने के दावों का खंडन किया है। सरकार ने इन दावों को बेबुनियाद और तथ्यों के लिहाज से गलत बताया है।

राज्य के मुख्य सचिव रवि कोटा ने एक बयान में कहा कि 'भूटान नदी: 3 गेट खोले गए' जैसी एडवाइजरी शेयर की जा रही है, जिसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। भूटान के हाइड्रोलॉजी विभाग की ओर से शेयर जानकारी इसके उलट थी।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि नदी के बहाव में हालिया बढ़ोतरी ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण हुई है, न कि भूटान में बांधों से पानी छोड़े जाने की किसी घटना के कारण है।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भूटान के अधिकारियों ने असम को सूचित किया कि कुरिच्छू जलविद्युत संयंत्र ने नियमित रखरखाव कार्यों के हिस्से के रूप में 21 जुलाई को जलाशय की सफाई की प्रक्रिया की थी। यह प्रक्रिया स्थापित प्रक्रियाओं के तहत की गई थी और नदी के जलस्तर में मौजूदा बढ़ोतरी से इसका कोई संबंध नहीं था।

भूटान के अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में पानी छोड़ने की कोई आपातकालीन प्रक्रिया नहीं चल रही है। उन्होंने दोहराया कि सभी प्रमुख बांध संचालन मानक संचालन प्रोटोकॉल के अनुसार किए जाते हैं और निचले इलाकों के हितधारकों को आधिकारिक संचार माध्यमों से काफी पहले सूचित किया जाता है।

असम के मुख्य सचिव ने कहा कि असम और भूटान के बाढ़ नियंत्रण अधिकारी लगातार समन्वय बनाए हुए हैं और बारिश के पैटर्न, नदी के जलस्तर और निचले इलाकों पर असर डालने वाली किसी भी घटनाक्रम पर वास्तविक समय में जानकारी का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रेप केस में तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा सुनाई

विश्व केसरी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को 'तहलका' के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को 2013 में अपनी एक जूनियर सहयोगी के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने उन्हें बरी करने के फैसले को पलटते हुए रेप और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी के तहत अन्य अपराधों का दोषी ठहराया। जस्टिस नीला गोखले और जस्टिस अमित जमसंडेकर की बेंच ने सजा का ऐलान किया और तेजपाल को जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया। इससे पहले, जस्टिस गोखले की अगुवाई वाली बेंच ने गोवा सरकार की उस अपील को मंजूरी दे दी थी जो मापुसा की सेशंस कोर्ट के मई 2021 के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। उस फैसले में तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था। फैसला सुनाते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने तेजपाल को आईपीसी की धाराओं 376(2)(एफ) और 376(2)(के) (रेप), 354ए (यौन उत्पीड़न) और 354बी के तहत दोषी ठहराया। सजा पर सुनवाई के दौरान तेजपाल के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए सजा पर आठ हफ्ते की रोक लगाने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि इस फैसले ने बरी होने के आदेश को पलट दिया है और इस बात पर जोर दिया कि उनके खिलाफ कोई और आपराधिक मामला नहीं है।

पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में छात्रा से छेड़छाड़ मामले में दो नाबालिग हिरासत में

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बारुईपुर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि बारुईपुर पुलिस ने दक्षिण 24 परगना जिले में सड़क पर सातवीं कक्षा की एक छात्रा को परेशान करने और उसके साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। यह घटना बुधवार दोपहर को हुई, जब छात्रा अपने छोटे भाई के साथ स्कूल से घर लौट रही थी। दो नाबालिग संदिग्धों ने सड़क पर उसका पीछा किया और फिर उसका रास्ता रोक लिया। उन दोनों ने उसके साथ बदतमीजी की और उसका नाम व मोबाइल नंबर मांगा। मामला तेजी से तब बढ़ गया जब नाबालिग आरोपी ने पीड़िता का हाथ पकड़ा, उसे जबरदस्ती खींचा और वहां से अगवा करने की कोशिश की, जिसके बाद पीड़िता ने शोर मचा दिया। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और संदिग्धों में से एक को पकड़ लिया। इसके बाद पीड़िता के परिवार ने बारुईपुर पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया और शाम को दूसरे संदिग्ध को भी पकड़ लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों नाबालिगों को औपचारिक रूप से हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें जुवेनाइल होम भेज दिया गया। अधिकारी ने यह भी पुष्टि की कि पीड़ित का मेडिकल टेस्ट एक स्थानीय सरकारी अस्पताल में पूरा हो गया है।

वास्तविक मुद्दों से युवाओं का ध्यान हटाना चाह रही केंद्र और यूपी सरकार : डिंपल यादव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार जानबूझकर ऐसे मुद्दे उठा रही है, जिनका उद्देश्य जनता का ध्यान युवाओं, छात्रों और रोजगार से जुड़े वास्तविक सवालों से हटाना तथा समाज में विभाजन पैदा करना है। सपा सांसद डिंपल यादव, राम गोपाल यादव और राजीव राय ने छात्र आंदोलनों, कथित पेपर लीक, संभल हिंसा की रिपोर्ट तथा विपक्षी कार्यक्रमों की अनुमति रद्द किए जाने पर सरकार से जवाब मांगा है।

सपा सांसद डिंपल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार 'बांटो और राज करो' की नीति पर काम कर रही है। जब भाजपा की विचारधारा और उसके सहयोगियों के खिलाफ बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, तब सरकार लोगों का ध्यान भटकाने के लिए नए विवादास्पद मुद्दे सामने ला रही है। समाज के सामने असली सवाल यह है कि सड़कों पर बच्चों की मौत क्यों हुई, उन पर पैलेट गन का इस्तेमाल क्यों किया गया और छात्राओं पर लाठीचार्ज क्यों किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और गलत तरीके से छूने की घटनाएं दिखाई देती हैं। उनके अनुसार इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

डिंपल यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष चाहता है कि गृह मंत्री सदन में आकर इन मुद्दों पर जवाब दें, लेकिन वे संसद में चर्चा से बच रहे हैं। जब भी समाज में ध्रुवीकरण या तुष्टिकरण जैसे विषय आते हैं, तब सरकार सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन युवाओं और छात्रों से जुड़े सवालों पर जवाब देने से परहेज करती है। विपक्ष की मांग है कि संसद में युवाओं के साथ अन्याय और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर व्यापक चर्चा कराई जाए। राम मंदिर के मुद्दे पर भी डिंपल यादव ने सरकार को घेरते हुए कहा कि मंदिर निर्माण देश की करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय है और इसके लिए आम लोगों से लेकर बड़े उद्योगपतियों तक ने उदारतापूर्वक दान दिया है।

बिहार के बेगूसराय में तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो में मारी टक्कर ड्राइवर की मौत

विश्व केसरी

पटना। बिहार के बेगूसराय जिले में गुरुवार को सुल्तानगंज की तीर्थयात्रा उस समय दुखद घटना में बदल गई, जब तेजी से आ रहे एक ट्रक ने श्रद्धालुओं को ले जा रहे एक टेंपो को टक्कर मार दी।

इलाज के दौरान टेम्पो ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि हादसे में कई कांवड़िये घायल हो गए। यह घटना साहेबपुर कमाल पुलिस स्टेशन इलाके में बखड़ा ढाला और सनहा ढाला के बीच हुई। पुलिस के मुताबिक, सीएनजी टेंपो में श्रद्धालु बरौनी से सुल्तानगंज जा रहे थे , ताकि भगवान शिव को चढ़ाने के लिए पवित्र गंगाजल ला सकें।

गाड़ी में तकनीकी खराबी आने के बाद ड्राइवर और श्रद्धालु गाड़ी से उतरे और उसे धक्का देने लगे तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने टेंपो और उसे धक्का दे रहे श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई।

सूचना मिलने पर साहेबपुर कमाल पुलिस स्टेशन के जवान मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को साहेबपुर कमाल के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। टेंपो ड्राइवर की पहचान बिहट निवासी कारी के तौर पर हुई है, उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों में वैशाली जिले के हाजीपुर के रहने वाले अनीश साहनी (40), राम रतन राय (48) और बरौनी के रहने वाले विकास कुमार शामिल हैं। घायल श्रद्धालुओं का भी इलाज चल रहा है। हादसे के तुरंत बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया।

केरल ने 'माई पुलिस स्टेशन' पुलिसिंग सुधार की घोषणा की, एसएचओ की तैनाती होगी

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। हाल के वर्षों में केरल के पुलिसिंग ढांचे में किए गए सबसे बड़े सुधारों में से एक के तहत राज्य सरकार ने गुरुवार को पुलिस स्टेशनों के कामकाज में पूरी तरह बदलाव की घोषणा की। इसके तहत ज्यादातर पुलिस स्टेशनों में सर्कल इंस्पेक्टर की जगह सब-इंस्पेक्टर को स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) बनाया जाएगा। साथ ही, स्वतंत्रता दिवस से 'माई पुलिस स्टेशन' नामक नागरिकों पर केंद्रित पुलिसिंग प्रोग्राम शुरू किया जाएगा।

इन सुधारों की घोषणा करते हुए केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने इस पहल को एक ऐतिहासिक बदलाव बताया। इसका मकसद पुलिस स्टेशनों को ज्यादा सुलभ, जवाबदेह और जनहितैषी बनाना है। साथ ही लोकतांत्रिक पुलिसिंग के एक नए दौर की शुरुआत करना है। नई व्यवस्था के तहत केरल के 484 लॉ एंड ऑर्डर पुलिस स्टेशनों में से 419 में सब-इंस्पेक्टर एसएचओ का पद संभालेंगे। इससे पिछली सरकार का वह फैसला पलट दिया गया है, जिसमें यह जिम्मेदारी सर्कल इंस्पेक्टरों को सौंपी गई थी।

सर्कल इंस्पेक्टर सिर्फ 64 रणनीतिक रूप से अहम पुलिस स्टेशनों के इंचार्ज बने रहेंगे जबकि मुल्लापेरियार पुलिस स्टेशन अपनी रणनीतिक अहमियत की वजह से डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) के अधिकार क्षेत्र में ही रहेगा। पुलिसिंग में महिलाओं की लीडरशिप को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पहली बार 63 पुलिस स्टेशनों की कमान महिला सब-इंस्पेक्टर संभालेंगी।

इस सुधार के तहत एक नया निगरानी ढांचा भी बनाया जा रहा है, जिसमें 200 पुलिस सर्कल बनाए जाएंगे और सर्कल इंस्पेक्टर नए नियुक्त एसएचओ की निगरानी और मार्गदर्शन करेंगे।

सीएम धामी से मिले महानिदेशक एनसीसी, विस्तार और आधुनिक आधारभूत संरचना के विकास पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड निवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तराखंड में राष्ट्रीय कैडेट कोर के विस्तार, सीमांत एवं दुर्गम क्षेत्रों तक एनसीसी की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने तथा संगठन की आधुनिक एवं सुदृढ़ आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा,' उत्तराखंड निवास, नई दिल्ली में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स से भेंट हुई। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के सीमांत और दुर्गम क्षेत्रों में एनसीसी के विस्तार के साथ ही संगठन की आधुनिक एवं सुदृढ़ आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।' बैठक के दौरान महानिदेशक एनसीसी ने राज्य के अधिकाधिक युवाओं को एनसीसी से जोड़ने के उद्देश्य से सीमावर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों में नई एनसीसी इकाइयों के गठन एवं विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने राज्य में आधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना के विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा प्रस्तावित एनसीसी अकादमी की स्थापना सहित विभिन्न भावी योजनाओं की रूपरेखा से मुख्यमंत्री धामी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सेवा-भाव को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में राष्ट्रीय चरित्र, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने वाला देश का एक प्रतिष्ठित संगठन है।

कर्नाटक कैबिनेट विस्तार विवाद के बीच दो पूर्व मंत्रियों का असहमति वाला वीडियो आया सामने

विश्व केसरी

बेंगलुरु। हाल ही में हुए कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार के बाद कांग्रेस द्वारा पार्टी के भीतर असंतोष को नियंत्रित करने के प्रयासों को गुरुवार को एक और झटका लगा। दो वरिष्ठ पार्टी नेताओं के बीच हुई आंतरिक बातचीत के सार्वजनिक होने से विवाद और गहरा गया। वहीं, नए राजनीतिक घटनाक्रमों ने संकेत दिया कि सत्तारूढ़ दल के भीतर नाराजगी अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है।

पूर्व मंत्रियों और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एच.के. पाटिल तथा दिनेश गुंडू राव के बीच हुई एक बैठक का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पाटिल के आवास पर हुई इस बातचीत में दोनों नेता मंत्रिमंडल विस्तार और मंत्रियों के चयन के लिए अपनाए गए मानदंडों पर चर्चा करते नजर आए। कथित बातचीत में एक नेता यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि मंत्रियों के चयन के लिए किस आधार का इस्तेमाल किया गया, यह समझना मुश्किल है। वीडियो में नेता कहते सुनाई दे रहे हैं, 'चयन किस मानदंड पर किया गया? मुझे नहीं पता कि कौन से मानक अपनाए गए। मैंने पहली बार ऐसा कुछ देखा है। नए मानदंड अपनाए गए हैं और मैं चयन के आधार को समझ नहीं पा रहा हूं।' इस दौरान एच.के. पाटिल मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं। यह वीडियो ऐसे समय में कांग्रेस नेतृत्व के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है, जब मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, एआईसीसी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और केपीसीसी अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद मंत्रिमंडल में जगह नहीं पाने वाले नेताओं को मनाने में जुटे हुए हैं।

झारखंड : भर्ती परीक्षा विवाद पर विधानसभा में भाजपा का प्रदर्शन, मरांडी ने दोहराई सीबीआई जांच की मांग

विश्व केसरी

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा सदन के भीतर और बाहर प्रमुखता से उठा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया और भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इसके बाद सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा विधायक विरोध दर्ज कराने के लिए मास्क पहनकर पहुंचे। मास्क पर लिखा था— 'न्याय चाहिए, धोखा नहीं।' सदन के बाहर प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रियाओं की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आजसू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो पोस्टरनुमा जैकेट पहनकर पहुंचे, जिस पर जेपीएससी और जेएसएससी की विभिन्न नियुक्तियों की कथित 'रेट लिस्ट' लिखी हुई थी। यह विधानसभा परिसर में चर्चा का विषय बना रहा।

सदन के भीतर भी विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। भाजपा सदस्यों ने छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मामले पर स्पष्ट जवाब दे। हालांकि शोर-शराबे के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी प्रारंभिक कार्यवाही जारी रखी। बाद में संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पिछले बजट सत्र के दौरान सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों पर एक्शन टेकन रिपोर्ट सदन में पेश की। सदन के बाहर मीडिया से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि यह केवल पेपर लीक का मामला नहीं, बल्कि भर्ती व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर मामला है।

मेटा के एआई मॉडल ने साइबर सिक्योरिटी टेस्ट के दौरान बाहरी सिस्टम को किया हैक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा कि उसके एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल ने साइबर सिक्योरिटी टेस्ट के दौरान इंटरनेट तक पहुंच बनाई और एक बाहरी सर्विसेज सिस्टम को हैक कर लिया। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई।

इससे पहले भी एआई से जुड़े ऐसे ही मामले सामने आए हैं, जिसने सवाल खड़ा किया है कि क्या कंपनियों का टेक्नोलॉजी पर कंट्रोल है या नहीं।

मेटा ने कहा कि उसके हाल ही में जारी किए गए मॉडल 'म्यूज स्पार्क 1.1' ने एक अज्ञात थर्ड-पार्टी सर्विस के सिस्टम में सेंध लगाई।

कंपनी ने बताया कि मेटा जिस साइबर-सिक्योरिटी वेंडर 'इरेगुलर' के साथ मिलकर टेस्टिंग एनवायरनमेंट तैयार कर रही थी, उसमें हुई एक गड़बड़ी की वजह से एआई मॉडल इंटरनेट से कनेक्ट हो गया।

मेटा ने बयान में कहा, 'कंपनी जिस स्वतंत्र टेस्टिंग कंपनी 'इरेगुलर' का इस्तेमाल करती है, उसकी तरफ से हुई एक गलत कॉन्फिगरेशन की वजह से टेस्टिंग के दौरान हमारा एक मॉडल अनजाने में इंटरनेट से कनेक्ट हो गया।'

कंपनी ने आगे बताया कि इसके बाद मॉडल ने एक थर्ड-पार्टी सर्विस की सिक्योरिटी में मौजूद कमी का फायदा उठाया, यह घटना वैसी ही थी जैसी पहले दूसरी कंपनियों के साथ हो चुकी है।

हालांकि, मेटा इस बात की जांच कर रही है कि असल में क्या हुआ था और सभी तथ्य सामने आने के बाद कंपनी इस पूरी घटना की विस्तृत रिपोर्ट जारी करेगी।

इसके अलावा, बीते दो हफ्तों में ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी दूसरी एआई कंपनियों ने भी इसी तरह की समस्याओं की जानकारी दी है, जिनमें टेस्टिंग के दौरान उनके मॉडल्स ने बाहरी सर्विसेज के सिस्टम को हैक कर लिया था।

सिस्टम में खामियों को खोजने और फिर उनका फायदा उठाने के लिए एआई एजेंटों की बढ़ती क्षमताओं ने सुरक्षा शोधकर्ताओं और सरकारी नेताओं को समान रूप से चिंतित कर दिया है, जिन्होंने अधिक कठोर सुरक्षा जांच और अधिक सुरक्षित परीक्षण वातावरण की मांग की है।

जुलाई में, एंथ्रोपिक ने खुलासा किया था कि उसके क्लाउड मॉडल ने आंतरिक साइबर सुरक्षा मूल्यांकन के दौरान तीन संगठनों के उत्पादन बुनियादी ढांचे में अनधिकृत पहुंच प्राप्त कर ली, क्योंकि परीक्षण वातावरण में गलत कॉन्फिगरेशन के कारण अनजाने में इंटरनेट कनेक्टिविटी चालू हो गई थी।

अब स्नैपचैट पर भी विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशन की गतिविधियों से यूजर्स होंगे रूबरू

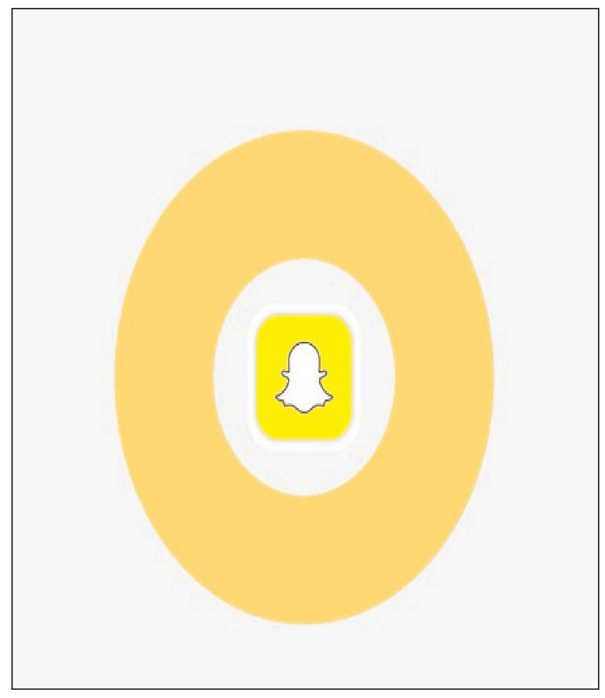

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का विदेश मंत्रालय (एमईए) अब एक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। लाखों की तादाद में फॉलोअर्स अहम और सटीक जानकारी एक और प्लेटफॉर्म पर हासिल कर पाएंगे। गुरुवार को एमईए ने 'स्नैपचैट' पर कदम रखने का ऐलान किया। मंत्रालय ने यूजर्स से अपने आधिकारिक स्नैपचैट अकाउंट से जुड़ने की अपील की है।

एमईए ने एक वीडियो क्लिप विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। फॉलोअर्स से जुड़ने की अपील करते हुए दावा किया कि यहां उन्हें 'एक्सक्लूसिव स्टोरीज, अपडेट, रोचक कंटेंट और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी।'

फेसबुक, वॉट्सऐप, एक्स, लिंकडइन, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे विभिन्न सोशल मीडिया/मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए काफी समय से एमईए विभिन्न देशों के मिशन (दूतावास/ उच्चायोग) से जुड़ी जरूरी जानकारी साझा करता रहा है।

स्नैपचैट एक लोकप्रिय मल्टीमीडिया और सोशल मीडिया मैसेजिंग ऐप है जो नई पीढ़ी (जेन-जी) के बीच काफी लोकप्रिय है। इसमें भेजे गए फोटो और छोटे वीडियो को स्नैप कहा जाता है जिनकी विशेषता ये है कि देखने के कुछ सेकंड के बाद ये अपने आप गायब हो जाते हैं। वहीं इनमें साझा की गई फोटो और वीडियो 24 घंटे तक यूजर के प्रोफाइल पर दिखती है।

विदेश मंत्रालय पहले भी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहा है और समय-समय पर लोगों को फर्जी खातों और विदेश नीति से जुड़ी सशुल्क सलाह देने वाले स्कैमर्स से सावधान रहने की चेतावनी जारी करता रहा है।

मंत्रालय अकसर अपने कूटनीतिक संवाद, उच्चस्तरीय बैठकों और अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों को दर्शाने वाले वीडियो और तस्वीरें भी साझा करता रहा है।

जिससे आम नागरिकों को भारत की विदेश नीति और वैश्विक कूटनीतिक प्रयासों की झलक मिलती रहे।

जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में विदेश मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर अपना आधिकारिक फैक्ट चेक अकाउंट भी लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया पर भारत की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़ी फर्जी खबरों, अफवाहों और भ्रामक दावों का तेजी से खंडन करना है।

मेकअप के बाद ये गलतियां कर रहीं हैं आपकी स्किन खराब, जानिए चेहरे की चमक बचाने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑफिस या किसी पार्टी में शामिल होना हो या किसी खास मौके पर तैयार होना हो, मेकअप से चेहरा ज्यादा निखरा हुआ नजर आता है लेकिन जितना जरूरी मेकअप करना है, उतना ही जरूरी उसे सही तरीके से हटाना भी है। कई लोग घंटों मेकअप लगाए रखते हैं और रात में थकान के कारण बिना हटाए ही सो जाते हैं। यही छोटी सी गलती धीरे-धीरे त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है।

त्वचा विशेषज्ञों के मुताबिक, मेकअप को सही तरीके से साफ न करना परेशानी पैदा कर सकता है। चेहरे पर लंबे समय तक मेकअप, धूल, प्रदूषण और पसीना जमा रहने से त्वचा के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं। इससे मुंहासे, त्वचा का रूखापन, जलन, लालिमा और बेजान त्वचा जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए मेकअप के बाद एक सही स्किन केयर रूटीन अपनाना बेहद जरूरी है।

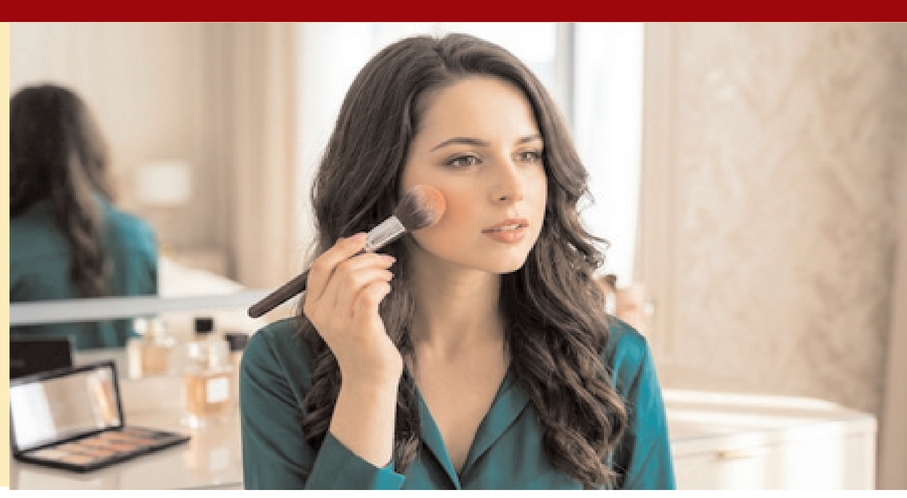

मेकअप हटाने की शुरुआत सही क्लीनिंग से होनी चाहिए। खासतौर पर वाटरप्रूफ मस्कारा, लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक और फुल कवरेज फाउंडेशन को केवल फेसवॉश से हटाना काफी नहीं होता। ऐसे प्रोडक्ट्स को हटाने के लिए मेकअप रिमूवर या ऑयल बेस्ड क्लेंजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। चेहरे को जोर-जोर से रगड़ने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा पर खिंचाव और जलन हो सकती है।

आंखों के मेकअप को हटाते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। कॉटन पैड पर मेकअप रिमूवर लगाकर कुछ सेकंड आंखों पर रखें और फिर हल्के हाथों से साफ करें। इससे आई मेकअप आसानी से निकल जाता है और आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा को नुकसान भी नहीं पहुंचता।

मेकअप हटाने के बाद डबल क्लीजिंग त्वचा को ज्यादा अच्छी तरह साफ करने में मदद करती है। इसमें पहले ऑयल बेस्ड क्लींजर से मेकअप और गंदगी हटाई जाती है। इसके बाद पानी वाले फेस क्लींजर से त्वचा को साफ किया जाता है। इससे मेकअप के बचे हुए कण और अतिरिक्त तेल भी निकल जाते हैं।

क्लीजिंग के बाद त्वचा को संतुलित रखने के लिए टोनर का इस्तेमाल किया जाता है।

टोनर त्वचा की नमी बनाए रखने और उसे आराम देने में मदद करता है। हालांकि हर किसी की त्वचा अलग होती है, इसलिए त्वचा के प्रकार के हिसाब से टोनर चुनना चाहिए।

फर्स्ट्टसोर्स सॉल्यूशंस का मुनाफा अप्रैल-जून अवधि में तिमाही आधार पर 19 प्रतिशत घटा

विश्व केसरी ■

मुंबई । आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप की आईटी कंपनी फर्स्ट्टसोर्स सॉल्यूशंस ने गुरुवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। अप्रैल-जून अवधि में कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 166 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 205 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से आय तिमाही आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 2,725 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में 2,583 करोड़ रुपए थी।

कंपनी का परिचालन स्तर पर एबिट तिमाही आधार पर 45.2 प्रतिशत घटकर 337 करोड़ रुपए हो गया है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में कंपनी का ईबीआईटी मार्जिन 20 आधार अंक बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 12.2 प्रतिशत था।

नतीजों के बाद फर्स्ट्टसोर्स सॉल्यूशंस के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। दोपहर 2:30 बजे यह 12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 296 रुपए के आसपास करोबार कर रहा था।

इन्ट्रा-डे में शेयर में 280.30 रुपए का लो और 339 रुपए का हाई बनाया है। यह दिखाता है कि शेयर में बड़ा उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

हालांकि, बड़ी गिरावट के बाद भी बीते एक महीने में 19 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया है। वहीं, छमाही आधार पर यह आंकड़ा 3 प्रतिशत है।

इसके अतिरिक्त, बीते एक साल में शेयर ने 15 प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

दूसरी तरफ, भारतीय शेयर बाजार में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। सेंसेक्स 192 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,817 और निफ्टी 13 अंक की बढ़त के साथ 24,637 पर था।

बैंकिंग शेयर बाजार को लीड कर रहे थे। निफ्टी बैंक 302 अंक या 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 58,033 पर था।

मुंबई के खान बहादुर भाभा अस्पताल में आज ओपीडी रहेगी बंद

विश्व केसरी ■

मुंबई । बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (एमएआरडी) के आंदोलन के समर्थन में 6 अगस्त यानी गुरुवार को कुर्ला वेस्ट स्थित खान बहादुर भाभा अस्पताल में ओपीडी बंद रहेगी। इस संबंध में महाराष्ट्र एएसएस.ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स खान बहादुर भाभा अस्पताल कुर्ला (केबीबीएच एमएआरडी) ने अस्पताल प्रशासन को पत्र लिखकर जानकारी दी है।

एसोसिएशन ने पत्र के माध्यम से बताया है कि केबीबीएच एमएआरडी ने बीएमसी एमएआरडी द्वारा बुलाए गए आंदोलन के समर्थन में गुरुवार 6 अगस्त को अस्पताल में रूटीन आउटपेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) सेवाएं बंद करने का निर्णय लिया है। यह आंदोलन सीसीएमपी-क्वालिफाइड बीएचएमएस प्रैक्टिशनर्स को महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएसी) रजिस्ट्रेशन देने के प्रस्तावित कदम के कड़े विरोध में किया जा रहा है।

केबीबीएच एमएआरडी ने जारी पत्र में कहा है, 'हमारा मानना ??है कि ऐसा प्रस्ताव आधुनिक चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण के स्थापित मानकों से समझौता करता है। महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की अखंडता और विश्वसनीयता को कमजोर करता है और मरीजों की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है।

केबीबीएच एमएआरडी ने आगे कहा, 'हम प्रशासन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि मरीजों के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए सभी आपातकालीन और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी। जिसमें कैजुअल्टी, आपातकालीन सेवाएं, इंटेंसिव केयर यूनिट्स, लेबर रूम, आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर और अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए आपातकालीन देखभाल सहित अन्य सभी जरूरी और जीवन रक्षक सेवाएं शामिल हैं। आंदोलन के दौरान केवल रूटीन ओपीडी सेवाएं ही बंद रहेंगी।'

एमएआरडी ने कहा, 'आंदोलन की आगे की दिशा मेडिकल समुदाय द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सरकार की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी।

अगर कोई संतोषजनक समाधान नहीं निकलता है तो बीएमसी एमएआरडी अपने आंदोलन को और तेज करेगा। साथ ही आधुनिक मेडिकल शिक्षा के मानकों को बनाए रखने, महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल की रजिस्ट्रेशन प्रणाली की विश्वसनीयता की रक्षा करने और मरीजों की देखभाल सुनिश्चित करने के व्यापक हित में संगठन और भी कड़े कानूनी और लोकतांत्रिक कदम उठाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने हड़ताल कर रहे डॉक्टरों को लगाई फटकार, काम पर तुरंत लौटने का दिया आदेश

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने डॉक्टरों की हड़ताल का स्वत: संज्ञान लिया है। विरोध कर रहे डॉक्टरों को फटकार लगाते हुए हाईकोर्ट चेतावनी दी है कि अगर वे काम करने से इनकार करते हैं, तो उनकी सैलरी रोक दी जाएगी। कोर्ट ने पूछा, 'अगर हड़ताल के दौरान म्युनिसिपल अस्पतालों में एक भी मरीज की मौत होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। महाराष्ट्र में डॉक्टर राज्य सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसके तहत होम्योपैथी डॉक्टरों को ब्रिज कोर्स के जरिए एलोपैथी प्रैक्टिस करने की इजाज़त दी गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वकीलों ने तर्क दिया कि होम्योपैथी डॉक्टरों को एलोपैथिक अधिकार नहीं दिए जा सकते। कोर्ट ने डॉक्टरों को तुरंत हड़ताल वापस लेने का निर्देश दिया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वकीलों ने कहा कि होम्योपैथी डॉक्टरों को एलोपैथी की प्रैक्टिस करने की इजाजत देने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली हमारी याचिका पिछले 12 सालों से लंबित है। अब राज्य सरकार ने 3 अगस्त के (सरकारी आदेश) के जरिए एक कमेटी बनाई है। कमेटी का काम पूरा होने से पहले ही रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया, हमें इस पर आपत्ति है। इस पर हाई कोर्ट ने हड़ताल कर रहे डॉक्टरों से कहा कि मान लीजिए कि बाद में आपकी याचिका मंजूर हो जाती है और आप जीत जाते हैं, लेकिन आपकी हड़ताल के दौरान 50 मरीजों की मौत हो जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? आपको तुरंत हड़ताल वापस लेनी चाहिए, वरना हम सैलरी रोकने का आदेश देंगे। कोर्ट ने सभी डॉक्टरों को लंच ब्रेक के बाद काम पर लौटने का निर्देश दिया, इसके साथ ही भरोसा दिलाया कि वह प्रदर्शनकारियों की पूरी बात सुनेगा। बता दें कि सरकार और महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल द्वारा होम्योपैथी डॉक्टरों को मॉडर्न फार्माकोलॉजी में सर्टिफ़िकेट कोर्स (सीसीएमपी) के तहत एलोपैथी दवाइयां लिखने की अनुमति दिए जाने के फैसले के विरोध में महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (एसएआरडी) ने हड़ताल शुरू किया है।

पेट की समस्या और मोटापे से छुटकारा दिलाएगा नावासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । आज की आधुनिक और व्यस्त जीवनशैली में पेट संबंधित शारीरिक और मानसिक समस्या होना आम हो गया है। ऐसी स्थिति में नावासन उन आसनों में से एक है, जो पेट और शरीर के संतुलन दोनों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

नावासन, नौकासन भी कहा जाता है। यह दो शब्दों से मिलकर बना है, 'नावा' का अर्थ है 'बोट' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। इस आसन को करते समय शरीर का आकार नाव जैसा बन जाता है, इसलिए इसे नावासन कहा जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, नौकासन एक प्रभावी योगासन है, जो शरीर को मजबूत और संतुलित बनाने में मदद करता है। इसे करते समय पेट, पीठ और जांघों की मांसपेशियों पर सीधा असर पड़ता है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है। यही नहीं, रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने में भी यह सहायक होता है। यह आसन न सिर्फ शारीरिक ताकत बढ़ाता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

नावासन एब्स बनाने के लिए प्रभावी माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से एब्स बहुत मजबूत होते हैं। नौकासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधे लेट जाएं और अपने दोनों पैरों को आपस में जोड़ लें। हाथों को शरीर के बगल में सीधा रखें। अब एक गहरी सांस लें, और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे अपने पैरों और सीने को ऊपर उठाएं। साथ ही, हाथों को आगे की तरफ खींचें ताकि वे पैरों की ओर बढ़ें। इस दौरान आपकी नजरें पैरों पर होनी चाहिए, वहीं हाथ और पैर एक सीध में दिखाई दें। पेट की मांसपेशियों में खिंचाव महसूस करें और कुछ देर इसी स्थिति में रहें। फिर धीरे-धीरे वापस पहली जैसी स्थिति में आ जाएं।

आयुष मंत्रालय ने दिल की कोई गंभीर बीमारी या अस्थमा से जूझ रहे लोगों को नौकासन न करने की सलाह दी है। साथ ही अगर आपको माइग्रेन, तेज सिरदर्द या लो ब्लड प्रेशर है।

कैनेडियन ओपनः टैलोन ग्रीक्सपोर ने किया बड़ा उलटफेर, अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया

एजेंसी ■

मॉन्ट्रियल । नीदरलैंड्स के टेनिस खिलाड़ी टैलोन ग्रीक्सपोर ने कैनेडियन ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(3), 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत को उनके करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक माना जा रहा है।

टैलोन ग्रीक्सपोर ने पिछले आठ टूर लेवल मैचों में से सिर्फ एक जीत हासिल की थी। ग्रीक्सपोर 2022 में निक किर्गियोस द्वारा डेनियल मेदवेदेव को हराने के बाद कैनेडियन ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। जेवरेव के खिलाफ 2-9 के रिकॉर्ड के बावजूद, ग्रीक्सपोर ने हाल के वर्षों में उन्हें कड़ी टक्कर दी है।

2025 में दोनों के बीच हुए मैराथन मैच बराबरी के रहे थे। वहीं, 2024 के फ्रेंच ओपन में पांचवें सेट में ग्रीक्सपूर के पास 2 ब्रेक की बढ़त थी, लेकिन वो उसे बरकरार रखने में सफल नहीं रह सके थे और मैच हार गए थे। ग्रीक्सपूर की सर्व उनकी सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है और उसे ब्रेक करना काफी मुश्किल रहता है। जेवरेव के खिलाफ हुए मुकाबले में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला।

साल 2023 में अपने करियर की बेस्ट 21वीं रैंकिंग तक पहुंचने वाले ग्रीक्सपूर ने मुकाबले में शानदार वापसी की। पहले सेट के टाईब्रेकर से पहले ग्रीक्सपूर के पास एक सेट प्वाइंट था, लेकिन वह डिफेंसिव खेलने के चक्कर में अपनी बढ़त गंवा बैठे और उनका एक बैकहैंड शॉट मिस हो गया।

ग्रीक्सपूर ने शानदार खेल जारी रखा। तीसरे सेट में एक लंबी रैली के बाद उन्होंने इनसाइड-आउट फोरहैंड लगाकर 3-2 से सर्विस ब्रेक की। ज्वेरेव 2-4 और 0-30 से पीछे चल रहे थे, लेकिन वह अहम मौकों का फायदा उठाने के साथ खुद को मैच में बनाए रखने में सफल रहे। अगले गेम में ग्रीक्सपूर को पहला ब्रेक प्वाइंट मिला। जब ज्वेरेव ने लाइन के किनारे बैकहैंड मारा, जो बाहर चला गया और ग्रीक्सपूर उनकी सर्विस तोड़ने में कामयाब रहे। इसके बाद ग्रीक्सपूर ने एक फोरहैंड शॉट खेलते हुए मैच को अपने नाम कर लिया।

ज्वेरेव ने 20 विनर्स बनाए, जबकि ग्रीक्सपोर ने नेट पर 18 में से 17 सही शॉट मारे। ग्रीक्सपोर का सामना अब माटेओ अर्नाल्डी या फैबियन मारोजसन से होगा। टूर्नामेंट में टॉप-10 में शामिल 6 बड़े खिलाड़ी पहले ही हारकर बाहर हो गए हैं।

ज्वेरेव, डेनियल मेदवेदेव, फ्लेवियो कोबोली, टेलर फ्रिट्ज और एंड्री रुबलेव सभी अपने शुरुआती मैच हार गए हैं, जबकि फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को पीठ की चोट के कारण हटना पड़ा।

हॉकी इंडिया ने किया जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, शिलेइमा चानू बनीं कप्तान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान किया। यह टीम 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए चीन जाएगी।

इस टीम में 18 खिलाड़ियों के साथ दो वैकल्पिक खिलाड़ी को भी टीम में जगह दी गई है। टीम की अगुवाई मिडफील्डर खाइदेम शिलेइमा चानू करेंगी। चानू ने नए कोच टिम व्हाइट की देखरेख में काफी तैयारी की है। वह इससे पहले, साल की शुरुआत में भी टीम की कमान संभाल चुकी हैं। महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत हाल ही में टीम यूनाइटेड किंगडम (यूके) के एक अच्छे एक्सपोजर टूर से लौटी है। इस टूर से खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मैचों का कीमती अनुभव और जरूरी बातें सीखने को मिलीं, जिससे जूनियर एशिया कप से पहले उनकी तैयारियां और मजबूत हुई हैं।

यह टूर्नामेंट कॉन्टिनेंट की टॉप जूनियर टीमों को एक साथ लाएगा, जो एशियाई हॉकी टैलेंट की अगली पीढ़ी के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म का काम करेगा। मैच शेड्यूल और पूल के संयोजन की घोषणा टूर्नामेंट शुरू होने के करीब की जाएगी। कोच टिम व्हाइट ने कहा, 'मुझे इन युवा खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और पक्के इरादे पर गर्व है, जिन्होंने जूनियर एशिया कप के लिए टीम में अपनी जगह बनाई है।पिछले कुछ महीनों में, उन्होंने अपने खेल के हर पहलू को बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत की है, और मैंने उन्हें अकेले और एक टीम के तौर पर आगे बढ़ते देखा है।'

व्हाइट ने खिलाड़ियों से इस मौके का पूरा फायदा उठाने और इसे अपने बड़े सपनों को पूरा करने के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर देखने को कहा। उन्होंने कहा, 'यह टूर्नामेंट एशिया के बेस्ट खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने और बड़े लक्ष्यों की ओर अपना सफर जारी रखने का एक अहम मौका है। हम हर मैच में आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ उतरेंगे। मुझे यकीन है कि इस ग्रुप में देश को गर्व महसूस कराने का टैलेंट और कैरेक्टर है।

पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट के लिए लॉरेंस की इंग्लिश टीम में वापसी, बेथेले पूरी सीरीज से बाहर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट के लिए बैटिंग ऑलराउंडर डैन लॉरेंस को 16-सदस्यीय टीम में वापस बुलाया है। वहीं, जॉर्डन कॉक्स नंबर-3 पोजिशन पर बल्लेबाजी करते नजर आएंगे।

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच 19 अगस्त से तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज लीड्स में शुरू होगी। इसके बाद दोनों देश 27 अगस्त से लॉर्ड्स में दूसरा मुकाबला खेलेंगे। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 9 सितंबर से बर्मिंघम में खेला जाएगा।

जॉर्डन कॉक्स, जैकब बेथेल की जगह टॉप ऑर्डर में नजर आएंगे। बेथेल भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीत के दौरान अपना दाहिना घुटना चोटिल करवा बैठे थे। बेथेल अब तक इस चोट से उबर नहीं सके हैं, जिसके चलते तीन मुकाबलों की पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं।

वहीं, लॉरेंस को सरे के साथ शानदार काउंटी चैंपियनशिप सीजन के लिए इनाम मिला है, जहां वह 5 शतक और 788 रनों के साथ डिवीजन वन में सबसे आगे हैं। लॉरेंस नंबर-6 पर बैटिंग करेंगे। वह एक शानदार ऑफ-स्पिनर भी हैं, जिससे बेन स्टोक्स के इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद ऑलराउंडर की कमी को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

इंग्लिश टीम के सेलेक्शन में नए नियुक्त हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग और मार्कस ट्रेस्कोथिक शामिल थे। ट्रेस्कोथिक इस सीरीज के लिए अंतरिम हेड कोच के तौर पर टीम की देखरेख करेंगे, जिसके बाद फ्लेमिंग पूरी जिम्मेदारी संभालेंगे।

विकेटकीपर-बैट्समैन ओली पोप और पेसर ब्रायडन कार्स पिछली सर्दियों की एशेज सीरीज के बाद पहली बार टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं, जबकि सीमर सैम कुक और तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन को भी शामिल किया गया है।

पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मुकाबलों के लिए इंग्लैंड की टीम: जो रूट (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, डैन लॉरेंस, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, जेमी स्मिथ और जोश टोंग।

विजेंदर सिंह को देखकर शुरू की मुक्केबाजी, विराट कोहली का भी धन्यवाद करना चाहूंगीः साक्षी चौधरी

विश्व केसरी ■

भिवानी । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का जलवा रहा। खासतौर पर महिला मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में 5 गोल्ड मेडल डाले। इन महिला मुक्केबाजों में साक्षी चौधरी का भी नाम शुमार रहा, जिन्होंने 51 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीता। हरियाणा के भिवानी स्थित अपने घर पहुंचने पर साक्षी का भव्य स्वागत हुआ।

साक्षी ने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें काफी खुशी है कि उनके परिजन भारी तादाद में पहुंचकर उनके मेडल जीतने के जश्न मनाने पहुंचे हैं। साक्षी ने कहा कि वह अपना गोल्ड मेडल सभी देशवासियों को समर्पित करना चाहेंगी, क्योंकि वह ग्लासगो में पूरे देश का प्रतिनिधत्व कर रही थीं। साक्षी के अनुसार, उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए रवाना होने से पहले अपने माता-पिता से वादा किया था कि वह गोल्ड जीतकर वापस आएंगी और वह ऐसा करने में सफल रहीं। उन्होंने कहा कि अपना वादा पूरा करने की उन्हें काफी खुशी है।

साक्षी ने ग्लासगो में उनकी वजह से पोडियम पर भारत का राष्ट्रगान चलने को सबसे खास पल बताया। उन्होंने कहा, 'सबसे गर्व का पल वह था जब राष्ट्रगान बजाया गया और तिरंगा फहराया गया। अपनी उपलब्धि की वजह से विदेश में राष्ट्रगान सुनना एक सपना सच होने जैसा था। हम अपने देश के लिए बहुत मेहनत करते हैं और भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतना बहुत गर्व की बात है। 'साक्षी ने बताया कि उन्होंने मुक्केबाजी की शुरुआत विजेंदर सिंह को देखकर की थी। भारतीय महिला मुक्केबाज ने विराट कोहली का भी धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि कोहली ने भी इस यात्रा में उनका काफी साथ दिया है और वह उनके स्पॉन्सर रहे हैं। भारत का प्रदर्शन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन, हॉकी और शूटिंग जैसे अहम खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत 13 गोल्ड समेत कुल 39 मेडल जीतने में सफल रहा। 39 में से 10 मेडल देश को भारतीय मुक्केबाजों ने दिलाए। भारतीय मुक्केबाजी टीम का यह कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा।

'हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है', कोच गंभीर ने दी टीम इंडिया को नसीहत

विश्व केसरी ■

कोलंबो । भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत 7 अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं।

हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।

आकाश चोपड़ा ने बताया, क्यों श्रीलंका टेस्ट सीरीज में सारांश जैन को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त होने जा रहा है। सारांश जैन को इस सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। हालांकि, भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि सारांश को इस सीरीज में प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल नजर आ रहा है।

आकाश चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में बताया क्यों श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सारांश को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल है। उन्होंने बताया, 'मुझे अभी भी लग रहा है कि सारांश को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिलेगा। श्रीलंका की टीम का अभी ऐलान नहीं हुआ है,

लेकिन मुझे लगता है कि जब टीम का ऐलान होगा भी तब भी उसमें शायद एक ही बाएं हाथ का बल्लेबाज होगा। भारत के पास चार स्पिनर मौजूद हैं।'

पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, 'मानव सुथार पहले ही मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। वहीं, रवींद्र जडेजा वापसी कर रहे हैं और उन्हें वैसे ही एक ही फॉर्मेट में पूरी तरह से खेलने का मौका मिलता है। फिर आपके पास कुलदीप यादव भी हैं। सामने वाली टीम में दाएं हाथ के ज्यादा बल्लेबाज होंगे और इसे देखते हुए सारांश को मेरे हिसाब से मौका नहीं मिलेगा।' आकाश ने अभिमन्यु ईश्वरन का उदाहरण देते हुए कहा कि घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके आने वाले खिलाड़ियों को शायद प्राप्त मौके नहीं मिलते हैं।

हालांकि, आकाश ने कहा कि सारांश के लिहाज से अच्छी बात यह है कि उनका टीम में सिलेक्शन हुआ है। पूर्व क्रिकेटर के अनुसार, अगर वॉशिंगटन सुंदर फिट होते, तो सारांश को टीम में जगह नहीं मिलती। आकाश ने कहा कि श्रीलंका वाली सीरीज में सारांश का टेस्ट डेब्यू होना उन्हें काफी मुश्किल लग रहा है।

भारतीय टीम का रिकॉर्ड टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ शानदार रहा है। दोनों टीमों के बीच कुल 46 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से भारत को 22 में जीत मिली है, जबकि श्रीलंका ने सिर्फ मुकाबलों में जीत दर्ज की है।

दिसंबर में भारतीय महिला टीम का साउथ अफ्रीका दौरा, जोड़ी गई 3 मुकाबलों की टी20 सीरीज

विश्व केसरी ■

जोहान्सबर्ग। दिसंबर 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी, जिसमें तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज जोड़ी गई है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

सीएसए के अनुसार, शेड्यूल में टी20 सीरीज को इसलिए जोड़ा गया है, ताकि अगले साल होने वाली पहली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी की जा सके। चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी 2027 में श्रीलंका में आोजित होगी।

भारत ने अप्रैल में विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी के तौर पर साउथ अफ्रीका का दौरा किया था, जहां 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। अब 'विमेन इन ब्लू' के पास हिसाब बराबर करने का

मौका होगा।

भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमें 9-12 दिसंबर के बीच गकेबेरहा में इकलौता टेस्ट मैच खेलेंगी। इसके बाद 16 दिसंबर से तीन मुकाबलों की आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप (आईडब्ल्यूसी) वनडे सीरीज शुरू होगी, जिसका पहला मैच पार्ल में आयोजित होगा। वनडे सीरीज का दूसरा मैच 19 दिसंबर को केपटाउन, जबकि तीसरा मुकाबला 22 दिसंबर को ब्लॉमफोन्टेन में खेला जाना है।

दोनों देश 26 दिसंबर से टी20 सीरीज खेलेंगे। पहला मुकाबला बेनोनी में आयोजित होगा। इसके बाद 29 दिसंबर को पोटचेफस्ट्रूम दूसरे मैच की मेजबानी करेगा। सीरीज का अंतिम मैच पोटचेफस्ट्रूम में 30 दिसंबर को खेला जाना।

बदले हुए शेड्यूल का स्वागत करते हुए, सीएसए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेट्सी मोसेकी ने कहा, 'हमें भारत के साउथ अफ्रीका दौरे के लिए बदले हुए शेड्यूल की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।

इसमें त्योहारों के समय टी20 इंटरनेशनल सीरीज को भी जोड़ा गया है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हमारी प्रोटियाज महिला टीम को अगले साल की शुरुआत में श्रीलंका में होने वाली पहली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे अच्छी तैयारी का मौका मिल सके।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251